हर खबर पर हमारी पकड़

# नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

11 कोहली ने होटल के कमरे का वीडियो ...

12 कंगना रनौत ने दिया राजनीति में आने के ...

वर्ष : 12, अंक : 51 , पृष्ठ : 12 | नई दिल्ली 01 नवम्बर से 15 नवम्बर 2022 | RNI NO. DELHIN/ 2009 28409 | मूल्य :- ₹5/

## सात राज्यों, दो केंद्रशासित प्रदेशों ने अपना स्थापना दिवस मनाया

**एजेंसी ■ नई दिल्ली**

देश के सात राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों ने मंगलवार को अपना स्थापना दिवस मनाया। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति समेत अन्य हस्तियों ने इन राज्यों और प्रदेशों के लोगों को बधाई दी। इस दिन आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश और पंजाब के अलावा केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप और पुडुचेरी की स्थापना हुई थी। हालांकि इनकी स्थापना अलग-अलग वर्षों में की गई थी। भारत में 28 राज्य और आठ केंद्रशासित प्रदेश हैं।

साल 1956 में आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश अस्तित्व में आए थे। 1966 में पंजाब और हरियाणा के रूप में दो राज्यों का गठन किया गया, जबकि 2002 में छत्तीसगढ़ का गठन किया गया। राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत यह पहली बार था जब 1956 में भाषाई आधार पर कई राज्यों का गठन किया गया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ट्वीट किया, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, पंजाब, लक्षद्वीप और पुडुचेरी के लोगों को स्थापना दिवस की बधाई।

## पीएम मोदी ने मोरबी में पुल दुर्घटना स्थल का दौरा किया

**एजेंसी ■ मोरबी**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मोरबी हादसे के बाद स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि इस त्रासदी से संबंधित सभी पहलुओं की पहचान करने के लिए एक विस्तृत और व्यापक जांच समय की मांग है। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने कहा कि जांच से मिले प्रमुख सबकों को जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री को राहत अभियान और प्रभावित परिवारों को उपलब्ध कराई गई मदद के बारे में जानकारी दी गई। मोदी ने कहा कि अधिकारियों को प्रभावित परिवारों के संपर्क में रहना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दुख की इस घड़ी में उन्हें हर संभव मदद मिले।बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह मंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे। इससे पहले मोदी ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय अस्पताल भी गए जहां इस हादसे में घायल हुए लोगों का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने राहत और बचाव के काम में शामिल लोगों से बातचीत की और उनके प्रयासों की सराहना की।

## मोरबी हादसे में मृतक संख्या हुई 135, कुल 170 लोगों को बचाया गया: गुजरात के मंत्री

**मोरबी (गुजरात)।** गुजरात सरकार के मंत्री राजेंद्र त्रिवेदी ने मंगलवार को कहा कि मोरबी पुल हादसे में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 135 हो गई है और अब तक 170 अन्य को बचा लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि सशस्त्र बलों, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अन्य एजेंसियों द्वारा मच्छु नदी में बचाव अभियान अभी जारी है। राजकोट रेंज के महानिरीक्षक (आईजी) अशोक कुमार यादव ने सोमवार को कहा था कि रविवार शाम को मोरबी में पुल के टूटकर गिरने से 134 लोगों की मौत हो गई। गुजरात के कैबिनेट मंत्री त्रिवेदी ने मंगलवार को कहा, अब तक बचाव दलों ने 135 शव बरामद किए हैं, जबकि नदी में गिरे करीब 170 लोगों को जिंदा बचा लिया गया है।

मंत्री ने राज्य की राजधानी गांधीनगर में संवाददाताओं से कहा, सभी मृतकों के परिजनों को पहले ही गुजरात सरकार द्वारा घोषित चार-चार लाख रुपए का मुआवजा दिया जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित दो-दो लाख रुपए का मुआवजा जल्द ही उनके बैंक खातों में डीबीटी (प्रत्यक्ष बैंक अंतरण) के माध्यम से जमा किया जाएगा।

## तृणमूल कांग्रेस ने मोरबी पुल हादसे को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर साधा निशाना

**एजेंसी ■ कोलकता**

मोरबी पुल हादसे को लेकर गुजरात की भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस राज्य (गुजरात) की निंदा करेंगे, जैसे कि उन्होंने 2016 में पश्चिम बंगाल में हुई इसी तरह की घटना को लेकर की थी।

टीएमसी ने मार्च 2016 में बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान मध्य कोलकाता में निर्माणाधीन विवेकानंद रोड फ्लाईओवर का एक हिस्सा ढह जाने का स्पष्ट रूप से हवाला देते हुए यह कहा। इस हादसे में 27 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

टीएमसी महासचिव कुणाल घोष ने कहा, 2016 के विधानसभा चुनाव के दौरान कोलकाता में जब एक पुल गिर गया था, प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी (भाजपा) के पक्ष में चुनाव प्रचार करते हुए इसके लिए भ्रष्टाचार को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया था। अब उन्हें गुजरात में हुई घटना के बारे में ऐसा ही कहना चाहिए।

टीएमसी ने एक वीडियो क्लिप भी साझा की, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल में 2016 में पुल गिरने के लिए राज्य की ममता बनर्जी नीत सरकार की आलोचना करते देखे जा सकते हैं।

## आदिवासी समाज के संघर्ष व बलिदान को इतिहास में उचित जगह नहीं मिली

**एजेंसी ■ मानगढ़**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आदिवासी समाज के संघर्ष और बलिदान को आजादी के बाद लिखे गए इतिहास में जो जगह मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिली और आज देश दशकों की उस भूल को सुधार रहा है।उन्होंने कहा, भारत का अतीत, भारत का इतिहास, भारत का वर्तमान, और भारत का भविष्य आदिवासी समाज के बिना पूरा नहीं होता। प्रधानमंत्री ने कहा, 17 नवंबर 1913 को मानगढ़ में जो नरसंहार हुआ वह अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की पराकाष्ठा थी। एक ओर आजादी में निष्ठा रखने वाले भोले-भाले आदिवासी थे तो दूसरी ओर दुनिया को गुलाम बनाने की सोच थी, मानगढ़ की इस पहाड़ी पर अंग्रेजी हुकूमत ने डेढ़ हजार से ज्यादा युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं को घेरकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। उन्होंने कहा कि।,500 से ज्यादा लोगों की जघन्य हत्या करने का पाप किया गया, लेकिन दुर्भाग्य से आदिवासी समाज के संघर्ष और बलिदान को आजादी के बाद लिखे गए इतिहास में जो जगह मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिली।प्रधानमंत्री से पहले गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि जलियांवाला बाग हत्याकांड से भी भीषण इस मानगढ़ हत्याकांड में हजारों आदिवासी राष्ट्रप्रेमी लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आजादी के बाद आजादी की लड़ाई का सही इतिहास सचमुच में नहीं पढ़ाया गया और कई शहीद ऐसे थे जिनका बलिदान सामने नहीं आया।वे राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित समारोह मानगढ़ धाम की गौरव गाथा में बोल रहे थे जहां मानगढ़ नरसंहार के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

मानगढ़ धाम राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश में रहने वाले आदिवासियों का पवित्र स्थान है। गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव और अगले साल के अंत में राजस्थान और मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए आदिवासी क्षेत्र भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।प्रधानमंत्री मोदी पर अकसर हमला बोलते रहे राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कार्यक्रम में मोदी और गुजरात तथा मध्य प्रदेश के अपने समकक्षों-भूपेंद्र पटेल और शिवराज सिंह चौहान के साथ मंच साझा किया।

## भारत में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं, इसलिए पीएम को दुनिया में सम्मान मिलता है

**एजेंसी ■ जयपुर**

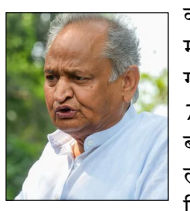

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया भर में सम्मान मिलता है, क्योंकि वह ऐसे देश के प्रधानमंत्री है, जहां लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं और जो महात्मा गांधी का देश है। गहलोत ने मानगढ़ धाम में मानगढ़ धाम की गौरव गाथा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह कहा। इस दौरान मंच पर प्रधानमंत्री मोदी भी मौजूद थे। गहलोत ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के मुल्कों में जाते हैं, तो उन्हें कितना सम्मान मिलता है। ऐसा क्यों होता है... क्योंकि नरेंद्र मोदी जी उस देश के प्रधानमंत्री हैं जो गांधी का देश है, जहां लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं, गहरी हैं। यहां 70 साल के बाद भी लोकतंत्र जिंदा रहा है। मानगढ़ की पहाड़ी भील समुदाय और राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश की अन्य जनजातियों के लिए विशेष महत्व रखती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यहां भील और अन्य जनजातियों ने लंबे समय तक अंग्रेजों से लोहा लिया। स्वतंत्रता सेनानी गोविंद गुरु के नेतृत्व में 17 नवंबर 1913 को 1.5 लाख से अधिक भीलों ने मानगढ़ पहाड़ी पर सभा की थी।

## सेना प्रमुख ने भूटानी कमांडर से रक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर बातचीत की

**एजेंसी ■ नई दिल्ली**

सेना प्रमुख मनोज पांडे ने भूटान की सीमा के नजदीक एवं डोकलाम पठार के आसपास चीन द्वारा अवसंरचना विकास किए जाने के बीच मंगलवार को रॉयल भूटान आर्मी के अभियान प्रमुख लेफ्टिनेंट बाटू त्सेरिंग से द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को विस्तार देने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों सैन्य अधिकारियों की बातचीत के केंद्र में भारत-भूटान रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलू थे और उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा के संदर्भ में उत्पन्न परिस्थिति की भी समीक्षा की।

उल्लेखनीय है कि पांडे की भूटान यात्रा के तीन महीने बाद लेफ्टिनेंट त्सेरिंग नई दिल्ली की यात्रा पर आए हैं। सेना ने ट्वीट किया, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने रॉयल भूटान आर्मी के मुख्य परिचालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल बाटू त्सेरिंग का गर्मजोशी से स्वागत किया और दोनों सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।भूटानी कमांडर ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जा कर, शहीद जवानों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। लेफ्टिनेंट जनरल त्सेरिंग को साउथ ब्लॉक के उद्यान में गारद सलामी भी दी गई। गौरतलब है कि डोकलाम पठार को भारत के लिए रणनीतिक रूप से अहम माना जाता है। वर्ष 2017 में भारत-चीन-भूटान की सीमा पर स्थित डोकलाम में बीजिंग द्वारा सड़क निर्माण की कोशिश की गई थी।

## राहुल के नेतृत्व में गैर-भाजपाई सरकार देगी कांग्रेस : खड़गे

**एजेंसी ■ हैदराबाद**

कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में गैर भाजपाई सरकार देगी। पार्टी के शीर्ष पद पर चुने जाने के बाद यहां भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए उन पर हर दिन झूठ फैलाने का आरोप लगाया, जो लंबे समय में देश को बर्बाद कर सकता है। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा, अगर कोई गैर भाजपाई सरकार लाएगा तो राहुल गांधी के नेतृत्व में, कांग्रेस के नेतृत्व में हम यह करेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा को भारी संख्या में युवाओं का समर्थन मिल रहा है क्योंकि मोदी 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान किए गए दो करोड़ नौकरियों के वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं।खरगे ने कहा कि गुजरात चुनाव की घोषणा में विलंब हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी को मोरबी में गिरे पुल जैसे और पुलों का उद्घाटन करना है।खरगे ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा और उन पर खुद के लिए राष्ट्रीय भूमिका पर नजर रखते हुए राज्य के लोगों के कल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा, केसीआर अन्य राज्यों का दौरा कर रहे हैं और नेताओं से मिल रहे हैं। वह कोलकाता, फिर पंजाब, तमिलनाडु और बिहार गए। पहले अपना घर तो देख लीजिए।

## मुंबई: मजगांव और मांडवा के बीच वाटर टैक्सी सेवा शुरू

**मुंबई।** मुंबई के मजगांव घरेलू क्रूज टर्मिनल और रायगढ़ जिले में अलीबाग के निकट मांडवा के बीच मंगलवार को नई वाटर टैक्सी सेवा शुरू हो गई। नयनतारा शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शुरू की गई इस सेवा में नए वाहन नयन XI का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसके पिछले हिस्से में 140 जबकि ऊपर बिजनेस क्लास हिस्से में 60 लोगों को बैठने की व्यवस्था है। सेवा शुरू किए जाने से संबंधित कार्यक्रम में मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (एमबीपीटी) के अध्यक्ष राजीव जलोटा और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

## छठ पूजा के दौरान 53 लोगों की मौत, मुख्यमंत्री ने गहरी संवेदना व्यक्त की

**एजेंसी ■ पटना**

बिहार में छठ पूजा के दौरान डूबने सहित विभिन्न हादसों में 53 लोगों की मौत हो गई है। छठ पूजा के दौरान हुई लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरा दुख प्रकट किया एवं मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि अविलम्ब उपलब्ध कराने का जिला प्रशासन को निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ने ईश्वर से शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। बिहार 30 एवं 31 अक्टूबर को प्रदेश के विभिन्न छठ घाटों पर नहाने के दौरान डूबने से 21 लोगों की मौत हो गई।

मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर में तीन-तीन, भागलपुर एवं रोहतास में दो-दो तथा कैमूर, कटिहार, मधेपुरा, नवादा, सीतामढ़ी, वैशाली, सहरसा, कटिहार, पटना एवं मधेपुरा जिला में एक-एक व्यक्ति की छठ घाटों पर नहाने के दौरान डूबने से तथा अररिया में छठ घाट पर बिजली की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हुई है।

## वे चीन को लद्दाख में घुसने से रोक नहीं सकते, लेकिन मुझे करगिल नहीं जाने देंगे: उमर

**एजेंसी ■ श्रीनगर**

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता उमर अब्दुल्ला ने दावा किया है कि केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में प्राधिकारियों ने उन्हें करगिल जाने से रोकने की कोशिश की। उमर ने सोमवार को द्रास में अपने समर्थकों की सभा में कहा, उन्होंने मुझे यहां नहीं आने को कहा। वहां (पूर्वी लद्दाख में) चीन आ गया है, आप उन्हें रोक नहीं सके, आप उन्हें वापस नहीं भेज सके। हम केवल श्रीनगर से द्रास के जरिए करगिल जा रहे हैं। हम यहां शहर पर कब्जा जमाने नहीं आए हैं। अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि उन्हें द्रास में सार्वजनिक संबोधन प्रणाली का इस्तेमाल करने और डाक बंगला सुविधा का लाभ उठाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा, मैं छह साल जम्मू-कश्मीर का मुख्यमंत्री रहा हूं, लेकिन उनके कुछ फैसले मेरी समझ में नहीं आते। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार को अपने फैसले पर ही भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा, उन्होंने अगस्त 2019 में आपको (लद्दाख को) जम्मू-कश्मीर से अलग कर दिया। यदि यह आपकी दिली मांग थी, तो वे हमें प्रवेश करने की अनुमति देने से क्यों डरते हैं?

उन्होंने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वे काल्पनिक रेखाएं बनाकर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के बीच सदियों पुराने संबंध समाप्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, हमारे संबंध बहुत मजबूत हैं और ए फर्जी रेखाएं इन्हें कमजोर नहीं कर सकतीं। हम आपका दर्द समझ सकते हैं, हम जानते हैं कि आपको नज़रअंदाज किया जा रहा है।

**हिमाचल चुनाव**

## कांग्रेस मां-बेटे की पार्टी, परंपरा तोड़कर एक बार फिर हिमाचल में भाजपा की सरकार बनाएं: शाह

**एजेंसी ■ चंबा**

केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में मां-बेटे कांग्रेस को चला रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि आरोप पत्र में नामजद लोग राज्य में अच्छी सरकार कैसे दे सकते हैं? गृह मंत्री ने दिल्ली में कांग्रेस के नेताओं सोनिया गांधी व राहुल गांधी और हिमाचल प्रदेश में प्रतिभा सिंह तथा उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह की ओर इशारा करते हुए यह टिप्पणी की। शाह ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक भारत में राजा-रानी वाले दिन गए और यह आम आदमी का दौर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके बजाय काम की राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया है। गृह मंत्री ने चंबा, करसोग और कसुम्पटी में कई जनसभाओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि किसी को भी पार्टी द्वारा दी गई गारंटियों पर विश्वास नहीं है।हिमाचल प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर आए शाह शिमला में रात बिताएंगे। उनका बुधवार को भी राज्य में चुनावी सभाओं को संबोधित करने का कार्यक्रम है। उन्होंने चंबा में भट्टियात से विधायक और 12 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार बिक्रम सिंह जरयाल के समर्थन में रैली को संबोधित किया।

## राहुल गांधी ने चारमीनार के सामने तिरंगा फहराया

**एजेंसी ■ हैदराबाद**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हैदराबाद की पहचान चार मीनार के सामने मंगलवार को तिरंगा फहराया। करीब 32 साल पहले उनके पिता और तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष राजीव गांधी ने भी उसी स्थान से सदभावना यात्रा की शुरुआत की थी। राहुल गांधी ने जब राष्ट्रीय ध्वज फहराया तब कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, वरिष्ठ पार्टी नेता दिग्विजय सिंह, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष रेवंथ रेड्डी भी मौजूद थे। राहुल गांधी भारत जोड़ो के नारे और सड़क किनारे खड़ी भीड़ के बीच चारमीनार पहुंचे। इस दौरान चारमीनार जाने वाली सड़कों पर बड़ी संख्या में पार्टी के झंडे के साथ कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर राहुल गांधी ने मंच पर पिता राजीव गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि जिस स्थान पर राहुल गांधी ने तिरंगा फहराया है, उसी स्थान से 19 अक्टूबर 1990 को उनके पिता राजीव गांधी ने सद्भावना यात्रा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि हर साल उस दिन कांग्रेस यहां तिरंगा फहराती है। रमेश ने कहा कि इस बार 19 अक्टूबर को हम यहां तिरंगा नहीं फहरा सके थे, इसलिए मंगलवार को राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 32 साल पहले, पापा ने चारमीनार से सद्भावना यात्रा की शुरुआत की थी। भारत की एकता और अखंडता के लिए उन्होंने अपनी जान की कुर्बानी दी थी। सद्भावना मानवता का सबसे अनुपम मूल्य है। मैं, और कांग्रेस पार्टी, इसे किसी विभाजनकारी ताक़त के सामने टूटने नहीं देंगे। उन्होंने इसके साथ ही झंडा फहराने का वीडियो भी अपने माइक्रोब्लॉगिंग मंच से साझा किया है। राहुल गांधी ने भारी भीड़ के बीच तिरंगा फहराया। उल्लेखनीय है कि भारत जोड़ो नाम से चल रही यात्रा मंगलवार को शम्साबाद स्थित मठ मंदिर से शुरू हुई और दोपहर को विश्राम के लिए बदरपुरा के लीगेसी पैलेस के पास रुकी।

खास ख़बर

## सिद्दू मूसेवाला: पिता ने कहा न्याय नहीं मिला तो देश छोड़ देंगे

**मानसी शर्मा / पंजाब।** पंजाबी गायक सिद्दू मूसेवाला हत्याकांड के मामले में न्याय की गुहार लगा रहे पिता बलकार सिंह का एक भावुक वीडियो सामने आया है जिसमें वह कहते दिखाई दे रहे हैं कि भागदौड़ कर थक चुका हूं लेकिन अभी तक न्याय नहीं मिला है । बेटे की हत्या सुनियोजित तरीके से हुई है लेकिन पुलिस इसे गैंग और मान रही है वीडियो में वह कह रहे हैं कि अगर 25 नवंबर तक न्याय नहीं मिला तो वह देश छोड़ देंगे और मुकदमा वापस ले लेंगे ।

उन्होंने कहा मैंने देशसेवा की है और एक सेवानिवृत्त सैनिक हूं । मैंने लगातार न्याय की मांग कर रहा हूं लेकिन मुझे नहीं आए मिलने के बजाय परेशान किया गया है । आपको बता दे कि 29 मई को बेटे सिद्दू मूसेवाला कि हत्या कर दी गई थी।

**बेटे को बदनाम किया** – मुझसे वाले की मां चरण कौर ने कहा कि सिद्धू ने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया है कुछ लोग उन्हें बदनाम कर रहे हैं सरकार को परवाह नहीं है कि किसी का बेटा मर गया है ।

## अमेरिकी वैज्ञानिकों ने लैब में तैयार कर दिया कोरोना वायरस, कहर बरपाने के बाद जांच शुरू

**बोस्टन/अमेरिका।** पिछले ढाई सालों से कोरोना वायरस ने दुनियाभर में काफी कहर बरपाया। हालांकि, टीकाकरण के बाद मामलों में काफी कमी आ गई है, लेकिन डर अब भी कायम है। इस बीच, अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने लैब में कोरोना वायरस का आर्टिफिशियल फॉर्म तैयार कर लिया है, जिसके बाद हंगामा मच गया। स्टडी के सामने आने के बाद अमेरिकी हेल्थ अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि उसके अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या स्टडी, जिसे आंशिक रूप से अमेरिकी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था, को आगे बढ़ने से पहले अतिरिक्त जांच से गुजरना चाहिए था। स्टडी की फाइंडिंग्स के शुरुआती वर्जन, जिसमें रिसर्चर्स ने कोविड -19 के मूल स्ट्रेन के एक लैब में तैयार किए गए वर्जन को ओमिक्रोन संस्करण से स्पाइक प्रोटीन के साथ जोड़ा, पिछले शुक्रवार को प्रकाशित की गई थी। बता दें कि ओमिक्रोन वैरिएंट कम घातक साबित हुआ है, लेकिन यह काफी तेजी से फैल गया। नए आर्टिफिशियल स्ट्रेन ने 80 प्रतिशत चूहों को मार डाला, जो इसके संपर्क में आए। यूनिवर्सिटी ने बताया कि उसने यह देखने के लिए परीक्षण नहीं किया कि क्या यह मूल स्ट्रेन से अधिक तेजी से फैलता है या नहीं।

**एनआईएच कर रहा पूरे मामले की जांच**

एनआईएच ने कहा कि उसने आगे बढ़ने से पहले काम की समीक्षा नहीं की थी, भले ही शोधकर्ता सरकारी पैसों का इस्तेमाल कर रहे थे। एक प्रवक्ता ने कहा, एनआईएच इस मामले की जांच कर रहा है, ताकि यह तय किया जा सके कि किया गया शोध एनआईएच ग्रांट पॉलिसी स्टेटमेंट के अधीन था या नहीं।

# गुजरात में केबल पुल टूटने से हुई 135 लोगों की मौत 9 गिरफ्तार

### IG बोले- आरोपियों को सख्त सजा दिलाएंगे

**मानसी शर्मा / गुजरात ।** गुजरात के मोरबी शहर में रविवार शाम एक झूला पुल टूट जाने से बड़ा हादसा हो गया। घटना के वक्त पुल पर 500 से ज्यादा लोग मौजूद थे । देर रात 135 लोगों के मरने की पुष्टि हुई । 70 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं । जबकि कई लापता है । स्थानीय पुलिस और एनडीआरएफ के अलावा सेना की 3 शाखाओं की टीमों ने बचाव में मदद की । बोझ नहीं सह सका पुल ~ मच्छु नदी पर बना यह पुल पिछले 6 महीने से बंद रहा । दो करोड़ रुपए से मरम्मत कर 25 अक्टूबर को इसे खोला गया था । अधिकारियों के मुताबिक , पुल की क्षमता 100 लोगों का वजन सहन करने की है लेकिन रविवार को छुट्टी होने के चलते करीब 500 लोग जुटे थे । सूत्रों के अनुसार शाम करीब 6-30 बजे जब पुल टूटा , उस पर कई महिलाएं बुजुर्ग और बच्चे भी थे। हादसा होते ही तमाम लोग जान बचाने के लिए कूदते देखे गए ।

**मोदी ने मुख्यमंत्री से बात की** – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से फोन पर बात कर हालात की जानकारी ली । उन्होंने बचाव अभियान की लगातार निगरानी को कहा । मृतक लोगों को दो- दो लाख और घायलों को 50 ङ्क 50 हजार की सहायता का ऐलान किया गया है ।

**कंट्रोल रूम बनाया** – गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बचाव अभियान के लिए तीनों जिलों में एनडीआरएफ की टीमें लगाई गई हैं । कंट्रोल रूम और हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं

**देर रात तक तलाश** – देर रात तक लापता लोगों की तलाश का काम चलता रहा एनडीआरएफ की टीमों और स्थानीय गोताखोर जुटे रहे । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ट्वीट किया कि अभियान पूरी क्षमता से चलाया जा रहा है । देर रात मुख्यमंत्री जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे । गुजरात के मोरबी जिले में हुए पुल हादसे में पुलिस ने सोमवार (31 अक्टबूर) को नौ लोगों को गिरफ्तार किया है. हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने आरोपियों की अस्पताल ले जाकर कोविड जांच करवाई. मोरबी पुलिस ने कहा कि घटना के संबंध में गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है. पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है उनमें दो प्रबंधक, दो मरम्मत करने वाले कॉन्ट्रेक्टर पिता और पुत्र, तीन सुरक्षा गार्ड और दो टिकट क्लर्क शामिल हैं.

राजकोट रेंज के आईजी अशोक यादव ने सोमवार (31 अक्टूबर) को कहा कि मोरबी में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, हम संवेदना व्यक्त करते हैं. कल शाम को 6.30 बजे पुल गिरा था. हमने सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए आईपीसी की 304, 308 धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है. आरोपियों को सख्त सजा दिलाएंगे.

## डीजल और पेट्रोल के भाव में आई नरमी जाने आपके शहर के नए दाम

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

**मानसी शर्मा /–** सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार के लिए पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी कर दिए हैं। आज को तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में थोड़ा बदलाव किया है। उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है।

**यूपी-बिहार में दामों में कमी**

बता दें कि सरकारी तेल कंपनियों की ओर से आज नई कीमतें जारी की है जिसमें उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 35 पैसे सस्ता हो गया है। इसकी नई कीमतें 96.65 रुपये प्रति लीटर हैं। वहीं, डीजल के दाम में 32 पैसे की कटौती हुई है और इसकी नई कीमत 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल-डीजल 96.57 रुपये लीटर और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 82 पैसे गिरकर 107.30 रुपये लीटर और डीजल 77 पैसे टूटकर 94.09 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, जबकि डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये है।

**ऐसे जानें पेट्रोल-डीजल की नई कीमत**

पेट्रोल डीजल के रोजाना के दाम आप स्रूस के माध्यम से भी जान सकते हैं। इसके लिए इंडियन ऑयल के ग्राहकों को RSP और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर एसएमएस भेजना होगा। वहीं, बीपीसीएल के उपभोक्ता RSP और अपने शहर का कोर्ड लिखकर 9223112222 नंबर पर SMS भेजकर जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा एचपीसीएल के उपभोक्ता HPPrice व अपने शहर का कोड लिखकर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

# मेट्रो यात्रियों के लिए खुशखबरी व्हाट्सएप से ले सकेंगे टिकट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

**मानसी शर्मा।** वॉट्सऐपअपने यूजर्स को लेकर काफी एक्टिव रहता है। समय-समय पर नए फीचर्स भी लेकर आता रहता है। इसी के साथ अब मेट्रो टिकट खरीदने के लिए आपका लंबी लाइन में लगने का झंझट खत्म, बस वॉट्सऐप पर एक मैसेज भेजने भर से आपका काम हो जाएगा। जी हां, मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट लिमिटेड (MMOPL) जो शहर में वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर मार्ग पर मेट्रो सेवा संचालित करती है, ने गुरुवार को वॉट्सऐप पर ई-टिकट सुविधा शुरू की है। मुंबई मेट्रो वन वॉट्सऐप पर ई-टिकट की पेशकश करने वाला दुनिया का पहला एमआरटीएस (मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) है, इसने एक रिलीज में इस बात का दावा किया है।

वॉट्सऐप से मिला मेट्रो टिकट वॉट्सऐप और बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने पार्टनरशिप का ऐलान किया है। जिसमें कहा जा रहा है कि पार्टनरशिप

के तहत नम्मा मेट्रोकी वॉट्सऐप चैटबॉट बेस्ड त्क्र टिकटिंग सर्विस शुरू हुई है। चैटबॉट यूपीआईसे इंटीग्रेटेड है। इसकी मदद से नम्मा मेट्रोयूजर्स ऑनलाइन टिकट खरीद सकते हैं। इसके लिए उन्हें लाइन में लगने की जरूरत नहीं होगी। ना सिर्फ टिकट बल्कि यूजर्स अपने मेट्रो कार्ड को भी इस चैटबॉट की मदद से रिचार्ज कर सकते हैं।वहीं कॉर्पोरेशन ने बताया कि उनका चैटबॉट इंग्लिश और कन्नड दोनों भाषाओं में उपलब्ध है.

**ऐसे करें इस्तेमाल**

बता दें कि इस सर्विस का लाभ उठाने के लिए आपको क्क्रक्ष्टरु के

**बदलाव**

- व्हाट्सएप ने किए कुछ नए बदलाव
- अब मेट्रो टिकट खरीदने के लिए लाइन को कहिए टाटा बाय- बाय

### टाटा बाय- बाय

आधिकारिक वॉट्सऐप चैटबॉट नंबर +91 8105556677 पर भेजना होगा। यहां आपको कई सारे ऑप्शन मिलेंगे। यूजर्स अपनी जरूरत के हिसाब से रिचार्जिंग मेट्रो ट्रैवल पास खरीद सकते हैं। इसके अलावा यूजर्स सिंगल जर्नी टिकट भी खरीद सकते हैं। इनकी पेमेंट भी वॉट्सऐप की मदद से की जा सकती है। इस साल की शुरुआत में मुंबई मेट्रो ने भी ई-टिकट ऑन वॉट्सऐप सर्विस शुरू की है।

**इतने लाख लोगों को मिलेगा फायदा**

2014 से परिचालित, वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर मुंबई में पहला मेट्रो मार्ग है। मुंबई मेट्रो वन में रोजाना 2,60,000 लोग सवार होते हैं। MMOPL ने यह भी दावा किया कि उसने बैंक कॉम्बो कार्ड, मोबाइल क्यूआर टिकट और लॉयल्टी प्रोग्राम जैसे कई तकनीकी इनोवेशन को अपनाया है।

**अब 10 करोड़ यूजर्स को मिलेगी वॉट्सऐप की ये सुविधा**

वॉट्सऐप ने हाल ही में घोषणा की कि वह भारत में अपनी पेमेंट सर्विस का विस्तार 100 मिलियन (10 करोड़) यूजर्स तक करेगा। यह सेवा पहले 40 मिलियन (4 करोड़) उपयोगकर्ताओं तक सीमित थी, हालांकि, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) ने अब इसकी सीमा बढ़ाकर 100 मिलियन कर दी है। हालांकि यह छूट वॉट्सऐप के लिए राहत की बात है, फिर भी यह भारत में सेवा के विकास में बाधा उत्पन्न कर सकती है क्योंकि देश में इसके 500 मिलियन (50 करोड़) से अधिक एक्टिव यूजर्स हैं।

## नरेला की फैक्ट्री में लगी भीषण आग हुई 2 लोगों की मौत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

**मानसी शर्मा।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र की प्लास्टिक दाना बनाने वाली तीन मंजिला फैक्ट्री में मंगलवार सुबह आग लग गई। आग लगने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई लोग झुलस गए।

दमकल अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह 9.35 बजे फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। 15 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है। इसमें दो लोगों की मौत हो गई है। उनकी पहचान की जा रही है। घायलों की हालत स्थिर है।

**आग पर काबू पाने की कोशिश जारी**

जानकारी के अनुसार, दिल्ली के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में भीषण आग लग गई है। जिसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी गई जिसके बाद दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने की कोशिश में लगी है। वहीं इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है जबकि कई आग में झुलसे गए है। जिनका इलाज अस्पताल में भर्ती करवा दिए है। वहीं सभी की हालत स्थिर है और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। वहीं दिल्ली के डीसीपी देवेश कुमार महला ने बताया कि 20 लोगों को बचाया गया है, 18 लोग घायल हैं और 2 लोगों की मृत्यु हुई है। साथ ही दिल्ली फायर ऑफिसर ने बताया कि आग के कारण का पता नहीं चल पाया है। अभी कूलिंग में 2-3 घंटे और लगेंगे।

## आम आदमी को महंगाई से मिली बड़ी राहत एलपीजी सिलेंडर हुआ 115 सस्ता

**मानसी शर्मा।** नवंबर के महीने की शुरुआत के साथ ही लोगों को महंगाई से बड़ी राहत मिली है. एलपीजी सिलेंडर के प्राइस में बड़ी कटौती की गई है. आपको बता दें कि अब गैस सिलेंड 115 रुपये सस्ता हो गया है, यह कटौती कमशि एलपीजी गैस सिलेंडर के प्राइस में की गई हैं । वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के प्राइस की बात करें तो यह अपने पुराने रेट पर बना हुआ है. देशभर में 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर के प्राइस में 6 जुलाई के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है. कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के प्राइस में कटौती के बाद से ही चारों महानगरों में गैस के प्राइस में बदलाव हुआ है. आइए जानते हैं दिल्ली, कोलकता, चेन्नई और मुंबई में एलपीजी सिलेंडर कितनी प्राइस में मिल रहा है।

- चार महानगरों में कमर्शियल सिलेंडर के नई प्राइस- (19 किलो)

दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 1744 रुपये में मिलेगा.

कोलकाता में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 1846 रुपये में मिलेगा. मुंबई में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 1696 रुपये में मिलेगा.चेन्नई में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 1893 रुपये में मिलेगा.

- घरेलू गैस सिलेंडर का प्राइस- (14.2 किलो)

दिल्ली- 1053 रुपये
कोलकता- 1079 रुपये
मुंबई- 1052.5 रुपये
चेन्नई- 1068.5 रुपये

- हर महीने के शुरुआत में तेल कंपनियां जारी करती हैं प्राइस

आपको बता दें कि देश की सरकार तेल कंपनियां हर महीने के शुरुआत में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर और घरेलू सिलेंडर के प्राइस में बदलाव करती है. ध्यान देने वाली बात ये है कि पिछले कई महीनों से घरेलू गैस सिलेंडर के प्राइस में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है. इसके जरिए आम लोगों को बढ़ती महंगाई से राहत देने की कोशिश की है. इसके साथ ही कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के प्राइस में लगातार कमी की जा रही है. इसके द्वारा होटल, खाने पीने की दुकानों में खाना बनाने के कॉस्ट में कमी आएगी।

- प्रत्येक महीने की पहली तारीख को तय होती है कीमत

देश की गैस कंपनियां हर महीने की एक तारीख को 14 किलो वाले घरेलू और 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम तय करती हैं। इससे पहले 1 अक्टूबर को कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 25.5 रुपये की कटौती की थी। जबकि घरेलू गैस सिलेंडर के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ था।

## ट्विटर में सुधार के लिए कई बड़े बदलाव करने जा रहे हैं एलन मस्क

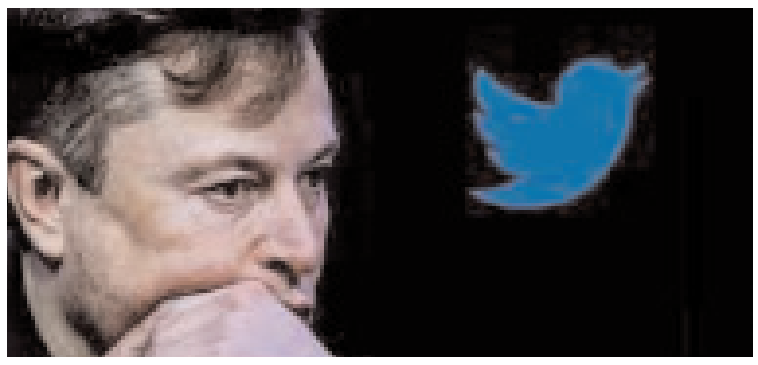

**मानसी शर्मा ।** एलन मस्क द्वारा ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद लगातार माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर बदलाव किए जा रहे हैं । उन्होंने इस की नीतियों पर भी सुधार करना शुरू कर दिया है। अब वह कंपनी से बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी में है खबरों के अनुसार, उन्होंने इसके लिए लिस्ट तैयार करने के निर्देश भी दे दिए हैं । इसके अलावा कंटेट संबंधी फैसले लेने के लिए एक परिषद का गठन करने की भी उनकी योजना है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने 44 अरब अमेरिकी डॉलर में कंपनी का अधिग्रहण कर लिया है। ट्विटर खरीद डील पूरी करने के बाद मस्क ने सबसे पहले भारतवंशी सीईओ पराग अग्रवाल सहित कई अधिकारियों को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब वह कंपनी से बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी की योजना में जुटे हुए हैं। उन्होंने प्रबंधन से कर्मचारियों को कंपनी से बाहर के लिए लिस्ट तैयार करने को कहा है। नवंबर से पहले होगी छंटनी~ट्विटर में यह छंटनी 1 नवंबर से पहले की जा सकती है । इस दिन के बाद से अगर कर्मचारियों को निकाला जाता है तो , उन्हें मुआवजे के रूप में स्ट्रांग ग्रांट्स देना पड़ सकता है। कंटेंट मॉडरेशन पॉलिसी में बदलाव ~ मस्क कंपनी के कंटेंट मॉडरेशन पॉलिसी में बदलाव करना चाहते हैं।उन्होंने एक ट्वीट ने बताया है कि कई के साथ एक कंटेंट मॉडरेशन परिषद का गठन किया जाएगा।

**सेहत** कच्ची मूली का सेवन थायराइड रोगियों के लिए लाभकारी नहीं माना जाता है

# इन बीमारियों के मरीजों को नहीं करना चाहिए मूली का सेवन हो सकते हैं शरीर में कई बड़े नुकसान

**मानसी शर्मा।** मूली के पराठे हो या फिर सलाद, खाने में दोनों ही बेहद स्वाद लगते हैं। मूली में विटामिन, खनिज, एंटीऑक्सिडेंट, फाइटोन्यूट्रिएंट्स इत्यादि पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं। जो अच्छी सेहत ही नहीं आपकी खूबसूरती को भी अच्छा बनाए रखने में मदद करते हैं। सेहत के लिए इतनी फायदेमंद होने के बावजूद क्या आप जानते हैं, मूली का जरूरत से ज्यादा सेवन आपको फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकता है। आइए जानते हैं आखिर किन लोगों को मूली का अधिक सेवन करने से बचना चाहिए।

**मूली खाने के नुकसान**

**हाइपोटेंशन–** अगर आप मूली का अत्यधिक मात्रा में सेवन करते हैं, तो यह आपके रक्तचाप को असामान्य रूप से निम्न स्तर पर ला सकता है और इससे आपको हाइपोटेंशन या निम्न रक्तचाप की समस्या हो सकती है। ऐसे में अगर आप पहले से ही उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने वाली दवाओं का सेवन कर रहे हैं, तो मूली को अपने आहार में शामिल न करें। यह आपके रक्तचाप पर बुरा असर डाल सकता है।

**आयरन की अधिकता–** अगर आपके शरीर में आयरन की प्रचूर मात्रा है और आप फिर भी मूली का सेवन अधिक मात्रा में कर रहे हैं, तो यह आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। शरीर में आयरन की अधिकता से आपको कई तरह के नुकसान जैसे पेट दर्द, दस्त, उल्टी, चक्कर आना, रक्त शर्करा के स्तर में कमी, लीवर को नुकसान, आंतरिक रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है।

**थायराइड–** कच्ची मूली का सेवन थायराइड रोगियों के लिए लाभकारी नहीं माना जाता है। कच्ची मूली में गोइट्रोजन नामक यौगिक होता है, जो थायराइड हार्मोन में हस्तक्षेप कर सकता है और थायराइड ग्रंथि की खराबी का कारण बन सकता है। ऐसे लोग मूली के सलाद का सेवन भी बिल्कुल न करें।

**डिहाइड्रेशन–** अगर आप अधिक मात्रा में मूली का सेवन करते हैं, तो यह डिहाइड्रेशन का कारण भी बन सकता है। दरअसल, मूली खाने से बार-बार पेशाब आता है। जिसकी वजह से शरीर से काफी ज्यादा पानी निकल जाता है और व्यक्ति को डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है। इसलिए मूली का सेवन सीमित मात्रा में करें।

**ब्लड शुगर–** जिन लोगों का ब्लड शुगर लेवल डाउन रहता है उन लोगों को भी ज्यादा मूली खाने से बचना चाहिए।

# राष्ट्रीय एकता दिवस पर द्वारका में एकता दौड़ में दौड़े 1200 युवा

## सरदार वल्लभ भाई पटेल के 147वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मेगा एकता दौड़ का आयोजन किया गया

**द्वारका/नई दिल्ली।** राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिला दक्षिण-पश्चिम प्रशासन व नेहरू युवा केंद्र ने नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलजी, द्वारका सेक्टर-3 से लेकर वेगास माल तक द्वारका में एकता दौड़ का आयोजन किया। इस अवसर पर एनवाईके, साउथ-वेस्ट प्रशासन, एनसीसी, एनएसएस व शिक्षा विभाग कें करीब 1200 युवाओं ने एकता दौड़ में भाग लिया। भारत सरकार द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में प्रति वर्ष 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिवस को राष्ट्र की एकता, अखंडता, भाईचारा और देश की आन्तरिक व बाहरी सुरक्षा को प्रबल बनाने के रूप में भी मनाया जाता है। इस वर्ष भारत सरकार ने निर्णय लिया की राष्ट्रीय एकता दिवस को 25 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2022 तक पूरे सप्ताह भर आयोजित किया जाये। नेहरू युवा केंद्र संगठन पूरे देश भर में इस दौरान 75000 एकता दौड़ का आयोजन करेगा। प्रत्येक ज़िले को 121 एकता दौड़ का आयोजन किया किया गया है। श्री सुरेन्द्र बोकन, एपीए ने बताया कि इसी कड़ी में नेहरू युवा केंद्र, ज़िला दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग के साथ मिलकर 120 दौड़ो का आयोजन किया। आज मेगा एकता दौड़ का आयोजन ज़िला प्रशासन, नेहरू युवा केंद्र, ज़िला दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, एन.सी.सी, एन.एस.एस व शिक्षा विभाग के साथ मिलकर नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलजी, द्वारका सेक्टर-3 से लेकर वेगास माल द्वारका तक आयोजित किया, जिसमें करीब 1200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हेमंत कुमार, आईएएस, जिला मैजिस्ट्रेट, ज़िला दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, विशिष्ट अतिथि में श्री जंगीलोंग, क्षेत्रीय निदेशक, एन.एस.एस, श्री जे.पी सैनी, उपकुलपति, प्रोफेसर विजेंद्र सिंह, डीन स्टूडेंट वेल्फेर एनएसयूटी और डॉ0 प्रवीण सरोहा, एन.एस.एस प्रभारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला मैजिस्ट्रेट श्री हेमंत कुमार जी ने अपने संबोधन मे युवाओ को देश की एकता और अखंडता मे ज्यादा से ज्यादा अपना योगदान देने भारत को स्वच्छ रखने के लिए प्रोत्साहित किया साथ ही एकता शपथ भी सभी उपस्थित प्रतिभागियो को दिलाई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे जिला प्रशासन, एनएसयूटी, एन.एस.एस, एन.सी.सी, शिक्षा विभाग, नेहरू युवा केंद्र, ज़िला दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एन.वाई.वी, युवा मण्डल, युवती मण्डल और बहुत सी एनजीओ का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। नेहरू युवा केंद्र की इस दौड़ में हरगोविंद आर्य, अंकित चौहान, धनपत सिंह, धीरज झा, मगदुम आलम, गौरव शर्मा, आरिफ, प्रिंसी शर्मा आदि ने अपना पूरा सहयोग दिया।

## खास खबर

### इस्कॉन द्वारका में जन्मदिन मनाएँ, उल्लास के गीत गाएँ

**द्वारका/नई दिल्ली।** अकसर व्यक्ति बाहरी दुनिया की चकाचौंध से प्रभावित होकर आडंबरपूर्ण प्रदर्शन में अनगिनत अर्थ हानि करता है, जिसका कोई लाभ नहीं होता। ऐसे में बेहतर है कि जीवन में अपनी खुशियों को भगवान के साथ मनाएँ और भगवान के भक्तों के साथ उल्लास से मनाएँ। श्री श्री रुक्मिणी द्वारकाधीश इस्कॉन द्वारका मंदिर में शनिवार यानी 30 अक्टूबर की शाम आयोजित होने वाले जन्मदिन समारोह में भाग लेकर आप अपना जन्मदिन मना सकते हैं। जिस भक्त का भी इस महीने जन्मदिन हो, वह इस दिन को यादगार बनाने के लिए भगवान के प्रांगण में अपने साथ परिजनों, संबंधियों और मित्रगणों की भागीदारी दर्ज करा सकता है। यहाँ कृष्णमय वातावरण में हरे कृष्ण महामंत्र संकीर्तन का आयोजन होता है तो व्यक्ति को सिर्फ बाहरी खुशी ही नहीं मिलती बल्कि वास्तविक खुशी भी प्राप्त होती है। सालों साल हमारे जीवन में खुशियाँ बनी रहें, स्वस्थ एवं दीर्घायु रहें, इस दिन हम भगवान से यही प्रार्थना करते हैं। हमारा घर और जीवन भक्ति के रंगों से सराबोर रहे, हम कृष्णभावनामृत बने रहें। जब हम कृष्णमय होते हैं तो हमारे विचारों में उसका प्रभाव देखने को मिलता है। यानी हमें सिर्फ अपने जन्म का उत्सव ही मनाना अपितु कृष्ण यश को भी आस-पास फैलाना है। जब हम मंदिर में जाते हैं तो कुछ न कुछ भगवान को अर्पण करने की भावना आती है फिर वह फल-फूल व जल कुछ भी हो सकता है। इस शुभ दिन आप चाहें तो मंदिर निर्माण सहयोग कर सकते हैं। इसके लिए सुदामा सेवा योजना से जुड़ें। मात्र 6 हजार रुपए की इस राशि को एकमुश्त या मासिक एवं वार्षिक भी दान कर सकते हैं। जन्मोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत शाम 6.30 बजे भगवान की गौर आरती की जाएगी। इसमें आप दीपदान कर जीवन में आनंद की प्राप्ति के लिए कामना कर सकते हैं। दीपदान अत्यंत मंगलकारी है। इसके बाद जप सेशन में हरे कृष्ण महामंत्र का जाप किया जाएगा जो उत्सव के केंद्र बिंदु हैं, जिनके लिए भगवान से कृपा प्राप्ति के लिए विशेष प्रार्थना की जाएगी कि हरे कृष्ण महामंत्र को अपने जीवन में उतार कर भक्ति के मार्ग की ओर अग्रसर हो सकें। तत्पश्चात हरि नाम संकीर्तन मेले का आयोजन रहेगा। रात 8 बजे केक कटिंग का कार्यक्रम रहेगा। भगवान को भोग अर्पण के बाद इस केक की मिठास ही नहीं बढ़ती, बल्कि केक, केक न रहकर दिव्य प्रसादम बन जाता है। कार्यक्रम में सभी के लिए 'डिनर प्रसादम' की व्यवस्था है। प्रसाद पाने के साथ ही श्री कृष्ण भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस खास उत्सव को यादगार बनाने के लिए मंदिर में बने 'सेल्फी प्वाइंट' पर आप सेल्फी ले सकते हैं। युवतियाँ एवं महिलाएँ 'गोपी डॉट्स' लगाकर भी अपना श्रृंगार कर सकती हैं। यदि आपका जन्मदिन नवंबर माह की 1 तारीख से 30 तारीख के बीच में है तो आप भी तैयार हो जाइए और हर माह के अंतिम शनिवार को आयोजित किए जाने इस उत्सव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए गूगल लिंक पर रजिस्टर्ड करिए https://bit.ly/iskdwkcelebration. ताकि आपके साथ आने वाले परिवार के सदस्यों एवं मित्रों इस उत्सव में आरती, कीर्तन व प्रसादम आदि का भरपूर आनंद ले सकें। अधिक जानकारी के लिए आप इस फोन नंबर 8586810567 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

### नई बुलंदियों को छू रहे निगम के विद्यालय- सुमन शर्मा

**नई दिल्ली।** दिल्ली के निगम विद्यालयों में मेगा पीटीएम का आयोजन किया गया। इसमें अभिभावकों के साथ अध्यापकों ने व्यक्तिगत स्तर पर संवाद किया और उन्हें बालकों के सर्वांगीण विकास की प्रक्रिया के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम के आयोजन की खास विशेषता यह रही कि अध्यापकों ने साथ मिलकर यह संकल्प लिया कि वे अपने बालकों के विकास के लिए स्वयं भी और बेहतर करेंगे। अध्यापिका सुमन शर्मा ने बताया कि निगम के विद्यालयों में बालकों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ अभ्यास पुस्तिका, पुस्तकें, वर्कशीट व अन्य शिक्षण सुविधाएँ भी प्रदान की जाती हैं। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालयों से पढ़ कर विद्यार्थी उपलब्धियों के नए आकाश को छू रहे हैं। पूर्व की तुलना में निगम विद्यालयों ने अपनी सुविधाओं की गुणवत्ता में बहुत सुधार किया हैं।

## दिल्ली में बढ़ा डेंगू का डंक, संक्रमितों में देखे जा रहे गंभीर लक्षण

**नई दिल्ली।** हर साल की तरह इस बार भी अक्टुबर-नवंबर में दिल्ली में डेंगू के डंक के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस साल अक्तूबर के महीने में 900 से अधिक लोगों में संक्रमण की पुष्टि की गई है। इसके साथ, राष्ट्रीय राजधानी में डेंगू के मामलों की संख्या बढ़कर 1900 के करीब पहुंच गई है। 12 अक्टूबर तक डेंगू संक्रमण की संख्या 1,572 थी। डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच संक्रमितों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के मामले भी अब सामने आ रहे हैं। डॉक्टरों ने बताया कि डेंगू के शिकार कई वयस्कों (20-40 की आयु) में लिवर डिस्फंक्शन की दिक्कत देखी जा रही है। 10 में से छह रोगियों में लिवर से संबंधित इस विकार का खतरा हो सकता है, जिसको लेकर फिलहाल सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जा रही है। डॉक्टर कहते हैं, डेंगू के कारण लिवर से संबंधित विकारों का तेजी से बढ़ना चौंकाने वाला है। विशेषकर युवाओं में यह दिक्कत अधिक देखी जा रही है। डिस्फंक्शन की समस्या आगे चलकर क्रोनिक हेपेटाइटिस या पित्त नली प्रणाली में सूजन का कारण बन सकती है। डेंगू के कारण सामान्य लक्षणों के साथ पहले भी लोगों को पेट से संबंधित दिक्कतें होती रही हैं, पर लिवर से संबंधित विकारों का जोखिम ज्यादा गंभीर है। आइए जानते हैं कि डेंगू किस प्रकार से लिवर के लिए जोखिमों को बढ़ा रहा है और इस तरह के जोखिमों से बचाव के लिए क्या किया जाना चाहिए?

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

इस संबंध में मैट्रो अस्पताल के मुख्य चिकित्सक डा. अजय पुंडीर बताते हैं कि डेंगू के कारण लिवर की समस्याओं का जोखिम हो सकता है।

## भाभी के साथ रेप के आरोपी को हिरासत के बाद पुलिस ने छोड़ा

- पुलिस कह रही जांच की बात, आरोपी को दिया मामला निपटाने के लिए एक सप्ताह का समय

**नजफगढ़/द्वारका।** नजफगढ़ में एक महिला ने अपने ही देवर के खिलाफ बलात्कार व मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है लेकिन अभी तक आरोपी को गिरफ्तार नही किया गया है। जब पुलिस पर आरोपी की गिरफ्तारी का दबाव बढ़ा तो पुलिस ने उसे नजफगढ़ के सरकारी स्कूल नंबर-2 से पकड़ तो लिया लेकिन उसे गिरफ्तार करने की बजाये सिर्फ हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद छोड़ दिया जिससे पीड़ित महिला व उसका परिवार काफी चिंतित है। हालांकि पुलिस इस संबंध में कुछ भी कहने को तैयार नही है फिर भी एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पुलिस अधिकारियों ने आरोपी शिक्षक को पूछताछ के बाद एक सप्ताह का समय देकर छोड़ दिया है ताकि वह इस मामले को निपटा सकें। बता दें कि आरोपी सरकारी स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत है। और दिल्ली स्टेट का अवार्ड विनर शिक्षक रह चुका है तथा उसकी पत्नी भी सरकारी टीचर है। आरोपी नजफगढ़ के सरकारी स्कूल नंबर-2 में हिन्दी पीजीटी शिक्षक है।

बता दें कि धर्मपुरा में रहने वाली एक महिला ने अपने देवर पर पिछले 20 साल से मानसिक प्रताड़ना व शारीरिक शोषण का आरोप लगाया है। आरोपी पेशे से शिक्षक है आर्थिक स्थिति से मजबूत है।

वह महिला पर लगातार घर से निकालने का दबाव बनाकर उक्त घिनौना काम करता रहा। आखिर महिला ने दुःखी होकर यह सारी बात अपने बच्चों को बताई जिसके बाद सभी ने मिलकर आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। हालांकि एक महिला के लिए अपनी इज्जत की परवाह नही करते हुए इतना बड़ा फैसला लेना काफी परेशानी भरा होता है जिसके बाद उसके लिए समाज में क्या प्रतिक्रिया होगी यह भी एक सोचने वाली बात है। लेकिन आरोपी की दरिंदगी इतनी बढ़ चुकी थी कि महिला के पास अपनी व अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर पुलिस में शिकायत देने के अलावा कोई चारा ही नही बचा। महिला ने 9 अक्टूबर को नजफगढ़ पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत दी थी। और बार-बार पुलिस अधिकारियों से आरोपी के खिलाफ कार्यवाही करने की अपील भी की थी। लेकिन पुलिस ने जांच के नाम पर पूरे 20 दिन निकाल दिये और शनिवार 29 अक्टुबर को आरोपी को पूरे नाटकीय अंदाज में स्कूल से पकड़ा और फिर मात्र तीन घंटे बाद ही पूछताछ के बाद छोड़ दिया।

### युनिफॉर्म के साथ साथ राज्यों की पुलिस एवं पैरामिलिट्री फोर्सेस को पुरानी पैंशन बौन्नजा घोषित करे सरकार

**नई दिल्ली।** राष्ट्र हित, पुलिसकर्मियों के कार्यक्षमता में इजाफे के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री जी द्वारा 28 सितम्बर को राज्यों के गृह मंत्रियों के दो दिवसीय चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए पुलिस के लिए वन नेशन वन युनिफॉर्म का स्वागत योग्य सुझाव दिया। उपरोक्त सम्मेलन में राज्यों के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक व केंद्रीय सुरक्षा बलों के महानिदेशक भी शामिल हुए। महासचिव रणबीर सिंह ने प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इससे पहले भी देश के सामने 'वन रैंक वन पेंशन, वन नेशन वन राशन कार्ड, वन नेशन वन फर्टिलाइजर, वन नेशन वन इलेक्शन, वन नेशन वन ग्रिड जैसे स्वागत योग्य सुझाव राष्ट्र के सामने रखे गए। ज्ञातव्य रहे कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने सत्ता संभालते ही भारतीय सेना को वन रैंक वन पेंशन का बोन्नजा लाल किले प्राचीर से दिया था जो कि पिछले 70 सालों में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। जहां तक राज्यों की पुलिस के लिए एक देश एक वर्दी का सवाल है तो फिर वन रैंक वन पेंशन या पुरानी पैंशन संभव क्यों नहीं। हम उन पुलिस जवानों व अर्ध सैनिक बलों के सरहदी चौकीदारों की बात कह रहे हैं

# आर्यों ने 147 वीं जयन्ती पर लौह पुरुष सरदार पटेल को किया नमन

**आयोजन**

- आधुनिक भारत के शिल्पीकार थे सरदार पटेल -राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

**नई दिल्ली।** केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 147 वीं जयन्ती पर सरदार वल्लभ भाई पटेल को आर्य गोष्ठी का आयोजन कर स्मरण किया गया। उल्लेखनीय है कि सरदार पटेल का जन्म गुजरात के नाडियाड में 31 अक्टूबर,1875 को हुआ था। भारत को संगठित बनाने में आपकी विशेष भूमिका मानी जाती है। सरदार पटेल को भारत की 565 रियासतों का विलय करके अखण्ड भारत के निर्माण के लिए याद किया जाता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सरदार पटेल आधुनिक भारत के शिल्पिकार थे,वह स्पष्ट एवं निर्भीक वक्ता रहे उनकी निर्णायक क्षमता अदभुत थी। स्वतन्त्रता के बाद उन्हें भारत का उपप्रधानमन्त्री तथा गृहमन्त्री बनाया गया। गृहमन्त्री होने के कारण रजवाड़ों के भारत में विलय का विषय उनके पास था। सभी रियासतें स्वेच्छा से भारत में विलीन हो गयीं थी,पर जम्मू- कश्मीर, जूनागढ़ तथा हैदराबाद ने टेढ़ा रुख दिखाया। सरदार की प्रेरणा से जूनागढ़ में जन विद्रोह हुआ और वह भारत में मिल गयी। हैदराबाद में आर्य समाज का आन्दोलन व फिर पुलिस कार्यवाही कर उसे भारत में मिला लिया गया। यदि सरदार पटेल न होते तो हिन्दुस्तान का वर्तमान रूप ऐसा न होता, हिन्दुस्तान खण्ड खण्ड में विभाजित होता। रजवाड़ों रियासतों का हिन्दुस्तान में विलय करने का श्रेय सरदार पटेल को ही जाता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आजादी का मतलब समझें और राष्ट्र की एकता अखण्डता की रक्षा का संकल्प लें। देश की वर्तमान विषम परिस्थितियों में सरदार पटेल बहुत याद आते हैं आज पुनः उनकी नीतियों पर चलने की आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि डॉ.गजराज सिंह आर्य(फरीदाबाद) ने कहा कि सरदार पटेल गंभीर चिन्तक, बहुआयामी, आदर्शवादी व व्यवहारिक व्यक्तित्व के धनी थे। राष्ट्र के प्रति उनका प्रेम अद्वितीय था।वर्ष 1928 में गुजरात में बारडोली सत्याग्रह हुआ जिसका नेतृत्व वल्लभ भाई पटेल ने किया।उस समय प्रान्तीय सरकार किसानों से भारी लगान वसूल रही थी।सरकार ने लगान में 30 फीसदी वृद्धि कर दी थी।जिसके चलते किसान बेहद परेशान थे। वल्लभ भाई पटेल ने सरकार की मनमानी का कड़ा विरोध किया। बारडोली सत्याग्रह की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने वल्लभ भाई पटेल को श्सरदारश् की उपाधि दी। अगर आजादी के बाद नेहरू की जगह प्रधानमंत्री सरदार पटेल बनते तो आज कश्मीर व अलगावाद की समस्या नहीं होती।

कार्यक्रम अध्यक्ष प्रवीन आर्य (गाजियाबाद) ने कहा कि सरदार पटेल के विचार से व्यक्ति की अधिक अच्छाई उसके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आंखों को क्रोध से लाल होने दीजिए और अन्याय का सामना मजबूत हाथों से कीजिए। निडर होकर अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने में सर्वदा आगे रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने पटेल की जगह नेहरू को प्रधान मंत्री बनवा कर अनर्थ किया। राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई ने कहा कि भारत के राजनीतिक एकीकरण में लौहपुरूष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। गायिका पिंकी आर्या, रजनी चुग, सुनीता अरोड़ा, रजनी गर्ग, ईश्वर देवी, कमला हंस, जनक अरोड़ा, विमला आहूजा, मधु खेड़ा, प्रवीण आर्या, रविन्द्र गुप्ता, बिंदु मदान, कृष्णा गांधी, उषा सूद आदि ने गीतों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

**प्रदर्शन** कुनाल को इंसाफ दिलाने के लिए उत्तम नगर में लोगों ने किया पुलिस के खिलाफ विशाल प्रदर्शन

## वारदात के 20 दिन बाद भी नही पकड़े गये कुनाल के हत्यारे

**द्वारका/नई दिल्ली।** बीते 10 अक्टुबर की रात को उत्तमनगर क्षेत्र में अज्ञात कार सवारों ने कुनाल मेंहदीरत्ता नाम के व्यक्ति को बुरी तरह से कुचल दिया था बाद में ईलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। लेकिन इस मामले में सबसे बड़ी बात यह बनी हुई है कि घटना के 20 दिन बाद भी हत्यारें खुले घूम रहे है और पुलिस की लापरवाही का आलम यह है कि वह जांच के नाम पर सिर्फ टाईम पास कर रही है। जबकि जो काम पुलिस को करना चाहिए था वह काम मृतक के परिजनों ने कर सीसीटीवी की फुटेज तक पुलिस को उपलब्ध करा दी है लेकिन फिर भी पुलिस आरोपियों को नही पकड़ पा रही है या पकड़ना नही चाहती है। मृतक के परिजन पुलिस की इस लापरवाही के विरोध में 27 अक्टुबर से लगातार उत्तमनगर व बिंदापुर थानों के सामने भारी संख्या में इक्ट्ठे होकर अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे है लेकिन फिर भी पुलिस टस से मस नही हो रही है।

बता दें कि हाल ही में 10 अक्टूबर 2022 की रात को एक अनहोनी घटना उत्तम नगर के क्षेत्र में गत रात 1.44 बजे के करीब घटी। उस दौरान एक हैरियर गाड़ी द्वारा एक व्यक्ति कुनाल मेहंदीरत्ता को कुचल कर चली गई। उसी दौरान उसे माता चन्ननी देवी अस्पताल में ले जाया गया जहां पर उसका इलाज शुरू हुआ परंतु उसकी नाजुक स्थिति होने के कारण उसको अगले दिन दोपहर में मृत घोषित कर दिया गया। इस कार्यवाही के लिए उनके परिवारजन कई दिनों से थाने के चक्कर काटते रहे और यहां तक कि परिजनों द्वारा सीसीटीवी की फुटेज खंगालने के बाद उस गाड़ी का पता लगने पर थाने में सुपुर्द किया गया, परंतु कई दिनों से कानूनी कार्यवाही में कोई आशा की किरण नजर ना आने के कारण दुखी होकर परिवार और सगे संबंधी द्वारा थाना बिंदापुर के सामने 27 अक्टूबर को एक विशाल प्रदर्शन भी किया गया। वहां पर सबने थाना प्रभारी को शांति पूर्वक एक ज्ञापन भी दिया और पीड़ित परिवार के दो छोटे-छोटे बच्चों और पत्नी को इंसाफ दिलाने के लिए न्यायोचित कदम उठाने के लिए प्रार्थना की। इसी आश्वासन को लेकर करीब 150 से अधिक लोगों ने अपना ज्ञापन देते हुए उचित कार्रवाई करने के लिए पुनः प्रार्थना की। जिस पर वहां की थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया।

ख़ास ख़बर

## इंडिगो फ्लाइट के इंजन में लगी आग पायलट ने करवाई इमरजेंसी लैंडिंग ,यात्री सुरक्षित

**मानसी शर्मा ।** इंडिगो विमान में कल रात एक बड़ हादसा टल गया । फ्लाइट दिल्ली से बेंगलुरु के लिए उड़ान भर रही थी, तभी फ्लाइट के दाहिने विंग से चिंगारी निकलने लगी उड़ान भरने के दौरान यात्रियों को इंजन में आग लगती दिखी तो सभी यात्री घबरा गए। खिड़की से भी आग और चिंगारी दिखाई दे रही थी। तब पायलट की तत्परता से हादसा टल गया। यह फ्लाइट फिर करीब पौने तीन घंटे बाद रवाना हुई। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें देखा सकता है कि फ्लाइट ने टेक-ऑफ कर लिया था लेकिन विंग से चिंगारी निकलने के तुरंत बाद इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी. इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6श्व 2131 के राइट विंग में आग की लपटें भी देखी जा सकती है. बताया जा रहा है कि विमान में 177 यात्री सवार थे.

**यात्री और पायलट सुरक्षित**

घटना को लेकर इंडिगो एयरलाइंस ने एक बयान जारी किया है. इंडिगो ने कहा कि दिल्ली से बेंगलुरू के लिए उड़ान भरने वाली विमान 6श्व2131 को टेक ऑफ रोल के दौरान एक तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा, जिसके तुरंत बाद पायलट ने टेक ऑफ को रोक दिया और विमान की लैंडिंग कराई गई. इंडिगो ने बताया कि सभी यात्री और पायलट सुरक्षित हैं और उड़ान के संचालन के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की जा रही है. ÷यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है.

**दिल्ली एयरपोर्ट पर क्या हुआ?**

रात 10 बजे बैंगलुरु उड़ान की तैयारी 320 विमान के विंग में चिंगारी दिखी विमान में सवार लोग भयभीत दिखे साथ ही, एयरपोर्ट पर आपातकाल घोषित हुआ चालक दल ने फौरन कार्रवाई शुरू की विमान को वापस लौटने का आदेश विमान को पार्किंग में लौटाया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया दूसरे और विमान से बैंगलुरु रवाना यात्री ।

# कश्मीर में अभी भी जारी है कश्मीरी पंडितों का पलायन, सरकार के दावे फेल

● टारगेट किलिंग के डर के चलते घर छोड़ने को मजबूर, शोपियां से अब तक 10 परिवार जम्मू जा चुके

**जम्मू-कश्मीर।** घाटी में लगातार बढ़ रही टारगेट किलिंग की घटनाओं को देखते हुए कश्मीरी पंडित अपना घरबार छोड़कर जम्मू का रूख कर रहे हैं। हालांकि सरकार पंडितों को घाटी में सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के पुख्ता दांवें कर रही है लेकिन घाटी में अभी भी कश्मीरी पंडितों का पलायन जारी है जिससे सरकारी दांवों की पोल खुल गई हे। बीते दिनों कई कश्मीरी पंडितों ने अपना घर छोड़ दिया। गुरुवार को शोपियां के चौधरीगुंड गांव की आखिरी कश्मीरी पंडित महिला डॉली कुमारी भी अपने परिवार के साथ घर छोड़कर चली गईं। डॉली कुमारी जैसे करीब 10 ऐसे पंडित परिवार थे, जो अपना घर छोड़कर जम्मू जा चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉली ने कहा कि मैंने हिम्मत दिखाकर वहां रहना चाहा, लेकिन वहां डर का माहौल है, इसलिए रहना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि अन्य लोगों के गांव छोड़ने के बाद भी मैंने रुकने का फैसला किया था। इस उम्मीद में की हालात सुधर जाएंगे, लेकिन ऐसे हालात नजर नहीं आ रहे हैं। अगर आगे जाकर स्थिति ठीक होती है, तो मैं अपने घर वापस आ जाउंगी। किसी को अपना घर छोड़कर जाना अच्छा नहीं लगता है। मुझे घर छोड़ते हुए बहुत दुख हो रहा है।

**15 अक्टूबर को चौधरीगुंड में हुई थी टारगेट किलिंग**

चौधरीगुंड गांव में 15 अक्टूबर को टारगेट किलिंग के इरादे से आतंकियों ने पूरन कृष्ण भट्ट पर फायरिंग कर दी थी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। उससे दो महीने पहले, शोपियां के छोटीगम गांव के सेब के बाग में एक कश्मीरी पंडित की हत्या कर दी गई थी।

**जून में टारगेट किलिंग के बाद घाटी छोड़ने लगे थे पंडित**

इसी साल जून में लगातार टारगेट किलिंग के बाद कश्मीरी पंडित घाटी छोड़ने लगे थे, जिसके बाद सरकार ने सरकारी नौकरी कर रहे पंडितों के लिए ट्रांसफर पॉलिसी में बदलाव किया था। हालांकि, पंडितों का कहना था कि उनका ट्रांसफर घाटी के बजाय जम्मू में कर दिया जाए।

**घाटी में लगातार क्यों हो रही गैर-कश्मीरी की हत्या?**

खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति फैलाने की नई योजना है। माना जा रहा है कि इसका मकसद, आर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास की योजनाओं पर पानी फेरना है।

आर्टिकल 370 हटने के बाद से ही कश्मीर में टारगेटेड किलिंग कि घटनाएं बढ़ी हैं, जिसमें खासतौर पर आतंकियों ने कश्मीरी पंडितों, प्रवासी कामगारों और यहां तक कि सरकार या पुलिस में काम करने वाले उन स्थानीय मुस्लिमों को भी सॉफ्ट टागरेट बनाया है, जिन्हें वे भारत का करीबी मानते हैं।

**4 महीने बाद भी कश्मीरी पंडितों का प्रदर्शन जारी**

कश्मीरी पंडितों ने एक बार फिर से अपनी सुरक्षा की मांग तेज कर दी है। घाटी में च्ड पैकेज के तहत नौकरी कर रहे कर्मचारियों ने सोमवार को वरिोध प्रदर्शन कर, सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। ये लोग खुद को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की मांग कर रहे हैं। मई-और जून में कश्मीर में हुई टारगेट किलिंग के चलते कश्मीर पंडित पलायन कर जम्मू पहुंचे थे। 4 महीने से ज्यादा वक्त बीत गया, लेकिन अभी भी वो अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। कश्मीरी पंडितों का कहना है कि जब तक उन्हें सुरक्षित माहौल नहीं मिलता, वे घर वापसी नहीं करेंगे।

**अनंतनाग की पंडित कॉलोनी खाली, हत्याओं के बाद 90: कश्मीरी पंडितों ने रातोंरात घर छोड़ा**

घाटी में लगातार हो रही हत्याओं के बाद कश्मीरी पंडित अपना घर छोड़कर जाने लगे हैं। च्ड पैकेज से मिले अनंतनाग के मट्टन स्थित पंडित कॉलोनी में सन्नाटा पसरा है। कश्मीरी पंडित रंजन ज्योतिषी ने बताया कि अनंतनाग स्थित मट्टन की कश्मीरी पंडित कॉलोनी से 90: लोग जा चुके हैं। लोगों के सब्र का बांध टूट चुका है, जिसके बाद रात में ही वे पलायन कर गए।

## पंचायत संघ की 18 सूत्री मांगों के समर्थन में दिल्ली देहात के नेता आगे आए

**नई दिल्ली।** दिल्ली ग्राम पंचायत संघ ने समस्त गांवों के साथ अनधिकृत कालोनियों को भी हक दिलाने की लड़ाई लडने् का ऐलान किया है। इस तरह गांवों व अनधिकृत कालोनियों की 18 सूत्री मांगों को लेकर नेताओं ने अपना समर्थन देना शुरू कर दिया है। संघ की इन मांगों के समर्थन में दिल्ली देहात के सभी दलों के बड़े नेता आगे आने शुरू हो गए है। नांगलोई क्षेत्र के विधायक रहे पूर्व परिवहन एवं विकास मंत्री देवेंद्र सिंह शौकीन के निवास पर एक बैठक में इन नेताओं ने संघ की मांगों को जायज ठहराया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि संघ राजनीति से ऊपर उठकर बहुत ही सही दिशा में कार्य कर रहा है। वह संघ की मांगों को पूरा कराने के लिए पूरी ताकत लगाएगे।

पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह शौकीन के निवास पर बैठक में देश के सबसे बड़े लोकसभा क्षेत्र बाहरी दिल्ली से सांसद रहे चौ. तारीफ सिंह, पूर्व विधायक विजय लोचव, पूर्व विधायक सुखबीर दलाल, पूर्व विधायक जीतराम सोलंकी, पूर्व पार्षद महेंद्र यादव, दिल्ली बाल्मीकि समाज के अध्यक्ष रणवीर बिड़लान के अलावा दिल्ली देहात कई नेताओं ने शिरकत की। इसके अलावा वरिष्ठ नेता करण यादव, पूर्व पार्षद बलवान गहलोत, पूर्व पार्षद राजेश यादव समेत कई अन्य नेताओं ने भी संघ की मांगों का समर्थन किया है। बैठक में संघ के प्रमुख थानसिंह यादव, 360 खाप के सुरेश शौकीन, पंच प्रमुख सुनील शर्मा व शिव कुमार यादव भी उपस्थित थे। इस मौके पर देवेंद्र सिंह शौकीन व चौ. तारीफ सिंह ने कहा कि यह बैठक एक बानगी के तौर पर है। संघ की मांगों को पूरा कराने के लिए इससे भी बड़ी बैठक व महापंचायत बुलाने में पीछे नहीं हटा जाएगा, क्योंकि दिल्ली देहात के तमाम नेता इन मांगों से सहमत है और उन्होंने इन मांगों का समर्थन किया है। बैठक में सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि अपने स्तर पर इन मांगों को पूरा कराने का प्रयास करेंगे। उन्होंने इन मांगों को पूरा कराने का बीड़ा उठा रहे दिल्ली ग्राम पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव व 360 गांव खाप के सुरेश शौकीन आदि से आग्रह किया कि वह सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्षों तक अपनी बात पहुंचाने का कार्य करे। उन्होंने कहा कि गांवों व गांवों की जमीनों पर बसी अनधिकृत कालोनिया गांवों का ही रूप है, उनमें ग्रामीण ही रहते है और वे सुविधाओं से मोहताज है। इसके अलावा उन पर अनेक टैक्स व नियम लागू कर दिए गए है। यह पूरी तरह अनुचित है, क्योंकि गांवों व अनधिकृत कालोनियों के निवासियों के पास आय के कोई साधन नहीं है। संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि यह लड़ाई गांवों व अधिकृत कालोनियों के विकास व उनके अधिकारों की है।

**दिल्ली ग्राम पंचायत संघ की 18 सूत्री मांग**

1. ग्रामीणों को मालिकाना हक मिले।
2. गांवों व अनधिकृत कालोनियों को सभी प्रकार के टैक्सों से मुक्ति दी जाए।
3. गांवों व अनधिकृत कालोनियों को भवन उप नियम से बाहर रखा जाए।
4. गांवों को व्यवसायिक श्रेणी में शामिल किया जाए और अनधिकृत कालोनियों में व्यवसायिक गतिविधि करने की स्वीकृति दी जाए।

## अगर आप हैं डायबिटीज पेशेंट तो हो जाइए सावधान शराब हो सकती है जानलेवा

**मानसी शर्मा ।** अगर किसी को डायबिटीज है, तो इस स्थिति में बॉडी ग्लूकोज या फिर ब्लड शुगर को ठीक से कंट्रोल नहीं कर पाती. जिसके बाद ब्लड में ग्लूकोज काफी खतरनाक लेवल तक पहुंच जाता है. जिससे गंभीर समस्याएं सामने आने लगती हैं. इस दौरान बरती गयी लापरवाही किडनी और हार्ट फेलियर जैसी चीजों को जन्म दे सकती है. हालांकि डायबिटीज आजकल की लाइफस्टाइल की सबसे आम बिमारियों में से एक है. जिससे लाखों लोग प्रभावित हैं. डायबिटीज के मरीजों को खान-पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है. इसलिए डायबिटीज में शराब से पूरी तरह पहरेज करना चाहिए. क्योंकि इसके सेवन से ब्लड शुगर का लेवल बढ़ या घट सकता है.

**डायबिटीज में क्यों खतरनाक है शराब?**

वेब एमडी के अनुसार डायबिटीज में शराब पीना काफी घातक होती है. शराब डायबिटीज के मरीजों में जहर की तरह काम करती है. डायबिटीज में ब्लड शुगर कंट्रोल में रहे ये सबसे ज्यादा जरूरी होता है. शराब से स्थिति और भी ज्यादा बिगड़ सकती है.

स्वीट ड्रिंक्स में कार्बोहाईड्रेट मौजूद होता है. इससे ब्लड शुगर का लेवल और इंसुलिन जल्दी बढ़ने लगता है. डायबिटीज में शराब पीने से वजन तेजी से बढ़ने लगता है. शराब पीने से भूख बढ़ती है. जरूरत से ज्यादा और जल्दी-जल्दी खाना खाने से डायबिटीज को कंट्रोल कर पाना मुश्किल हो सकता है. डायबिटीज में शराब पीने से डिहाइड्रेशन बढ़ सकता है, इससे हाई ब्लड शुगर का लेवल सीधा किडनी पर असर करता है.

- डायबिटीज में शराब पीने से टाइप 2 डायबिटीज होने का खतरा बढ़ सकता है.
- अगर डायबिटीज में शराब का सेवन किया ज्जाएगा तो इससे किडनी जल्दी फेल हो सकती है.
- हार्ट अटैक का खतरा भी डायबिटीज में शराब पीने से बढ़ सकता है.

डायबिटीज में कम कार्बोहाईड्रेट और कम अल्कोहल वाली शराब का चुनाव कर सकते हैं.

## औरंगाबाद में छठ पूजा के दौरान हुआ सिलेंडर ब्लास्ट 30 से ज्यादा लोग घायल

**मानसी शर्मा/ बिहार।** बिहार के औरंगाबाद में शॉर्ट शर्किट की वजह से घर में सिलेंडर ब्लास्ट हो गया. सिलेंडर फटने की वजह से एक दर्दनाक हादसा घट गया. बताया जा रहा है कि सिलेंडर फटने से 30 से ज्यादा लोग झुलसे गए. वहीं कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है. शानिवार 29 अक्तूबर को यह बड़ा हादसा हो गया। नगर थाना क्षेत्र के शाहगंज मोहल्ले में ही अनिल गोस्वामी के घर मे छठ पर्व शॉर्ट शर्किट की वजह से घर में सिलेंडर ब्लास्ट हो गया. सिलेंडर फटने की वजह से एक दर्दनाक हादसा घट गया। साथ ही इस हादसे में 7 पुलिसकर्मी भी घायल है जो सूचना मिलने पर आग बुझाने आए थे । घायलों में पुलिसकर्मी में महिला सिपाही प्रीति कुमारी, डीएपी अखिलेश कुमार, जगलाल प्रसाद, सैफ जवान मुकुंद राव, जगलाल प्रसाद, ड्राइवर मो0 मोज्म एवं शाहगंज मुहल्ले के नगर परिषद अध्यक्ष पद प्रत्याशी अनिल ओड़िया, गया ज्वेलर्स के पंकज वर्मा, राजीव कुमार, मो0 शाब्दिर, मो0 असलम, सुदर्शन, अरियन गोस्वामी, मो0 छोटू आलम, अनिल कुमार, शाहनवाज सहित करीब 30 से अधिक लोग घायल हो गए ।

हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई सभी घायलों को तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया । आपको बता दे कि परिवार के सभी सदस्य प्रसाद बनाने में जुटे हुए थे. इसी दौरान आग ने घर के सिलेंडर अपनी चपेट में ले लिया. जिससे गैस रिसने लगी और आग तेजी से आग भड़क गई. जिसके बाद भगदड़ मच गई. कुछ लोग आग बुझाने में जुट गए. लेकिन आग की लपटें तेज हो गई। आग की भीषणता देख लोग चीखने-चिल्लाने लगे। आस-पड़ोस के लोगों ने आग को बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन, आग बढ़ती ही गयी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

निर्देश

इस बार धान की रिकॉर्ड खरीद हुई, 52 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका- दुष्यंत चौटाला

# पिछली बार के मुकाबले इस बार केवल 48 घंटों के भीतर किया गया किसानों को भुगतान- उप मुख्यमंत्री

**चंडीगढ़।** हरियाणा के उप मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा सरकार निरंतर किसान हित में कार्य कर रही है। फसल खरीद का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया जा रहा है। सरकार ने 72 घंटे के भीतर किसानों को भुगतान करने का लक्ष्य निर्धारित किया था और इस बार तो एक कदम ओर आगे बढ़ते हुए केवल 48 घंटों में ही किसानों को भुगतान किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 52 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीद की जा चुकी है और किसानों को 9689.44 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

उप मुख्यमंत्री आज यहां खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अधिकारियों के साथ प्रदेश में धान, बाजरे सहित खरीद फसलों की खरीद के संबंध में समीक्षा बैठक कर रहे थे। दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगे भी किसानों को भुगतान करने में देरी नहीं होनी चाहिए। 48 घंटे के भीतर उन्हें भुगतान होना ही चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन किसानों को अभी तक तकनीकि कारणों से भुगतान नहीं हो पाया है, उन किसानों को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाए, ताकि इन तकनीकि खामियों को दूर कर उन्हें तुरंत भुगतान किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पिछले दिनों हुई भारी बारिश से प्रभावित फसलों के मुआवजे के संबंध में जल्द रिपोर्ट सौंपे, ताकि किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान पिछले वर्ष 46 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई थी, जबकि इस बार इसी अवधि के दौरान अब तक 52,47,111 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है, जोकि लगभग 13 प्रतिशत अधिक है। कुरुक्षेत्र, करनाल और कैथल जिलों में सामान्य से अधिक खरीद हुई है। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से मंडियों में धान के उठान संबंधित रिपोर्ट भी तलब की। प्रदेश में धान की खरीद के लिए 210 मंडियां खोली गई हैं।

**81 हजार मीट्रिक टन बाजरे की एमएसपी पर की गई खरीद**

श्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अब तक प्रदेश में हैफेड के द्वारा 81,313.70 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की गई है। भिवानी में सर्वाधिक 22,223.90 मीट्रिक टन की खरीद हुई है। इसी प्रकार, झज्जर में 15,710.45 मीट्रिक टन, महेंद्रगढ़ में 14,757 मीट्रिक टन की खरीद हुई है।

अब तक किसानों को लगभग 16 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि लगभग 80 हजार मीट्रिक टन बाजरे की खरीद ओपन मार्केट में किसानों द्वारा बेची गई है। इस प्रकार, अब तक लगभग 1.61 लाख मीट्रिक टन बाजरे की खरीद हो चुकी है। उन्होंने कहा कि ओपन मार्केट में बेचे गए बाजरे पर राज्य सरकार ने किसानों को भावांतर भरपाई योजना के तहत भुगतान करने के लिए 280 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

**1 नवंबर से शुरू होगी मूंगफली की खरीद**

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1 नवंबर से मूंगफली की खरीद शुरू होगी। इसके लिए फतेहाबाद, हिसार और सिरसा जिलों में 7 मंडियों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि मूंगफली की खरीद एमएसपी पर की जाएगी और इस बार मूंगफली के लिए 5850 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी तय किया गया है।

बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री पंकज अग्रवाल, कृषि विभाग के महानिदेशक श्री हरदीप सिंह, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री के मकरंद पाण्डुरंग और एफसीआई के अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## गुजरात चुनाव से पहले भाजपा का बड़ा दांव, गुजरात में समान नागरिक संहिता लागू करने के संकेत

**गांधीनगर।** गुजरात सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता को लागू करने के सभी पहलुओं का मूल्यांकन करने के लिए उत्तराखंड की तरह एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तहत एक समिति गठित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। गुजरात में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए समिति के गठन को कैबिनेट की हरी झंडी मिल गई है। इसके लिए सभी पहलुओं का मूल्यांकन करने के लिए उत्तराखंड की तरह एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तहत एक समिति गठित होगी। केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि समिति सेवानिवृत्त हाईकोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में होगी और इसमें तीन से चार सदस्य होंगे।

**गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा का बड़ा दांव**

गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने बड़ा दांव चल दिया है। उत्तराखंड की तरह राज्य में समान नागरिक संहिता लाने की तैयारी हो रही है। इसी के लिए कमेटी के गठन को मंजूरी दी गई है। इस कमेटी की अध्यक्षता हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे।

**यूनिफार्म सिविल कोड क्या है?**

यूनिफार्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता का मतलब है कि सभी नागरिकों के लिए एक समान नियम। यानी भारत में रहने वाले हर नागरिक के लिए एक समान कानून होगा, फिर वह चाहे किसी भी धर्म या जाति का हो। इसके लागू होने पर शादी, तलाक, जमीन जायदाद के बंटवारे सभी में एक समान ही कानून लागू होगा, जिसका पालन सभी धर्मों के लोगों को करना अनिवार्य होगा। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी अपने घोषणा पत्र में समान नागरिक संहिता को शामिल किया था।

ख़ास ख़बर

## एलन मस्क ने कहा चिड़िया आजाद - सरकार बोली नियमों का पालन करना होगा

**मानसी शर्मा ।** माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क हो गया है सौदा पूरा होने के बाद मस्क ने ट्वीट किया के चिड़िया आजाद हुई इसके बाद भारत और यूरोपीय संघ ने कहा कि ट्विटर का मालिक चाहे कोई हो आईटी नियमों से समझौता नहीं किया जा सकता ।

चंद घंटे बाकी थे 7 महीने की नोकझोंक और नानू करके बाद आखिरकार शुक्रवार को सौदा पूरा हो गया कानून समय सीमा खत्म होने से पहले मस्त ने औपचारिकताएं पूरी कर अधिग्रहण कर लिया इस सौदे के साथ ट्विटर कर्मचारियों और शेर धाराओं में संशय दूर हो गई है ।

**पहले पीछे हटे थे –** मस्त ने इस वर्ष 13 अप्रैल को अधिग्रहण की घोषणा की थी उन्होंने 43 अरब डॉलर में करार का प्रस्ताव दिया बाद में बड़ी संख्या में फर्जी ट्विटर अकाउंट की बात कहते हुए पीछे हटे कानूनी दांवपेच के बाद राजी हुए तो शेयरों में उछाल से सौदे की रकम एक अरब डॉलर बढ़ गई।

**नीतियों में बदलाव संभव–** उम्मीद जताई जा रही है के अधिकारियों में परिवर्तन के साथ आजीवन प्रतिबंध से जुड़ी नीतियों में भी बदलाव हो सकता है ।

**ईयू ने जवाब दिया–** यूरोपी यूनियन के इंटरनल मार्केट कमीशन ब्रिटेन ने स्पष्ट किया कि ट्विटर को नियमों का पालन करना होगा उन्होंने लिखा - यूरोप में चिड़िया को हमारे नियमों के हिसाब से उड़ना होगा ।

# 2022 में भी 2017 का फार्मुला अपनायेगी भाजपा, वर्तमान पार्षदों पर नही खेलेगी दांव

● भाजपा की महिला व युवा उम्मीदवारों पर दांव लगाने की तैयारी, कट सकते हैं मेयर समेत सभी पार्षदों के टिकट

**नई दिल्ली।** नगर निगम में भ्रष्टचार का दंश झेल रही भाजपा अपने दाग धोने व एक बार फिर दिल्ली नगर निगम चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए 2022 चुनाव में भी वही 2017 वाला फार्मुला अपनाने जा रही है। इस फार्मुले के तहत पिछलं पांच साल में सत्ता में रहे सभी 15 मेयरों और पार्षदों का टिकट काटा जा सकता है। इस बार पार्टी उनकी जगह युवा और महिला चेहरों पर दांव लगा सकती है। आम आदमी पार्टी लगातार भाजपा पार्षदों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है जिसे देखते हुए पार्टी जिन पार्षदों के खिलाफ शिकायत हुई है या भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं उन पर गहनता से मंथन कर रही है।

**2017 में भी अपनाया था यही फॉर्मूला**

2017 में हुए पिछले नगर निगम चुनाव में भी भाजपा के विरुद्ध जबर्दस्त विरोध था, लेकिन अमित शाह की अगुवाई में पार्टी ने एक रणनीति के साथ सभी पुराने चेहरों को बदल दिया और नए चेहरों को मैदान में उतारकर सत्ता में वापसी करने में सफल रही थी। सफलता के उसी मंत्र को पार्टी एक बार फिर आजमाने पर विचार कर रही है।

दरअसल, दिल्ली में भाजपा का एक खास समर्थक वर्ग है, जो किसी भी हालत में उसके साथ बना रहता है। अरविंद केजरीवाल की प्रचंड लोकप्रियता के 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में भी वह उसके साथ बना रहा। हालांकि, इन चुनावों में भाजपा को सीटों के रूप में ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन उसका पारंपरिक मत प्रतिशत (35 फीसदी के करीब) उसके साथ बना रहा। लोकसभा चुनाव के दौरान यह मत प्रतिशत बढ़कर 50 फीसदी के पार भी चला जाता है। पार्टी यह मान रही है कि भाजपा के ये मतदाता पार्टी से नाराज नहीं हैं, लेकिन स्थानीय पार्षदों से उनकी नाराजगी हो सकती है। इससे वे उस चेहरे को दोबारा अवसर देने पर उस उम्मीदवार के विरुद्ध जा सकते हैं, जिससे पार्टी की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। लेकिन यदि चेहरा बदल जाता है, तो नये चेहरे को अवसर देने के नाम पर वह उसके साथ बना रह सकता है। यही कारण है कि भाजपा इस चुनाव में पूरी तरह नए चेहरों को मौका दे सकती है।

**पार्टी सर्वे में पास होने पर ही मिलेगा टिकट**

दिल्ली भाजपा के एक पदाधिकारी ने नजफगढ़ मैट्रों के संवाददाता को बताया कि जिन सीनियर पदाधिकारियों और पार्षदों के खिलाफ पार्टी को शिकायतें मिली हैं, उनका टिकट कटना तय है। पार्टी पुराने चेहरों की जगह नए और युवा चेहरों को उतारकर राजधानी में नये कार्यकर्ताओं को मजबूती भी देना चाहती है। निगम की आधी सीटें पहले ही महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, लेकिन सामान्य सीटों पर जहां किसी महिला दावेदार की भूमिका ज्यादा सराहनीय रही है, उन्हें सामान्य सीटों पर भी उतारा जा सकता है। नेता के मुताबिक़, सभी क्षेत्रों के उम्मीदवारों का नाम फाइनल करने से पहले पार्टी अपना आंतरिक सर्वे कराएगी।

## एलन मस्क की हुई 44 बिलियन डॉलर की चिड़िया

**नई दिल्ली।** 44 बिलियन अमेरिकी डॉलर की चर्चित ट्विटर डील पूरी हो चुकी है। अमीरों की फेहरिस्त में अर्श पर बैठे एलन मस्क अब माइक्रोब्लॉगिंग साइट के मालिक हो गए हैं। इस मौके पर उन्होंने ट्वीट किया, चिड़िया आजाद हो गई है। खबर है कि मस्क ने 44 बिलियन डॉलर निजी संपत्तियों, निवेश, बैंक लोन समेत अन्य जगहों से जुटाए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुरुआत में टेस्ला प्रमुख ने मन बनाया था कि वह डील में निजी तौर पर 15 मिलियन डॉलर से ज्यादा का योगदान नहीं देंगे। इसका एक बड़ा हिस्सा (करीब 12.5 बिलियन डॉलर) शेयर की मदद से लोन के जरिए आना था। इसका मतलब था कि उन्हें अपने शेयर नहीं बेचने होंगे। हालांकि, बाद में उन्होंने लोन लेने का विचार छोड़ा और अप्रैल और अगस्त में दो बार में उन्होंने टेस्ला के 15.5 बिलियन डॉलर के शेयर बेच दिए। अब मस्क इस पूरे लेनदेन में 27 बिलियन डॉलर से थोड़ी ज्यादा राशि का योगदान देंगे। खास बात है कि ट्विटर में मस्क पहले ही 9.6 प्रतिशत के हिस्सेदार हैं।

# जल्द बदलेगी दिल्ली की ट्रैफिक व्यवस्था, बदलाव के लिए तैयारी शुरू

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक के सुचारू संचालन को लेकर दिल्ली पुलिस जल्द ही ट्रैफिक व्यवस्था बदलने जा रही है। बदलाव की अपनी नई नीति में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के सर्किल कम कर 69 के बजाय करीब 50 ट्रैफिक सर्किल करने की संभावना है। इसके लिए दिल्ली पुलिस ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है और एक कमेटी का गठन किया है। सर्किल कम होने से ट्रैफिक पुलिस के करीब 450 पुलिसकर्मी अतिरिक्त हो जाएंगे। इन पुलिसकर्मियों को दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक को संभालने के लिए लगाया जाएगा। कमेटी ये भी बताएंगी कि कैसे दिल्ली की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारा जाएगा।

दिल्ली यातायात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस के पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने ट्रैफिक सर्किलों की संख्या 53 से बढ़ाकर एक सब-डिवीजन के हिसाब से 69 कर दी थी। ट्रैफिक पुलिस के जिले 15 कर दिए गए थे और जिले की कमान डीसीपी को दी थी। इससे पहले जिले को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) संभालते थे। दो व तीन जिलों से मिलाकर बनाई रेंज को डीसीपी संभालते थे। एसीपी अब दो व तीन सर्किलों से मिलाकर बनाई सब डिवीजन को संभालते हैं। इससे जहां ट्रैफिक सर्किलों को संतुलन बिगड़ गया था वहीं कार्यालयों में स्टाफ बढ़ गया था। ट्रैफिक को संभालने के लिए सड़कों से ज्यादा कार्यालयों में ट्रैफिक स्टाफ हो गया था। ऐसे में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए कितने सर्किल कम किए जाएं, कितने प्वाइंट बनाए जाएं और ट्रैफिक व्यवस्था को कैसे सुधारा जाए, इसके लिए एक कमेटी बनाई गई है।

## भाजपा और आप में हुई कूड़े को लेकर जमकर टक्कर

**मानसी शर्मा / नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम पर 16 नए कूड़े के पहाड़ बनाने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया आप विधायकों ने दिल्ली में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर का जायजा लेने के बाद नगर निगम और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा - कि वैसे तो भाजपा शासित निगम ने पिछले 15 सालों में दिल्ली को कूड़े की राजधानी बना दिया है ओखला और गाजीपुर के कूड़े के पहाड़ों में पहले ही दिल्लीवासियों का जीना दूभर कर रखा है दिल्ली के किसी भी इलाके मैं चले जाओ हर जगह कूड़ा ही कूड़ा मिलेगा मनो राजधानी दिल्ली की जगह किसी कूड़ा घर में आ गए हो अब भाजपा 16 और कूड़े के पहाड़ बना रही है जिसके लिए कुछ इलाके भी चिन्हित किए जा चुके हैं इससे बड़ा खतरा दिल्ली वालों के लिए कुछ भी नहीं हो सकता है हम किसी भी कीमत पर भाजपा को दिल्ली वालों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे । आप विधायक दिलीप पांडेय ने कहा कि एमसीडी द्वारा कूड़े के पहाड़ बनाने की योजना है उसका हम विरोध करते हैं भाजपा ने 15 साल से शासन की सिर्फ यही उपलब्धि है ।

> ❑ आप विधायक दिलीप पांडेय ने कहा कि एमसीडी द्वारा कूड़े के पहाड़ बनाने की योजना है उसका हम विरोध करते हैं

**रातो रात की सफाई** विधायक आतिशी ने कहा की गोविंदपुरी मेट्रो स्टेशन के पास नगर निगम की ओर से 1 महीने से कूड़ा डाला जा रहा है इसे कूड़े का पहाड़ यहां पर बनना शुरू हो गए आप लैंडफिल साइट बनाए जाने का खुलासा करने के बाद निगम ने इसकी रातों-रात सफाई कराई ।

वर्ल्ड स्ट्रोक डे के मद्देनजर, इस सत्र का आयोजन किया गया है

# स्ट्रोक जागरुकता भी बहुत जरूरी ताकि समय पर मरीज को इलाज के लिए भेजा जा सके- डा.विपुल गुप्ता

**गुरुग्राम।** ब्रेन स्ट्रोक के इलाज से जुड़ी नई-नई तकनीक विकसित हो रही हैं, बावजूद इसके हर साल स्ट्रोक के मामलों में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है। यहां तक कि यंग आबादी भी स्ट्रोक का शिकार हो रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम के आर्टेमिस अग्रिम इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइंसेज ने आज एक जन-जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। वर्ल्ड स्ट्रोक डे के मद्देनजर, इस सत्र का आयोजन किया गया है। सत्र में बताया गया कि स्ट्रोक के 70-80 फीसदी मामलों में इलाज मुमकिन है और मरीज को पूरी तरह सुरक्षित बचाया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि समय पर मरीज को अस्पताल पहुंचा दिया जाए। इसके लिए ड्रिप एंड शिप फॉर्मूला मॉडल भी हरियाणा के अलग-अलग इलाकों में लागू किया गया है। जिसके तहत स्ट्रोक पड़ने के तुरंत बाद यानी गोल्डन आवर्स में मरीज को नजदीकी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया जाता है। इस मॉडल को अब नेशनल लेवल पर बढ़ाने का भी प्लान है। आजकल इलाज के नए मेथड्स इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इनमें से एक है मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी। ये प्रक्रिया बेहद असरदार रहती है। इमरजेंसी की हालत में मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी सबसे ज्यादा कारगर साबित होती है और ये मिनिमली इनवेसिव होती है। इसमें स्ट्रोक पड़ने के बाद न सिर्फ मरीज को बचाया जा सकता है बल्कि स्ट्रोक के कारण होने वाली पैरालिसिस जैसी स्थिति से भी बचा जा सकता है। गुरुग्राम में आयोजित अवेयरनेस सेशन में अपने संबोधन में डॉ.विपुल गुप्ता में बताया कि लोगों के स्ट्रोक के लक्षणों की जानकारी फैलाना बेहद आवश्यक है ताकि इलाज के बेहतर रिजल्ट पाए जा सकें। स्ट्रोक के कई पेशंट्श का हाल ही में अग्रिम इंस्टिट्यूट में इलाज किया गया है, जहां डॉक्टरों ने अपनी कुशलता दिखाते हुए मरीजों को मौत के मुंह से निकालने का काम किया है।

डॉ. विपुल गुप्ता ने इस मौके पर कहा, ''हाल में 55 साल के एक मरीज हमारे यहां भर्ती हुए। उन्हें अचानक चक्कर आने लगते थे और वो अपनी सुध भी खोने लगे थे, ऐसा घंटों तक होता था। इसके साथ ही पेशंट को शरीर के दाहिने हिस्से में कमजोरी की भी शिकायत थी। यहां तक कि वो ठीक से बोल पाने में भी सक्षम नहीं थे। मरीज की जांच पड़ताल की गई, ब्रेन एंजियो से पता चला कि उन्हें आर्टरी-वीनस मालफॉर्मेशन (एवीएम) की शिकायत है, जो ब्रेन हैमरेज की तरफ ले जाती है। साथ ही इससे दिमाग की नसों पर भी दबाव बढ़ जाता है और वो ठीक से काम नहीं कर पाता है। मरीज को तत्काल इलाज की जरूरत थी।

## दिल्ली वालों पर फिर एक बार पढ़ी महंगाई की मार ऑटो टैक्सी का किराया बढ़ेगा

**मानसी शर्मा / नई दिल्ली।** दिल्ली में ऑटो टैक्सी से सफर करना महंगा हो जाएगा दिल्ली सरकार ने सीएनजी की बढ़ती कीमतों को आधार बनाकर किराए में बढ़ोतरी की मंजूरी दे दी है जल्दी किसी अधिसूचना जारी होगी जिसके बाद ऑटो काली पीली टैक्सी और इकनोमिक टैक्सी के किराए की नई दरें लागू हो जाएंगी । ऑटो से शुरुआत के डेढ़ किलोमीटर का किराया 25 से बढ़कर ?30 कर दिया गया है जबकि टैक्सी से ?25 की जगह 40 देने होंगे यानी ऑटो में सफर करने पर प्रति किलोमीटर डेढ़ रुपया अधिक किराया देना होगा ऐसी टैक्सी से ?4 और एसी टैक्सी से सफर पर ?3 प्रति किलोमीटर किराया बढ़ा दिया गया है । 13 सदस्य समिति बनाई गई थी -इससे पहले दिसंबर 2020 में ऑटो के किराए में बढ़ोतरी की गई थी लेकिन लगातार बढ़ रही सीएनजी की कीमतों को लेकर ऑटो यूनियन हड़ताल पर चली गई थी 18 अप्रैल को हुई हड़ताल के बाद सरकार ने 13 सदस्य समिति गठित की थी जिसके सुझाव पर अब किराए में बढ़ोतरी की गई है।

**यूनियनों का तर्क–** आपका अपना ऑटो टैक्सी यूनियन के महासचिव उपेंद्र सिंह ने कहा हम सुनिश्चित किराए की सभी टैक्सी चालक मीटर से चले और निर्धारित दरों से ही किराया ले वही दिल्ली ऑटो रिक्शा संघ के महामंत्री राजेश सोनी ने कहा सरकार के इस फैसले से बड़ी संख्या में सवारी एप अधिकतर टैक्सी सेवा की ओर शिफ्ट हो जाएंगी हमारी मांग थी कि सरकार किराए की दरों में वृद्धि ना कर सीएनजी पर सब्सिडी दे इस फैसले से कोई बड़ा लाभ नहीं होगा लेकिन हम सुनिश्चित कराएंगे।

# पुतिन ने की भारत के पीएम मोदी की तारीफ, बोले- मोदी सच्चे देशभक्त

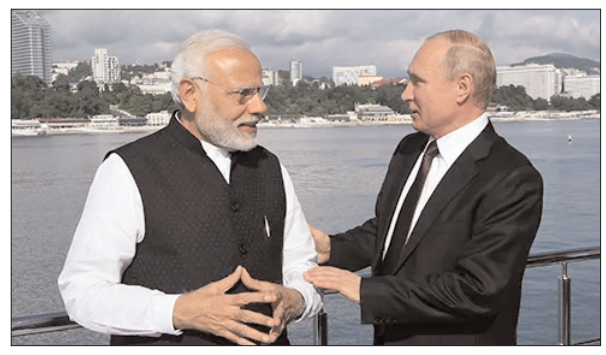

**नई दिल्ली।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। उन्होंने पीएम मोदी को सच्चा देशभक्त बताया। न्यूज एजेंसी रायटर्स के मुताबिक पुतिन ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास में जबरदस्त सफलता हासिल की है। पुतिन ने ये सारी बातें मॉस्को में वाल्डाई डिस्कशन क्लब की 19वीं एनुअल मीटिंग में कही। उन्होंने कहा कि भारत का फ्यूचर ग्रेट है। मेक इन इंडिया का उनका विचार इकोनॉमिक्स और एथिक्स दोनों में मायने रखता है।

**फ्यूचर भारत का है- पुतिन**

पुतिन ने कहा कि फ्यूचर भारत का है, क्योंकि यहां दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। ये हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा- मोदी एक आइस ब्रेकर की तरह हैं। वह अपने लोगों के हितों की रक्षा करना अच्छे से जानते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी उन लोगों में से एक हैं जो इंडिपेंडेंट फॉरेन पॉलिसी को लागू करने में माहिर हैं।

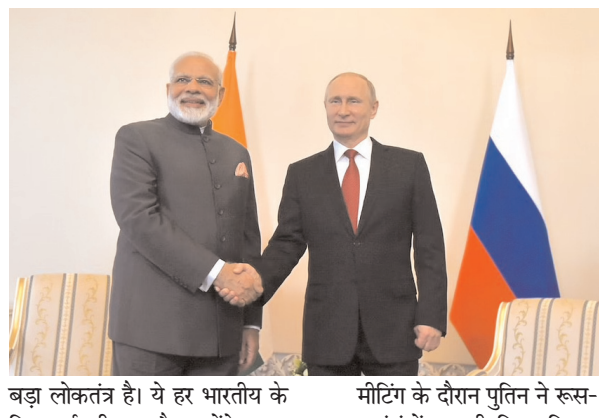

उन्होंने कहा कि कई पश्चिमी देशों ने भारत पर कई मामलों में प्रतिबंध लगाने की कोशिश की, लेकिन इससे बावजूद उन्होंने उन देशों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि हमने एक-दूसरे का समर्थन किया और यह अभी भी हो रहा है। मुझे यकीन है कि यह फ्यूचर में भी होगा।

**भारत के साथ संबंधों को किया याद**

मीटिंग के दौरान पुतिन ने रूस-भारत संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत-रूस के बीच रिश्ता काफी पुराना है, जो स्पेशल है। ये रिश्ता दशकों से चला आ रहा है। रूस के लिए भारत हमेशा से स्पेशल रहा है। दोनों देशों के बीच कोई विवाद भी नहीं है।

पुतिन ने कहा कि भारत ने ब्रिटेन के कॉलोनियल से मॉडर्न देश बनने तक में जबरदस्त तरक्की की है। इसने डेफिनिट ग्रोथ रिजल्ट हासिल किए हैं जो भारत के लिए सम्मान और प्रशंसा का कारण बनते हैं। पुतिन ने कहा कि हमारे बीच व्यापार में और वृद्धि हुई। पीएम मोदी ने मुझसे भारत को फर्टिलाइजर की सप्लाई बढ़ाने के लिए कहा था, जो भारत में एग्रीकल्चर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हमने इसमें 7.6 गुना की वृद्धि की, जो लगभग दोगुना हो गया है।

सितंबर में उज्बेकिस्तान के समरकंद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की मुलाकात हुई थी। मीटिंग में पुतिन से मोदी ने कहा था- मैं आपका और यूक्रेन का आभार व्यक्त करना चाहूंगा कि संकट के काल में शुरू में जब हमारे हजारों छात्र यूक्रेन में फंसे थे। आपकी और यूक्रेन की मदद से हम उन्हें निकाल पाए। मोदी ने कहा कि आज का युग जंग का नहीं है।

एक महीने पहले अमेरिकी मीडिया ने भारत के च्ड नरेंद्र मोदी की तारीफ की थी। मीडिया ने लिखा था- मोदी ने रूसी राष्ट्रपति को रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर फटकार लगाई। मोदी ने पुतिन से कहा- आज का युग युद्ध का युग नहीं है। इसके जवाब में पुतिन ने कहा- मैं यूक्रेन में संघर्ष पर आपकी स्थिति जानता हूं। हम इसे जल्द रोकने की पूरी कोशिश करेंगे।

# दिल्ली नगर निगम वार्ड परिसीमन के खिलाफ हाईकोर्ट पंहुची कांग्रेस

**नई दिल्ली।** दिल्ली में नगर निगम की परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसे लेकर अधिसूचना भी जारी हो चुकी है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल कुमार ने दिल्ली नगर निगम परिसीमन को लेकर जारी अधिसूचना को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। कांग्रेस का आरोप है कि दलितों, अल्पसंख्यकों के अधिकारों तथा वार्डों में जनसंख्या फार्मूले का दुरुपयोग हुआ है। इसपर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने केंद्र और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 14 दिसंबर तय की गई है। हालांकि परिसीमन की अधिसूचना के बाद यह प्रबल संभावना बन गई थी कि केंद्र सरकार दिल्ली नगर निगम के चुनाव दिसंबर के पहले सप्ताह में करायेगी।

लेकिन अब हाईकोर्ट में मामला पंहुच जाने और कोर्ट द्वारा 14 दिसंबर की अगली तारीख देने के बाद यह तो तय हो गया है कि दिसंबर के मध्यांहन तक चुनाव नही होने वाले है।

**कांग्रेस ने दिल्ली के सीएम पर लगाए आरोप**

प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि यह रिपोर्ट भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की मौन सहमति से बनाई गई है, जिसका कांग्रेस विरोध करती है। उन्होंने कहा कि मूल अवधारणा और किए गए वायदों से अलग लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक पर रख बनाई गई परिसीमन रिपोर्ट में वार्डों में जनसंख्या समीकरण का उल्लंघन, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय को अलग-थलग करके नियमों की पूरी तरह से अवहेलना की गई है।

छठ पूजा

छठ पूजा पर युमुना में बह रही विषाक्त झाग, पानी का छिड़काव कर रही जलबोर्ड की टीमें

# दिल्ली में बेकाबू हो रहा वायु प्रदुषण, बहुत खराब श्रेणी में पंहुची हवा

**नई दिल्ली।** बीते 24 घंटे में हवा की रफ्तार धीमी पड़ते ही दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। हालांकि दिल्ली सरकार व दूसरी एजेंसिंया वायु प्रदुषण को रोकने के लिए कई तरह के उपाय कर रही है लेकिन फिर भी दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदुषण बेकाबू होता जा रहा है। शुक्रवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 329 (बहुत खराब) श्रेणी में है। आनंद विहार में पीएम 2.5 का औसत एक्यूआई 380 और पीएम 10 का स्तर 441 रहा। उधर, हवा में बढ़े प्रदूषण के चलते अक्षरधाम के पास धुंध नजर आई। कम दृश्यता के चलते वाहनों की हेड लाइटें ऑन रहीं। मौसमी बदलाव के साथ हवा की गुणवत्ता पर असर पड़ना शुरू हो गया है। दिल्ली-एनसीआर में कड़े प्रतिबंधों के बावजूद वायु प्रदूषण दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार से शुरू हुए महापर्व छठ के दौरान कालिंदी कुंज के पास यमुना नदी में जहरीला झाग नजर आया। हालांकि एलजी के आदेश के बाद छठ पूजा के लिए दिल्ली में प्रस्तावित सभी यमुना घाटों को खोल दिया गया लेकिन यमुना में छठ पूजा के दौरान देखे गये जहरीले झाग ने सरकार व श्रद्धालुओं की परेषानी बढ़ा दी है।

फिर भी दिल्ली जल बोर्ड की एक टीम ने नदी की सतह पर दिखने वाले जहरीले झाग को हटाने के लिए यमुना में रसायन का छिड़काव किया। वही पराली का धुआं भी हवा की सेहत पर असर डाल रहा है। वायु मानक एजेंसियों का पूर्वानुमान है कि अगले तीन दिनों तक हवा बहुत खराब से खराब श्रेणी में बनी रहेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड(सीपीसीबी) के मुताबिक, गुरुवार को दिल्ली का औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 354 के साथ बेहद खराब श्रेणी में रहा। वहीं, 373 एक्यूआई के साथ गाजियाबाद की हवा सबसे खराब दर्ज की गई है। सबसे कम 315 एक्यूआई फरीदाबाद का दर्ज किया गया है। इससे एक दिन पहले दिल्ली समेत एनसीआर के सभी शहरों की हवा खराब श्रेणी में रही थी। दिल्ली का एक्यूआई 271 और ग्रेटर नोएडा का सबसे कम 243 एक्यूआई दर्ज किया गया था।

**1082 जगहों पर पराली जलाने की घटनाएं रिकॉर्ड**

केंद्र की वायु मानक संस्था सफर इंडिया के मुताबिक, गुरुवार को बीते 24 घंटे में 2.5 से बड़े कणों की पीएम 10 में 52 फीसदी हिस्सेदारी रही है। पीएम 10 का स्तर 238 और पीएम 2.5 का स्तर 158 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर रिकॉर्ड किया गया है। उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में 1082 जगहों पर पराली जलने की घटनाएं रिकॉर्ड की गई हैं। इसका दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण में प्रभाव दर्ज किया गया है।

## दखल

# समाज की सोच ज्यादा समस्या ग्रस्त

तीन तलाक पर उच्चतम न्यायालय के फैसले तथा इसके विरुद्ध पारित कानून को इस्लाम के विरुद्ध बताकर लगातार दुष्प्रचार किया गया है। जाहिर है, ऐसे ही तत्वों ने जानबूझकर हिजाब को इतना बड़ा मुद्दा बनाया और आज स्थिति यह हो गई है कि काफी संख्या में लड़कियां विद्यालय नहीं आ रही। इससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ हो ही नहीं सकता। अच्छा हो कि अभी भी इस की लड़ाई लड़ने वाले लोगों को सुविधाएं तथा इसे यहीं समाप्त कर दें।

**हिजाब** मामले पर उच्चतम न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ का खंडित फैसला इसलिए चिंताजनक है क्योंकि ऐसे विवादों का न्यायिक निपटारा जल्दी होना आवश्यक है। अब चूंकि यह बड़ी पीठ के पास जाने वाला है तो अंतिम फैसला आने में समय लग सकता है। दो न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के विरुद्ध दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया जबकि न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने स्वीकार करते हुए कहा कि यह अंततः पसंद का मामला है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शिक्षालयों में हिजाब पर प्रतिबंध का निर्णय खत्म करने से इंकार करते हुए कहा था कि हिजाब पहनना इस्लाम में अनिवार्य धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है। इसके विरुद्ध 26 याचिकाएं न्यायालय में आई थी। न्यायमूर्ति गुप्ता ने अपने फैसले में लिखा कि हमने 11 प्रश्न तैयार किया और उनके जवाब याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध गए हैं। उनके अनुसार इस सूची में धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार और अनिवार्य धार्मिक प्रथाओं के अधिकार की परिधि और गुंजाइश संबंधी सारे प्रश्न शामिल है।

दूसरी ओर न्यायमूर्ति धूलिया ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के एप्रोच को गलत बताते हुए कहा कि उच्च न्यायालय को कुरान की व्याख्या की दिशा में जाना ही नहीं चाहिए था। उनके अनुसार इसमें लड़कियों की शिक्षा सबसे अहम मामला है। इन दोनों न्यायमूर्तियों ने जिस तरह का फैसला दिया है उससे इसमें व्यापक संवैधानिक एवं मजहबी अधिकारों के प्रश्न निहित हो गए हैं। हालांकि इसके आधार पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कर्नाटक सरकार से शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर रोक से जुड़े आदेश वापस लेने की मांग उचित नहीं मानी जा सकती। जब फैसला आया नहीं तो जाहिर है कर्नाटक उच्च न्यायालय का फैसला अभी तक लागू है। जब सुप्रीम कोर्ट में अंतिम फैसला हुआ ही नहीं तो फिर उच्च न्यायालय के फैसले को अमान्य करार देने का आधार हो ही नहीं सकता।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया द्वारा धार्मिक प्रथाओं की अवधारणा को निस्तारण के लिए आवश्यक नहीं मानने के तर्क का उदाहरण देना और न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता के तर्कों को खारिज कर देना बिल्कुल गलत होगा। न्यायमूर्ति गुप्ता ने स्पष्ट कहा है कि उन्होंने मौलिक अधिकार से लेकर निजी स्वतंत्रता का अधिकार, हिजाब पहनना अनिवार्य धार्मिक प्रथा है या नहीं, स्कूल में हिजाब पहनने के अधिकार की मांग छात्र कर सकते हैं या नहीं आदि सभी संबंधित प्रश्नों के जाने और सभी याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध हैं। वास्तव में न्यायमूर्ति गुप्ता ने मौलिक अधिकारों से संबंधित अनुच्छेद पर भी विचार किया। मसलन क्या अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत निजता का अधिकार परस्पर अलग है या वे एक दूसरे के पूरक हैं? इनका उत्तर भी याचिकाकर्ताओं के पक्ष में नहीं गया। वास्तव में जब कर्नाटक ने अक्टूबर 2021 में शिक्षण संस्थानों में हिजाब पर पाबंदी लगाई थी तो कई प्रकार के तर्क दिए गए थे लेकिन सबसे प्रबल मजहबी अधिकार का विषय ही था।

यद्यपि कानूनी और संवैधानिक पहलुओं के जानकारों ने इसे उस दृष्टि से पेचीदा बनाया पर एक बड़ा वर्ग मुसलमानों के अंदर यही धारणा बैठाने में कामयाब रहा था कि लड़कियों को शिक्षालय में हिजाब पहनने की अनुमति न देना उनके मजहबी अधिकारों को छीनना है। सच कहा जाए तो ऐसे विषय न्यायालय में जाने ही नहीं चाहिए थे। अगर कोई शिक्षण संस्थान अपने यहां ड्रेस कोड बनाता है तो जो उसे स्वीकार करेगा वह वहां अध्ययन करेगा जो नहीं करेगा वहां नहीं जाएगा। किसी मजहब, जाति, संप्रदाय के छात्र-छात्राओं के लिए शिक्षालय का ड्रेस कोड बदल दिया जाए यह खतरनाक प्रवृत्ति पैदा करेगा। आज मुस्लिम छात्राओं का मामला है, कल हिंदू, जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई, यहूदी किसी का मामला आ सकता है। भारत जैसे विविधता वाले देश में अनेक जातियों समूहों का विषय उभर सकता है। अगर इस तरह सबको मौलिक अधिकार एवं निजी स्वतंत्रता आदि के दायरे में ला दिया जाए तो किसी संस्थान में अनुशासन, नियम आदि लागू हो ही नहीं सकता। कल्पना करिए फिर कैसी अराजकता पैदा होगी!

आज चाहे संवैधानिक अधिकारों की जितनी बात की जाए, जितनी धाराओं का उल्लेख हम कर दें सच यही है की सामान्य ड्रेस पहनकर स्कूल आने वाली छात्राओं को निश्चित रूप से कुछ गलत इरादे वाले लोगों ने हिजाब पहना कर कॉलेज भेजा था। इसके पीछे कट्टर मजहबी मनोवृति के अलावा कुछ हो ही नहीं सकता। यह साफ हो गया कि किस तरह कट्टर मजहबी तत्वों ने हिजाब को एक हथियार बनाकर कर्नाटक में अशांति पैदा करने का षड्यंत्र रचा। इसे नजरअंदाज कर केवल संवैधानिक, कानूनी, निजी अधिकार, शिक्षा के अधिकार जैसे विषयों में उलझाया जाए तो यह सच की अनदेखी करना होगा जिसके परिणाम अच्छे नहीं हो सकते। अगर पूरे देश में मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग ने हिजाब के पक्ष में आवाज उठाई उसके पीछे कोई एक सोच है तो वह इस्लाम है। इसलिए इससे अलग करके इस मामले को नहीं देखा जा सकता। न्यायमूर्ति गुप्ता ने कहा है कि छात्र अपने धार्मिक विश्वास से सेक्यूलर संस्थान में लागू नहीं कर सकते तथा ड्रेस कोड तय करने का अधिकार देने वाला सरकारी आदेश कानून का उल्लंघन नहीं है। इसके पीछे हिजाब को इस्लाम से जुड़ा हुआ बताया गया था जबकि न केवल जस्टिस गुप्ता ने बल्कि कर्नाटक उच्च न्यालय ने स्पष्ट किया और अनेक इस्लामी विद्वान भी कहते हैं कि हिजाब कभी भी इस्लाम का अपरिहार्य नहीं रहा।

न्यायमूर्ति गुप्ता का यह तर्क भी गलत नहीं है कि अगर हिजाब को आवश्यक धार्मिक प्रथा मान लिया जाए तो भी सेक्यूलर संस्थान में पहनने के अधिकार का दावा नहीं कर सकते। सेक्यूलरवाद सभी नागरिकों पर लागू होना चाहिए। किसी मजहबी समुदाय को उसके मजहब के रिवाजों के अनुसार खास पहनावे की छूट देना सेक्यूलरवाद की अवधारणा के विपरीत होगा। न्यायमूर्ति धूलिया के इस तर्क को हम खारिज नहीं कर सकते कि लड़कियों की शिक्षा अहम मामला है। किंतु आखिर वही लड़कियां, जो कल तक सामान्य ड्रेस में आती थी अंततः हिजाब पहनने की जिद पर क्यों आ गई? हिजाब पहने तभी हम शिक्षा ग्रहण करें इस प्रकार की जबकि के पीछे मजहब की गलत अवधारणा के अलावा और कुछ हो ही नहीं सकता। यह भी न भूलिए हिजाब पहनने वाली लड़कियों ने अल्लाह हो अकबर का भी नारा लगाया था। यह देश के लिए चिंताजनक स्थिति है कि किसी शिक्षालय का एक सामान्य आदेश देश में मजहबी अधिकारों से लेकर मौलिक अधिकार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार और न जाने मानवाधिकार के किन-किन पहलुओं का विषय बन गया।

बड़े-बड़े वकील उच्चतम न्यायालय में हिजाब पहनने के पक्ष में खड़े हो गए जिससे लगा कि अगर लड़कियों ने हिजाब नहीं पहना तो पहाड़ टूट जाएगा। इतना छोटा विषय अगर संविधान की व्याख्या तक चला जाए व मजहब के शीर्ष नेताओं सहित भारत के नेता, बुद्धिजीवी, पत्रकार, संविधानविद सभी कूद पड़ें तो मान लेना चाहिए कि समाज की सोच ज्यादा समस्या ग्रस्त हो चुकी है। मुस्लिम समुदाय के ही कुछ तत्वों ने आम मुसलमानों में डर पैदा करने की कोशिश की है कि भाजपा सरकार मुसलमानों एवं इस्लाम के विरुद्ध काम कर रही है।

## विचार

# हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन

चीन चतुराई से बाज नहीं आता है। वो कहीं भी रहे खुद की सुरक्षा के लिए सबसे पहले सोचता है। ऐसा ही एक नजारा उसके कृत्रिम द्वीप पर देखने को मिला है। चीन का यह कदम न सिर्फ भारत बल्कि सभी देशों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

दुनिया कोरोना की महामारी में फंसी रही और पड़ोसी मुल्क चीन ने समुद्र में कृत्रिम द्वीप बना लिया है। कहने को तो यह एक कृत्रिम द्वीप है लेकिन चीन ने इसे एक तरह से समुद्र में अपना अभेद किला बना दिया है। चीन इस कृत्रिम द्वीप पर अपना रडार सिस्टम, एयरपोर्ट व नेवल गन की तैनाती कर दी है। भारत से महज 684 किमी दूर मालदीव के पास इस द्वीप के बनने से भारत समेत कई देशों के लिए रणनीतिक तौर पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। चीन के इस कृत्रिम द्वीप कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। फोटोग्राफर एज्रा अकायन की ओर से खीची गई तस्वीर में द्वीप की असली सच्चाई दुनिया के सामने आई है। तस्वीर में बड़ी बिल्डिंग के साथ-साथ विमान को उड़ान भरते हुए दिखाया गया है। तस्वीर में यह बताने की कोशिश की गई है कि चीन इस द्वीप का इस्तेमाल किस तरह से करने के लिए आगे बढ़ रहा है।

बड़ी बिल्डिंगों के बीच रडार इंस्टॉलेशन, एयरफील्ड्स और नेवल गन दिखाई दे रहे हैं। द्वीप की जो तस्वीरें सामने आई हैं उसमें चीन ने वहां पर बनीं कई बिल्डिंगों में से एक पर रडार गनरी डायरेक्टर से लैस नेवल गन को तैनात किया है। बिल्डिंग के ऊपरी हिस्सों को गुंबदों और एंटेना को देखा जा सकता है। इसके अलावा द्वीप के बीच में बनी एक बिल्डिंग पर बड़ा सा रडार लगाया गया है। द्वीप में इस तरह के हथियारों की तैनाती सुरक्षा के लिहाज से काफी अहम है। इसके जरिए टाइप 730/1130 क्लोज-इन वेपन सिस्टम और एक मल्टीपरपज डेक गन को ऑपरेट किए जा सकते हैं। ये क्रूज मिसाइलों, विमानों और ड्रोन जैसे कम-उड़ान वाले हवाई खतरों और द्वीप के पास आने वाले दुश्मन के जहाजों के खिलाफ एक्शन ले सकते हैं। चीन ने यहां भी अपनी चतुराई का नमूना दिखाया है। चीन ने द्वीप की सुरक्षा के लिए ट्रक-माउंटेड फेज एरे राडार भी लगाया है। ये वो रडार है जो बाहर से नहीं दिखाई देते हैं। इन्हें बिल्डिंग के ही किसी ढांचे की स्थापित किया जाता है। ताकि बाहर से देखने में यह पता न चल सके वहां रडार लगाया गया है।

बिल्डिंग पर बड़े-बड़े एंजेना के साथ-साथ उन्हें जोड़ने वाली लाइनें भी नजर आ रही है। हालांकि, सब कुछ ढका हुआ है। चीन इस तरह के अपने द्वीपो को हथियार प्रणालियों से लैस कर रहा है। इनमें से कई हथियारों को हेक्सागोनल कंक्रीट टावरों के समूहों के ऊपर स्थापित किया गया है। टॉवरों पर बने प्लेटफॉर्म्स की चौड़ाई करीब 30 फुट के आसपास है। कहीं-कहीं तो प्लेटफॉर्म के दो हिस्सों को जोड़कर एक बड़ा सा सिस्टम स्थापित किया गया है। मालदीव के फेदूफिनोल्हू द्वीप को मालदीव की सरकार ने चीन को 30.33 करोड़ रुपए में 50 साल की लीज पर दिया था, अब चीन ने इस द्वीप को और बढ़ा लिया है। अब इस द्वीप पर मिलिट्री का पूरा सिस्टम स्थापित कर दिया है। चीन एक तरह से दक्षिण सागर में अपनी पकड़ को और मजबूत बनाने का प्रयास कर रहा है।

# जलवायु परिवर्तन का खतरा

भारत पहले से ही सूखे, बाढ़ और चक्रवाती तूफानों की मार झेल रहा है। इस सदी के अंत तक जलवायु परिवर्तन एक बड़ा संकट खड़ा कर सकती है। जलवायु परिवर्तन पर भारत की अब तक की रिपोर्ट कहती है कि सदी के अंत तक भारत के औसत तापमान में 4.4 डिग्री की बढ़ोतरी हो जाएगी। इसका सीधा असर लू के थपेड़ों और चक्रवाती तूफानों की संख्या बढ़ जाएगी।

**जलवायु** परिवर्तन के खतरे भीषण चुनौती बन चुके हैं। हालात और शोध इस बात के सबूत हैं कि एक ओर धरती का तापमान बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ दुनिया के विभिन्न इलाके पानी के संकट से जूझ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन से समुद्री जलस्तर बढ़ने से कई द्वीपों और तटीय महानगरों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। सूखी और जमी मिट्टी के ढीली होने के चलते तेजी से बिखरने, सूखने, जलापूर्ति कम होने, मिट्टी में कार्बन सोखने की क्षमता कम होते जाने, खारापन बढ़ने, बेमौसम बारिश की अधिकता के कारण बाढ़ आने और शुष्क भूमि पर निर्भर लोगों के लिए भोजन का संकट बढ़ने जैसी भीषण समस्याएं पैदा हो गई हैं। इससे सूखे जैसे हालात समूची दुनिया के लिए आम हो जायेंगे। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने भविष्य के मौसम के मॉडल सिमुलेशन के निष्कर्षों के बजाय 160 से अधिक देशों के 43,000 वर्षा स्टेशनों और 5,300 नदी निगरानी स्थलों के असली आंकड़ों के विश्लेषण के बाद पाया कि जलवायु परिवर्तन के चलते वैश्विक जलापूर्ति पर संकट मंडराने लगा है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरेस का कहना है कि असलियत में अभी भी ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य पहुंच से बाहर हैं। यही वह अहम कारण है कि जलवायु आपदा टालने में विश्व पिछड़ रहा है। वैश्विक जलापूर्ति में कमी के बारे में अध्ययनकर्ताओं का मानना है कि गर्म हवा में अधिक नमी संग्रहित होती है। जलवायु मॉडल की भी यही मान्यता थी। इसलिए हमें बारिश के बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन हमें यह उम्मीद कतई नहीं थी कि बहुत जगहों पर अधिक बारिश के बावजूद नदियां सूख रही हैं। इसका अहम कारण जलग्रहण क्षेत्र में मिट्टी का सूखना रहा है। सबसे अहम बात यह रही कि यदि मिट्टी नम होती, तो अतिरिक्त बारिश का पानी नदियों में बहकर चला जाता। चूंकि वे बारिश का पानी ज्यादातर मात्रा में सोख लेती हैं, इसलिए वे अभी भी सूखी हैं। यही वजह है कि कम पानी बह पाता है।

हमारी नदियों में कम पानी का मतलब होता है कि शहरों और खेतों में कम पानी की उपलब्धता। सूखी मिट्टी का सीधा मतलब है कि किसानों के लिए पानी की अधिक मांग। विडंबना कहें या दुखद बात कि आजकल इस स्वरूप की दुनियाभर में तेजी से पुनरावृत्ति हो रही है, जो भयावह खतरे का संकेत है। गौरतलब है कि धरती पर पड़ने वाली बारिश की 100 बूंदों में से केवल 35-36 बूंदें ही हमारी नदियों, झीलों, तालाबों जैसे जल स्त्रोतों में ही जा पाती हैं। यह पानी ही हमारी जरूरतों की पूर्ति करता है, जिसे ब्लू वाटर कहा जाता है तथा बारिश के शेष पानी, जो मिट्टी द्वारा सोख लिया जाता है, उसे ग्रीन वाटर कहा जाता है। धरती का ताप बढ़ने से मिट्टी ज्यादा पानी सोख लेती है। नतीजतन जल स्त्रोतों में पानी की कमी हो जाएगी और हमें जल संकट का सामना करना पड़ेगा।

जलवायु परिवर्तन के कारण भूमि का क्षरण 10 से 20 गुणा तक बढ़ गया है, जो भूमि निर्माण की तुलना में सौ गुना से भी ज्यादा है। आंकड़ों की मानें, तो 1961 से 2013 के बीच दुनिया में शुष्क जमीन की दर एक फीसदी से भी ज्यादा बढ़ी है। आगामी दिनों में इसमें बढ़ोतरी की आशंका है। भारत में गंगा बेसिन सर्वाधिक संवेदनशील इलाका है। पाक में सिंधु बेसिन, चीन में येलो रिवर एवं चिन युंग के मैदानी इलाकों से हरियाली गायब हो चुकी है। अमेरिका में यह आंकड़ा 60 फीसदी, यूनान, इटली, पुर्तगाल और फ्रांस में 16 से 62 फीसदी, उत्तरी भूमध्यसागरीय देशों में 33.8 फीसदी, स्पेन में 69 फीसदी, साइप्रस में यह खतरा 66 फीसदी जमीन पर मंडरा रहा है, जबकि अफ्रीका के 54 में से 46 देश बुरी तरह इसकी जद में हैं। हमारे देश की करीब 69 फीसदी शुष्क भूमि बंजर होने का सामना कर रही है। दुनिया के 52 से 75 फीसदी देश भूमि क्षरण की मार झेल रहे हैं और इससे 50 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हैं।

सदी के अंत तक इसके बढ़ कर दोगुना से भी ज्यादा होने का अनुमान है। उस स्थिति में जलापूर्ति के संकट की भयावहता की आशंका से ही दिल दहल उठता है। इस बारे में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतेरेस का कहना है कि यदि सदी के अंत तक धरती के तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी हुई, तो दुनिया के 115.2 करोड़ लोगों के लिए जल, जंगल, जमीन, भोजन का संकट पैदा हो जाएगा। यदि वैश्विक प्रयास तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने में कामयाब रहे, तो भी 96.1 करोड़ लोगों के लिए यह खतरा बरकरार रहेगा। समय की मांग है कि समूचा विश्व समुदाय सरकारों पर दबाव बनाए कि इस दिशा में हम पिछड़ रहे हैं और हमें तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। इसके बिना बदलाव की उम्मीद बेमतलब है।

धरती पर जलवायु परिवर्तन की घटना दुनिया के तीन अरब लोगों के लिए खतरे की घंटी है। पिछले छह हजार सालों से धरती पर चर और अचर फलफूल रहे हैं। लेकिन अब यह धरा मुश्किल में पड़ गई है। खास बात यह है कि इसके लिए मानव सीधे तौर पर जिम्मेदार है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर यूं चलता रहा तो वर्ष 2070 तक यह धरती रहने लायक नहीं बचेगी। यहां का तापमान सहने लायक नहीं होगा। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक भले ही पेरिस जलवायु समझौते पर अमल की कोशिश की जा रही है, पर इसके बावजूद दुनिया तीन डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि की तरफ बढ़ रही है। ग्लोबन वार्मिंग से अगर दुनिया का औसत तापमान 1.5 डिग्री बढ़ गया तो एक बड़ी आबादी को इतनी गर्मी में रहना होगा कि वे जलवायु की सहज स्थिति के बाहर हो जाएंगे। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव आस्ट्रेलिया, भारत, अफ्रीका, दक्षिण अमरीका और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में पड़ेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एक डिग्री की वृद्धि से करीब एक अरब लोग प्रभावित होंगे। जलवायु परिवर्तन के हिसाब से भारत संवेदनशील मुल्क है। 2017 में हुए एक अध्ययन में भारत जलवायु परिवर्तन के हिसाब से दुनिया का छठा सबसे अधिक संकट ग्रस्त देश था। 2018 में एचएसबीसी ने दुनिया की 67 अर्थव्यवस्थाओं पर जलवायु परिवर्तन के खतरे का आंकलन किया गया, जिसमें कहा गया कि क्लाइमेट चेंज की वजह से भारत को सबसे अधिक खतरा है। विश्व बैंक भी कह चुका है कि ग्लोबल वार्मिंग से भारत को कई लाख करोड़ डालर की क्षति हो सकती है। जलवायु परिवर्तन का भारत पर व्यापक असर होगा। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव कृषि क्षेत्र पर पड़ेगा।

दरअसल, हमारे देश की कृषि वर्षा पर आधारित है। यानी भारतीय कृषि पूरी तरह से मानसून पर निर्भर है। जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून में अनिश्चितता उत्पन्न होगी। यानी मानसून कभी तय समय से पहले आएगा तो कभी बाद में। जलावायु परिवर्तन के कारण वर्षा के असामान्य वितरण की समस्या उत्पन्न होगी। इससे भारत में कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा जैसी स्थितियों का सामना करना होगा। इसके अलावा पूर्वोत्तर भारत में बाढ़, पूर्वी तटीय क्षेत्रों में चक्रवात की स्थिति उत्पन्न होगी।

## ट्विटर

समुद्र में कृत्रिम द्वीप बनाने की खबर मिली है। इसे बनाने के पीछे मंशा अगर खुद की सुरक्षा करना है तो ठीक, लेकिन इससे धौंस जामने की अनुमति कतई नहीं दी जाएगी।

**जो बाइडेन, राष्ट्रपति अमेरिका**

चीन के रडार पर इस समय भारत और अमेरिका ही हैं। चीन को दोनों ही देशों से खतरा बना रहता है। इसलिए वह समुद्र में कृत्रिम द्वीप बनाने की हरकतों में लगा है।

**कमर आगा, रक्षा विशेषज्ञ**

## सत्यार्थ

# नासमझ को समझ दो

एक राजा वन भ्रमण के लिए गया पर कुछ समय बाद ही वह रास्ता भूल गया और वन में भटक गया। चलते-चलते उसे एक वनवासी की झोपड़ी दिखाई दी, और वो वहां पर पहुंचा। वहां उसे आतिथ्य मिला और इस तरह से राजा की जान बची। सब कुछ सही लगने पर राजा ने वहां से विदा लिया और चलते समय राजा ने वनवासी से कहा-हम इस राज्य-के शासक हैं। तुम्हारी सज्जनता से प्रभावित होकर अमुक नगर का चंदन बाग तुम्हें प्रदान करते हैं। इससे तुम्हारा जीवन आनंदमय बीतेगा। इस तरह से उस वनवासी को बहुमूल्य चंदन का उपवन प्राप्त हो गया। चंदन का क्या महत्व है और उससे किस प्रकार लाभ उठाया जा सकता है, उसकी जानकारी न होने से वनवासी चंदन के वृक्ष काटकर उनका कोयला बनाकर शहर में बेचने लगा। इस प्रकार किसी तरह उसके गुजारे की व्यवस्था चलने लगी। चूंकि उस लकड़ी के कोयले से बहुत ही कम आमदनी हो पाती थी इसीलिए धीरे-धीरे उसने लगभग सभी वृक्ष को कोयला बनाकर बेच डाले। अब उसके पास कुछ ही पेड़ बचा था। और इसीलिए अब वह चिंतित भी रहने लगा था कि ये भी खत्म हो जाएगा तो फिर गुजारा कैसे चलेगा। संयोग से एक दिन बहुत ज्यादा वर्षा होने से वह लकड़ी को कोयला न बना सका, तो ऐसे में उसने लकड़ी को ही बेचने का निश्चय किया। उसने लकड़ी का गट्ठर बनाया और जब वो उसे लेकर जब बाजार में पहुंचा तो सुगंध से प्रभावित लोगों ने उसका भारी मूल्य चुकाया। वनवासी आश्चर्यचकित था और सोच रहा था कि अब तक उसने इसी लकड़ी का कोयला बना कर बेचा तो उसे मुश्किल से कुछ पैसे मिले जबकि लकड़ी से तो कई गुना ज्यादा पैसा मिला। उसने लोगों से इसका कारण पूछा तो लोगों ने कहा-'यह चंदन काष्ठ है। बहुत मूल्यवान है। यदि तुम्हारे पास ऐसी ही और लकड़ी हो तो उसका प्रचुर मूल्य प्राप्त कर सकते हो। वनवासी अपनी नासमझी पर पश्चाताप करने लगा कि उसने इतना बड़ा बहुमूल्य चंदन वन को कोयले बनाकर कौड़ी के भाव बेच दिया। एक-एक क्षण बहुमूल्य है पर लोग उसे वासना और तृष्णाओं के बदले कौड़ी मोल में गंवाते हैं।

ख़ास ख़बर

## भारतवंशी ऋषि सुनक बने ब्रिटेन के पीएम, 200 साल में पहली बार बना अल्पसंख्यक पीएम

**लंदन।** 42 साल के भारतवंशी ऋषि सुनक ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। मंगलवार को सुनक बकिंघम पैलेस पहुंचे, किंग चार्ल्स से मुलाकात की। किंग ने उन्हें अपॉइंटमेंट लेटर सौंपा और नई सरकार बनाने को कहा। किंग और सुनक की मुलाकात पैलेस के रूम नंबर 1844 में हुई। परंपरा के मुताबिक, सुनक पर्सनल कार से बकिंघम पैलेस

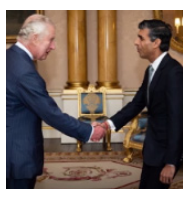

पहुंचे। बकिंघम पैलेस से ऋषि प्राइम मिनिस्टर की ऑफिशियल कार से ऑफिशियल रेसिडेंस 10 डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचे। यहां बतौर प्रधानमंत्री देश के नाम पहला संबोधन दिया। कहा- देश इस वक्त मुश्किल में है। पूर्व च्ड लिज ट्रस से कुछ गलतियां हुई हैं। अब हम इन्हें सुधारेंगे। लिज ट्रस सरकार में फाइनेंस मिनिस्टर रहे जेरेमी हंट को उसी पद पर बरकरार रखा गया है। सुनक चाहते हैं बाजार में उथलपुथल से फिलहाल बचा जाए। देर रात सुनक कैबिनेट की तस्वीर साफ होना शुरू हो गई। बोरिस जॉनसन सरकार में मंत्री रहे डॉमिनिक रॉब को उप प्रधानमंत्री और कानून मंत्री बनाया। लिज ट्रस सरकार में फाइनेंस मिनिस्टर रहे जेरेमी हंट को उसी पद पर बरकरार रखा। ठठब् के मुताबिक- फाइनेंस मिनिस्टर न बदलकर सुनक इन्वेस्टर्स को यह मैसेज देना चाहते हैं कि परेशान होने की जरूरत नहीं है, सरकार की नीतियों पर भरोसा रखें। बेन वॉलेस डिफेंस मिनिस्टर बने रहेंगे। जेम्स क्लेवरली से भारत का ताल्लुक ज्यादा रहेगा। जॉनसन के समर्थक जेम्स को फॉरेन मिनिस्टर बनाया गया है।

**हमारी इकोनॉमी मुश्किल दौर में**

सुनक ने कहा- मैं अभी किंग से मिलकर आया हूं। उन्होंने मुझे नई सरकार बनाने को कहा है। आप जानते हैं कि इस वक्त हमारी इकोनॉमी मुश्किल दौर में है। कोविड की वजह से पहले ही दिक्कत थी। पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करके हालात और खराब कर दिए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस हालात सुधारना चाहती थीं, उन्होंने बिना थके काम किया, लेकिन गलतियां हुईं। अब हम इन्हें सुधारेंगे। सुनक जब ऑफिशियल रेसिडेंस लौट रहे थे तब एक शख्स ने 'ऋषि आउट' यानी ऋषि जाओ के नारे भी लगाए।

**देश को एकजुट करके दिखाऊंगा**

सुनक ने आगे कहा- मैं इस देश को फिर एकजुट करूंगा। ये मैं सिर्फ कह नहीं रहा हूं, बल्कि करके भी दिखाऊंगा। दिन-रात आपके लिए काम करूंगा। उन्होंने आगे कहा- 2019 में कंजर्वेटिव पार्टी को समर्थन मिला था। यह किसी एक शख्स के लिए नहीं था। हेल्थ, बॉर्डर प्रोटेक्शन और आर्म्ड फोर्सेस के लिए काम किया जाएगा। आज हमारे सामने कई चैलेंज हैं। बतौर चांसलर मैंने जो काम किए, वह जारी रखूंगा। देश के लोगों की बेहतरी को सियासत से ऊपर रखा जाना चाहिए।

# कोरोनाकाल में खाना खिलाकर रचा 400 लोगों के धर्मांतरण का खेल

### अब खुलासा होते ही मचा हड़कंप, मुकदमा दर्ज

**मेरठ।** मेरठ में भरोसे में लेकर झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले करीब 400 लोगों के धर्मांतरण का मामला सामने आया है। दरअसल कोरोना काल में मंगतपुरम झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों को दिल्ली के महेश पासचर ने सैंकड़ों लोगों को खाना खिलाकर काफी सुर्खियां बटोरी थी लेकिन अब इसी मामले में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। जिसमें महेश पासचर ने सैंकड़ों लोगों को खाना खिलाकर उनका धर्मांतरण करा दिया और अब दिवाली पर उन्हे दिवाली मनाने से भी रोका गया और घर में लगे देवी-देवताओं की मूर्ति व पोस्टर हटाने को कहा तो मामले का खुलासा हो गया और पूरे प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिसे लेकर शुक्रवार को भाजपाइयों ने एसएसपी ऑफिस पर हंगामा किया। एसएसपी के निर्देश पर ब्रह्मपुरी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। भाजपा नेता दीपक शर्मा के नेतृत्व में मंगतपुरम की झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले करीब 100 लोग एसएसपी ऑफिस पहुंचे। लोगों ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर तीन महिला समेत नौ लोगों पर आरोप लगाया। बताया कि लॉकडाउन में दिल्ली से कुछ लोग मंगतपुरम पहुंचे थे। उन्होंने लोगों को पैसे के साथ-साथ खाने का सामान भी मुहैया कराया।बताया कि गरीब लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर उन्हें क्रिश्चियन धर्म की जानकारी देनी शुरू कर दी गई। धीरे-धीरे चर्च ले जाने का सिलसिला भी शुरू हो गया। इसके बाद करीब 400 लोगों का धर्मांतरण करा दिया गया। विरोध करने पर धर्मांतरण कराने वाले लोग धमकी देने लगे। दिल्ली के लोगों के साथ धर्मांतरण कराने में आठ स्थानीय लोग भी शामिल बताये जा रहे हैं।

**धर्मांतरण के विरोध में हंगामा**

भाजपा नेता व उनके साथियों के हंगामा करने पर ब्रह्मपुरी थाने में छबीली उर्फ शिवा, बिनवा, अनिल, सरदार, निक्कू, बसंत, प्रेमा पत्नी ननकी, ततली पत्नी सरदार, रीना पत्नी निक्कू पर धर्मांतरण कराने का मुकदमा दर्ज हो गया। एलआईयू, आईबी समेत कई खुफिया विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। जहां पर क्रिश्चियन धर्म से जुड़ीं कुछ पुस्तकें मिलीं। पुलिस ने झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों के बयान दर्ज कराए। दरअसल, शुक्रवार को इस बारे में खबर फैली तो बजरंग दल कार्यकर्ता और समाजसेवी सचिन सिरोही मंगतपुरम पहुंचे। उन्होंने क्रिश्चियन धर्म से जुड़ी किताबें और आर्थिक मदद लेने वाले लोगों की सूची ढूंढ ली। इस मामले में पुलिस की लापरवाही उजागर हुई है।

पुलिस के मुताबिक, 20-25 साल पहले बारांबकी से दस लोग मंगतपुरम आए और खाली पड़े प्लॉट में झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रहने लगे। अब इनकी संख्या 400 से ज्यादा बताई जा रही है। लॉकडाउन में राशन की दिक्कत हुई तो इन लोगों की मदद के लिए दिल्ली के महेश पासचर पहुंचे। जो क्रिश्चियन बताए गए।

**भरोसे में लेकर धर्म परिवर्तन के लिए किया प्रेरित**

आरोप है कि महेश पासचर ने कुछ लोगों को भरोसे में लेकर झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों को क्रिश्चियन धर्म से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। नतीजा यह हुआ कि लोग चर्च में जाने लगे और धर्म परिवर्तन भी किया। यह सिलसिला करीब ढाई साल से चल रहा था।

**कोरोना काल का उठाया फायदा**

शुक्रवार को मामला एसएसपी ऑफिस पहुंचा तो पुलिस प्रशासन की नींद टूटी। बजरंग दल के दिलीप सिंह और समाजसेवी सचिन सिरोही ने बताया कि मंगतपुरम में मिलीं क्रिश्चियन धर्म की पुस्तकें और आर्थिक मदद लेने वालों की सूची का रजिस्टर पुलिस को सौंपा गया है।

## भाजपा-आप के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बना दिल्ली एमसीडी चुनाव

**नई दिल्ली।** दिल्ली में नगर निगम चुनाव जीतना भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। भाजपा दिल्ली के नगर निगम में पिछले 15 साल से काबिज है। शीला दीक्षित की प्रचंड लोकप्रियता के दौरान भी भाजपा ने एमसीडी पर अपनी पकड़ बरकरार रखी थी, तो दिल्ली विधानसभा चुनाव 2015 में प्रचंड जीत हासिल करने के बाद भी केजरीवाल 2017 के निगम चुनाव में भाजपा को निगम से डिगा नहीं पाए। वहीं, दिल्ली विधानसभा में दो बार रिकॉर्ड जीत हासिल कर केजरीवाल इस बार निगम में भी पूरी ताकत के साथ डट गए हैं और स्वयं को निगम का बड़ा दावेदार बता रहे हैं। यही कारण है कि अरविंद केजरीवाल पहली बार गाजीपुर के कचरे के पहाड़ पर पहुंचे और भाजपा को दिल्ली की गंदगी के लिए जिम्मेदार ठहराया, तो भाजपा नेता मनोज तिवारी यमुना की गंदगी के लिए केजरीवाल को जिम्मेदार बता रहे हैं। दोनों प्रमुख दलों की मजबूत दावेदारी में इस बार जीत किसके हाथ लगेगी यह एक बड़ा सवाल बनकर सामने आ रहा है?हालांकि 2017 के प्रदर्शन के आधार को देखा जाये तो कांग्रेस भी इस चुनाव में करिश्मा दिखा सकती है। दिल्ली नगर निगम चुनाव 2022 में यदि भाजपा को एक बार और जीत मिलती हैं, तो इसका संदेश दूर तक जाएगा। वह यह बताने की कोशिश करेगी कि जमीन पर मतदाताओं पर उसकी पकड़ अभी भी बनी हुई है। वह इसे अरविंद केजरीवाल से जनता के मोहभंग के रूप में भी प्रचारित करेगी। केवल एक नगर निगम चुनाव होने के बाद भी इसका बड़ा असर होगा और इससे आम आदमी पार्टी की दूसरे राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर भी असर पड़ेगा।

वहीं, भाजपा शासित नगर निगम में भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाकर आम आदमी पार्टी दिल्ली के नगर निगम में भी सत्ता में आना चाहती है। इसके लिए वह बेहतर स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाएं देने के साथ-साथ मुफ्त बिजली-पानी और मुफ्त यात्राओं पर दांव लगा रही है। यदि इन चुनावों में आम आदमी पार्टी को जीत हासिल होती है, तो वह इसे भाजपा को दिल्ली से उखाड़ फेंकने के रूप में प्रचारित करेगी। मीडिया का बेहतर इस्तेमाल करने के खेल में माहिर केजरीवाल इसे प्रधानमंत्री मोदी पर से लोगों के उठते विश्वास और दिल्ली मॉडल पर जनता के विश्वास के रूप में प्रचारित करेंगे। उन्हें इसका लाभ अन्य राज्यों में भी मिल सकता है।

## इस्कॉन द्वारका में गोवर्धन पूजा की धूमधाम, प्रेम और भक्ति के रंगों से सजा गोवर्धन पूजा उत्सव

**द्वारका/नई दिल्ली।** कार्तिक मास में सबका मंगल करने वाली शुभ दीपावली अपनी जगमग के साथ ढेरों खुशियाँ लेकर आई और सबने बढ़-चढ़ उसका स्वागत किया। आशाओं के दीप जलाएँ और निराशा के अंधकार को अपने जीवन से दूर करने का निश्चय किया। उत्सवों की इसी श्रृंखला में बुधवार को इस्कॉन द्वारका में गोवर्धन पूजा उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया। मंदिर की सजावट जहाँ भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी, वही गोवर्धन रूप में सजे कृष्ण के विराट रूप ने भक्तों के ह्रदय में ऊर्जा का संचार किया। इस रूप में दर्शन कर भक्तों ने कृष्ण प्रेम प्राप्त किया।

गोवर्धन लीला का विशेष महत्व बताते हुए इस्कॉन द्वारका मंदिर के प्रमुख प्रबंधक अर्चित दास प्रभु ने कहा कि, ÷कृष्णभावनामृत आंदोलन में गोवर्धन-पूजा की बहुत मान्यता है। जैसे कृष्ण पूजनीय हैं, वैसे ही उनकी भूमि वृंदावन और गोवर्धन पर्वत भी पूजनीय हैं। श्रीकृष्ण स्वयं कहते हैं कि गोवर्धन की पूजा उनकी पूजा के समान है। तब से यह पूजा की जाती है, जो अन्नकूट के नाम से विख्यात है। इस दिन सभी भक्तों को मंदिर में आकर भगवान कृष्ण को इस बात के लिए धन्यवाद देना चाहिए कि खतरों के साए से परे हम इस साल के सारे उत्सव उनकी छत्रछाया में सबके साथ मना पाएँ। और साल भर इसी तरह हम भी स्वयं को सुरक्षित महसूस करें, जैसे हज़ारों वर्षों पूर्व ब्रजवासियों ने कृष्ण के समक्ष अपने आप को सौंप दिया था।

## सब्सिडी विकल्प स्कीम में 5 दिन शेष, अभी भी 24 लाख उपभोक्ता सब्सिडी विकल्प से बाहर

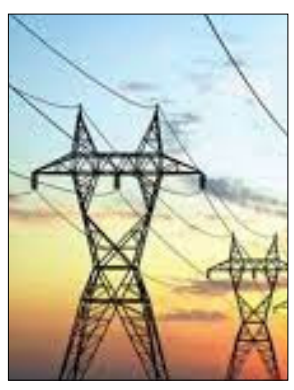

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार की नई बिजली सब्सिडी योजना को खत्म होने में 5 पांच दिन शेष बचे हैं। 31 अक्तूबर को सरकार की इस योजना के तहत सब्सिडी के लिए आवेदन करने की तिथि समाप्त हो जाएगी। विशेष बात यह है कि योजना के तहत अभी तक 24 लाख से कुछ अधिक (43 प्रतिशत से अधिक) उपभोक्ताओं को अभी तक बिजली सब्सिडी नहीं मिली है। दिल्ली के 58 लाख उपभोक्ताओं में से अभी तक कुल 32 लाख से कुछ ज्यादा उपभोक्ताओं ने सब्सिडी जारी रखने के लिए आवेदन किया है। दिल्ली सरकार के योजना के अनुसार बिजली उपभोक्ताओं को प्रत्येक वर्ष सब्सिडी के लिए ऑनलाइन या ऑफ लाइन आवेदन करने सब्सिडी जारी रखने के लिए आवेदन करना होगा। योजना के तहत अभी तक बिजली वितरण कंपनी बीवाईपीएल इलाके में 7,96,243 उपभोक्ता, बीआरपीएल इलाके में 14,71,777, टीपीडीडीएल इलाके में 9,35,082 तथा एनडीएमसी इलाके में 10,259 उपभोक्ताओं ने सब्सिडी जारी रखने के लिए आवेदन किया है। गौरतलब है कि ऊर्जा विभाग मासिक बिजली खपत मामले में 200 यूनिट तक बिजली खर्च करने पर 100 प्रतिशत की छूट तथा 400 यूनिट पर 50 प्रतिशत की छूट देती है। दिल्ली सरकार ने घोषणा किया था कि बिजली पर यह सब्सिडी अब सीधे नहीं मिलेगी, बल्कि इसके लिए उपभोक्ताओं को ऑनलाइन या ऑफ लाइन सब्सिडी जारी रखने के लिए आवेदन करना होगा। यह आवेदन मोबाइल फोन से और बिजली वितरण कंपनी के कार्यालय में जाकर फार्म भरकर किया जा सकता है।

## एलजी सक्सेना ने यमुना के तय घाटों पर छठ पूजा की दी मंजूरी

**नई दिल्ली।** दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने यमुना नदी के निर्धारित घाटों पर छठ पूजा की मंजूरी दे दी है। उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से श्रद्धालुओं के लिए साफ घाट और पानी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। यह जानकारी उपराज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने बुधवार को दी। दिल्ली सरकार ने 1,100 स्थलों पर छठ पूजा की व्यवस्था की है। बता दें कि इस साल मई में सक्सेना के पद संभालने के बाद से आप सरकार और उपराज्यपाल कार्यालय के बीच कई मुद्दों पर टकराव सामने आ चुका है। उपराज्यपाल ने छठ पूजा पर भेजी गई फाइल को मंजूरी दे दी है, लेकिन अंतिम मंजूरी मिलने से पहले ही 21 अक्तूबर को केजरीवाल के ट्वीट का संज्ञान भी लिया। सूत्रों ने कहा कि उपराज्यपाल ने केजरीवाल को इस मुद्दे पर भ्रामक और अपरिपक्व प्रचार करने के प्रति आगाह किया है। सूत्रों ने कहा कि कुछ दिन पहले केजरीवाल के एक ट्वीट ने कई लोगों को भ्रम में डाल दिया था, जिन्हें लगा था कि यमुना नदी के किनारे छठ पूजा कहीं भी की जा सकती है।

सूत्रों के मुताबिक उपराज्यपाल ने इस मामले पर संज्ञान लिया और फाइल में लिखा कि इस मुद्दे पर मेरे विचार के लिए रखे जाने और मेरे द्वारा इस विषय पर एक स्वतंत्र राय बनाने से पहले ही, इस मुद्दे पर प्रचार किया गया। उन्होंने नोट में कहा कि ट्वीट से यह धारणा बनी कि छठ त्योहार यमुना के सभी घाटों पर मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह गंभीर रूप से समस्या उत्पन्न करने वाला है, क्योंकि यह शासन की योजना के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। सूत्र ने कहा कि छठ पूजा करने की उपराज्यपाल द्वारा स्वीकृति यमुना पर निर्धारित घाटों के लिए है। उपराज्यपाल ने राजस्व और पर्यावरण विभागों को यमुना प्रदूषण पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। छठ व्यवस्था के लिए दिल्ली सरकार का राजस्व विभाग नोडल एजेंसी है। यह छठ को सफल बनाने के लिए अन्य सरकारी विभागों और नागरिक एजेंसियों के साथ नजदीकी समन्वय में काम कर रहा है। छठ 30 और 31 अक्तूबर को मनाया जाएगा।

## 7 साल पहले कर दी थी भारतवंशी के ब्रिटेन का पीएम बनने की भविष्यवाणी

**नई दिल्ली।** ब्रिटेन के नए पीएम बने ऋषि सुनक के भारतीय कनेक्शन की काफी चर्चा हो रही है। एक भारतवंशी के इस अहम पद तक पहुंचने को लोग करिश्मे के तौर पर भी देख रहे हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को पता होगा कि ब्रिटेन के पूर्व पीएम डेविड कैमरून ने 7 साल पहले ही इसकी भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से चर्चा में कहा था कि जल्दी ही भारतीय मूल का कोई शख्स 10, डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचेगा। बता दें कि ब्रिटेन के पीएम का सरकारी आवास 10, डाउनिंग स्ट्रीट कहलाता है। अब जाकर यह भविष्यवाणी सच हुई है और ऋषि सुनक को यह मौका मिला है। वही ऋषि सुनक जो दो महीने पहले ही लिज ट्रस के मुकाबले पीएम पद की रेस में पिछड़ गए थे। दरअसल 2015 में पीएम नरेंद्र मोदी जब ब्रिटेन गए थे तो वह वेंबले स्टेडियम में भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस आयोजन में तत्कालीन ब्रिटिश पीएम डेविड कैमरून ने भी हिस्सा लिया था। तभी उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से कहा था कि वह दिन दूर नहीं है, जब ब्रिटेन का प्रधानमंत्री भी कोई भारतवंशी ही होगा। ऋषि सुनक बीती दो सदियों में ब्रिटेन के सबसे युवा पीएम हैं, जिनकी आयु महज 42 साल ही है।

**कार्यक्रम** महर्षि दयानंद ने सोचने की दिशा बदल डाली -राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

# जीवन में महर्षि दयानंद के आदर्श अपनाएं -डा. हर्षवर्धन

**पंजाबी बाग/नई दिल्ली।** केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती के 139 वें बलिदान दिवस पर आर्य समाज पंजाबी बाग विस्तार दिल्ली में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, इंद्रापुरम, फरीदाबाद, गुरुग्राम व सोनीपत से 500 से अधिक संख्या में श्रद्धालु आर्य जन सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर सांसद डा. हर्षवर्धन ने अपने संदेश में कहा कि आज महर्षि दयानंद सरस्वती जी के आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है उनके स्वतंत्रता आंदोलन व समाज सुधार में योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। वहीं केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद ने वैचारिक क्रांति का शंखनाद किया और सोचने

समझने की दिशा ही बदल डाली। उन्होंने उस समय की कुरूतियों पर सीधा प्रहार किया जो एक साहसिक कार्य था। स्वामी जी पर पत्थर सांप फेंक कर अपमान किए गए लेकिन वह सत्य मार्ग से विचलित नहीं हुए। उन्होंने वेदों की पुनर्स्थापना कर उसका प्रचार प्रसार किया।

समारोह अध्यक्ष आर्य नेता धर्मपाल कुकरेजा ने कहा कि स्वामी जी ने कोई नया धर्म नही चलाया अपितु जो मिलावट धर्म में कर दी गई थी माली की तरह उसकी सफाई का कार्य किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि स्वामी दयानन्द से प्रेरणा पाकर हजारो लोग आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने अपने ओजस्वी विचार रखते हुए महर्षि दयानंद का गुणगान किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य जसवंत शास्त्री ने यज्ञ करवा कर किया व आचार्य महेन्द्र भाई ने संचालन किया। सुप्रसिद्ध गायक नरेन्द्र आर्य सुमन, सुदेश आर्या, पिंकी आर्या, नरेश खन्ना, रजनी गर्ग, किरण सहगल, मधु खेड़ा, विजय पाहुजा, प्रवीण आर्य गाजियाबाद आदि ने मधुर भजन सुनाये। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा नेता यशपाल आर्य, एस के छत वाल,

पी एस दहिया, आर पी सूरी, राजीव सूरी, अनिल कपूर, ओम सपरा, यशोवीर आर्य, रामकुमार सिंह, अरुण आर्य, माधव सिंह, दुर्गेश आर्य, सुरेश आर्य, देवेन्द्र भगत, वेद प्रकाश आर्य, डा.विपिन खेड़ा, राधा भारद्वाज, जयसिंह कटारिया, यज्ञवीर चौहान एवं देवेन्द्र गुप्ता आदि उपस्थित थे। समारोह में 16 आर्य महिलाओं को सम्मानित किया गया।

## ख़ास ख़बर

### कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों ने किया तिरंगे का अपमान

**कनाडा।** कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की एक घिनौनी हरकत सामने आई है। बंदी छोड़ दिवस पर कनाडा के शहर ब्रैम्पटन में जहां जमकर खालिस्तानी नारे लगाए, वहीं पर उन्होंने भारत की शान तिरंगे का अपमान भी किया। कार में तिरंगा झंडा लेकर जा रहे लोगों के हाथ से छीन कर उसका अपमान किया गया।

दरअसल, भारत से ब्लैक लिस्टेड खालिस्तानी समर्थक कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में बंदी छोड़ दिवस की रात को हाथों में अपने खालिस्तानी झंडे लेकर पहुंच गए। वहां पर वह नारेबाजी करने लगे। इतने में जब वहां रहते भारतीयों को पता चला तो वह भी गाड़ियों में तिरंगे लेकर मौके पर पहुंच गए। गाड़ियों में तिरंगे झंडे देख कर खालिस्तानी समर्थक भड़क उठे। कारों के आगे खड़े हो गए। इसके बाद जोर-जोर से खालिस्तानी नारे लगाने लगे। कारों में बैठे लोग भी हिन्दुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। खालिस्तानी सड़क पर ओपन में खड़े थे जबकि तिरंगे लेकर भारतीय कारों में थे। खालिस्तानी समर्थक तिरंगे झंडे पर टूट पड़े। विदेशी धरती पर भी भारतीयों से मिली चुनौती पर बौखलाहट में खालिस्तानी समर्थकों ने कारों की खिड़कियों से तिरंगा फहरा रहे लोगों के हाथ से राष्ट्रीय ध्वज छीन कर जमीन पर फेंक कर दिया। उन्होंने पांवों के नीचे कुचल कर भारतीय तिरंगे का अपमान किया। जिससे कनाडा में रह रहे भारतीयों में खासा रोष है। उन्होंने वहां पर इसकी शिकायत भी की है।

### दिवाली पर 7 साल बाद पहली बार इतनी साफ रही दिल्ली की हवा

**नई दिल्ली।** इस साल दिवाली के अगले दिन 2015 के बाद से दिल्ली में सबसे स्वच्छ हवा देखी गई है। यह दिवाली और उसके एक दिन बाद दोनों पर एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में रहने के बावजूद 2015 के बाद दिवाली का अगला दिन सबसे साफ रहा। प्रदूषण स्तर में वृद्धि दर्ज करने के बाद पटाखों प्रतिबंध लगा दिया गया था। दिल्ली सरकार के प्रतिबंध के बावजूद दिल्ली में पटाखे जलाए गये। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक दिवाली के दिन एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) 312 था, जबकि मंगलवार को यह 303 था। 301 से 400 के बीच एक्यूआई को 'बेहद खराब' माना जाता है।

**2015 के बाद सबसे अच्छी रही दिवाली के अगले दिन की हवा**

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक 2015 के बाद से उपलब्ध सीपीसीबी के आंकड़ों से पता चलता है कि दिवाली के बाद की हवा की गुणवत्ता पिछले साल सबसे खराब देखी गई थी, जब दिवाली के एक दिन बाद एक्यूआई 462 दर्ज किया गया था, जो 'गंभीर' श्रेणी में था। पिछले साल दिवाली के दिन एक्यूआई 382 था। 2015 से लेकर 2019 तक लगातार 4 साल तक दिवाली के अगले दिन की हवा गंभीर श्रेणी में बनी रही।

**मौसम विभाग ने क्या कहा**

मौसम की स्थिति ने इस बार हवा की क्वालिटी में सुधार करने में भूमिका निभाई। मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि हवा की गति ने प्रदूषकों के इकठ्ठा होने से रोकने में मदद की और इस साल दिवाली का दिन अपेक्षाकृत गर्म भी था जिस वजह से भी हवा की क्वालिटी पिछले दिवाली के दिनों के मुकाबले अच्छी रही। उन्होने बताया कि, ÷हवा की गति मंगलवार तड़के दो बजे के करीब तेज हो गई। सुबह के शुरुआती घंटों में, प्रदूषक सामान्य रूप से जमा हो जाते थे। जब तापमान ठंडा होता है और सीमा की परत नीचे आती है और हवाएँ धीमी हो जाती हैं। लेकिन हवा की गति तेज हो गई, जिससे फैलाव में मदद मिली।

# कांग्रेस में खड़गे युग शुरू, शपथ लेते ही युवाओं को लेकर खड़गे ने दिया बड़ा बयान

**50 फीसदी पद युवाओं को देने का ऐलान, भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत पर भी साधा निशाना**

**नई दिल्ली।** मल्लिकार्जुन खड़गे आधिकारिक तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष बन गए हैं। कांग्रेस मुख्यालय दिल्ली में चुनाव अधिकारी मधुसूदन मिस्त्री ने उन्हें जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। अध्यक्ष बनने के बाद अपने पहले भाषण में खड़गे ने पार्टी में 50 फीसदी पद 50 साल से कम उम्र के लोगों को देने का ऐलान किया। खड़गे ने कहा- उदयपुर अधिवेशन में पार्टी के 50 फीसदी पद 50 साल से कम उम्र के लोगों को दिए जाने के प्रस्ताव पर अमल किया जाएगा।

भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत के नारे पर तंज कसते हुए खड़गे ने कहा- अपने मुताबिक नया भारत बनाने के नाम पर वे कांग्रेस मुक्त भारत बनाने का नारा देते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि जब तक कांग्रेस मौजूद है, तब तक वे ऐसा नहीं कर सकते। हम ऐसा नहीं होने देंगे और इसके लिए लगातार लड़ाई जारी रखेंगे। खड़गे ने कहा- आज मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। आज एक सामान्य कार्यकर्ता को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुनकर ये सम्मान देने के लिए मैं आप सबको हार्दिक धन्यवाद देता हूं। कांग्रेस झूठ और नफरत का दायरा तोड़ेगी। लोगों से अपील है कि वे पार्टी के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने के लिए साथ आएं। खड़गे ने कहा कि मैं जानता हूं कि यह कठिन समय है, कांग्रेस ने जिस लोकतंत्र की स्थापना की थी, उसे बदलने की कोशिश की जा रही है। भारत जोड़ो यात्रा के लिए राहुल गांधी को धन्यवाद, इससे पूरे देश में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

**सोनिया बोलीं- पद छोड़कर राहत मिली**

इस मौके पर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने कहा कि खड़गे को अध्यक्ष पद की कमान सौंपकर वे राहत महसूस कर रही हैं। उनके सिर से बड़ा बोझ उतर गया है। उन्होंने कहा- मैं नए पार्टी अध्यक्ष खड़गे जी को बधाई देती हूं। सबसे अधिक संतोष इस बात का है कि जिन्हें अध्यक्ष चुना है, वे एक अनुभवी और धरती से जुड़े हुए नेता हैं। एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में काम करते हुए अपनी मेहनत और समर्पण से इस ऊंचाई तक पहुंचे हैं। सोनिया ने अपने कार्यकाल के लिए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद भी दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने के लिए कांग्रेस मुख्यालय पहुंचने से पहले खड़गे ने राजघाट में गांधीजी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की समाधि पर गए। इस तरह खड़गे ने पद संभालने से पहले गांधीजी के साथ कांग्रेस की तीन पीढ़ियों को नमन किया। कांग्रेस पहुंचने पर सोनिया और राहुल ने मंच पर खड़गे को गुलदस्ता सौंपकर उनका स्वागत किया। खड़गे ने पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री और दलित नेता बाबू जगजीवन राम की समाधि पर भी फूल चढ़ाए। खड़गे ने मंगलवार शाम को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से भी मुलाकात की थी। ।प्ब्ब् हेडक्वार्टर में शपथ के लिए सुबह 10 बजे का समय तय किया गया था। इसमें थोड़ी देर हुई है।

**सोनिया के बाद सबसे बड़े अंतर से जीते खड़गे**

कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव के नतीजों में मल्लिकार्जुन खड़गे ने शशि थरूर को 6825 वोट से हराया है। खड़गे को 7897 वोट मिले, वहीं थरूर को 1072 वोट ही मिल सके। इस चुनाव में जीत के साथ ही खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले 65वें नेता हो गए हैं। वे बाबू जगजीवन राम के बाद कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले दूसरे दलित नेता हैं। इसके अलावा वे कर्नाटक से इस पद को संभालने वाले दूसरे नेता भी हैं।

**पार्टी संभालने और चुनाव जीतने की चुनौती**

खड़गे की जीत जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी चुनौतियां भी उनके सामने हैं। वे जिस समय पार्टी आलाकमान की जिम्मेदारी लेने आगे आए हैं, तब केवल दो राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही कांग्रेस की सरकार बची है। वहीं, झारखंड और तमिलनाडु में पार्टी गठबंधन सरकार में शामिल है, लेकिन मुख्यमंत्री दूसरे दलों के हैं। खड़गे जब अध्यक्ष बने हैं तो इसी साल हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव हैं। वहीं, अगले साल यानी 2023 में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और महाराष्ट्र समेत 10 राज्यों में चुनाव होने हैं। ऐसे में खड़गे के सामने पार्टी को एकजुट करने और चुनाव मैदान में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती होगी।

कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि ये संगठन का चुनाव है, हमारे घर का मामला है। हर कोई किसी को भी वोट देने के लिए स्वतंत्र है। लोगों ने मेरा समर्थन किया और मैं उम्मीदवार हूं। कांग्रेस जैसा विशाल संगठन चलाने के लिए गांधी परिवार का मार्गदर्शन चाहिए।

## राजेन्द्र गौतम की हिन्दू विरोधी गलती सुधारने में जुटे केजरीवाल

**नई दिल्ली।** चुनावी मोड में आये दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम के हिन्दू विरोधी बयान की गलती को सुधारने के लिए नया सुझाव देकर सब को अचंभित कर दिया है। उन्होने केंद्र सरकार से अपील की है कि भारतीय करेंसी के पीछे की तरफ श्रीलक्ष्मी-गणेश की तस्वीर छापी जाए ताकि देवी-देवताओं की कृपा देश पर बनी रहे। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिवाली पर लक्ष्मी पूजन करते हुए उनके मन में ऐसे भाव आए थे, जिन्हें वे सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं।

**देवी-देवताओं का आशीर्वाद रहा तो अच्छे नतीजे मिलेंगे**

उन्होंने कहा कि हम देख रहे हैं कि देश की अर्थव्यवस्था कमजोर है। हम आज भी विकासशील ही हैं, गरीब ही हैं। हम सब चाहते हैं कि भारत अमीर देश बने। हम सब चाहते हैं कि सब भारत वासी अमीर परिवार बने। हमें बहुत सारे प्रयास करने की जरूरत है। हमें स्कूल, अस्पताल, बड़ी संख्या में इंफ्रास्ट्रचर तैयार करना होगा। हम कोशिशें भी करते हैं लेकिन हम देखते हैं कि नतीजे नहीं आ रहे हैं। इसके लिए हम कई तरीके की कोशिशें कर रहे हैं, लेकिन अगर देवी-देवताओं का आशीर्वाद हो तो नतीजे आते हैं।

**विघ्नहर्ता का आशीर्वाद होगा तो अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी**

केजरीवाल ने आगे कहा कि हम सब ने दिवाली पर प्रार्थना की। सब ने लक्ष्मी मां और गणेश जी की पूजा की होगी। बिजनेसमैन तो अपने दफ्तर में, अपने कमरों में श्री लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति रखते हैं। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि भारतीय करेंसी के ऊपर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर छापें। करेंसी पर गांधी जी की तस्वीर वैसी ही रहनी चाहिए, लेकिन दूसरी तरफ लक्ष्मी जी और गणेश जी की तस्वीर होनी चाहिए।

## ऑस्टियोपोरोसिस डे पर विशेष- हड्डियां कमजोर होने का शरीर पर दिखने लगता है असर

**हेल्थ डेस्क।** देश में ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या अब विकराल रूप धारण करती जा रही है। ऐसा नही है कि इसका कोई ईलाज नही है लेकिन अगर समय पर इसकी पहचान न हो तो यह रोग इंसान की जिंदगी नरक बना देता है। वह न जी पाता है और न ही मर पाता है। ऑस्टियोपोरोसिस होने पर हड्डियां काफी कमजोरी होने लगती हैं और हल्के से स्ट्रेस या दबाव से आसानी से टूट जाती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस की वजह से अक्सर हिप्स, कलाई और स्पाई में फ्रैक्चर का सामना करना पड़ता है। हड्डियां लिविंग टिशू होती हैं जो टूटती और बनती रहती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या तब होती है जब पुरानी हड्डियां टूटने के बाद नई हड्डियों का निर्माण नहीं हो पाता।

आज ऑस्टियोपोरोसिस डे पर हम ऑस्टियोपोरोसिस बिमारी की पूर्ण जानकारी आप तक पंहुचा रहे हैं। आजकल की व्यस्त जिंदगी में लाइफस्टाइल और खानपान में लोगों की ओर से बरती जाने वाली लापरवाही के चलते हड्डियां धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं। एक स्वस्थ शरीर के लिए हड्डियों का मजबूत होना काफी जरूरी होता है। हड्डियों के कमजोर होने का एक मुख्य कारण कैल्शियम की कमी होती है। आजकल के समय में जवान लोगों को भी हड्डियों की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसा नही है कि यह बिमारी सिर्फ महिलाओं को ही होती है। पुरूष हो या महिला यह बिमारी सभी को हो सकती है। इतना जरूर है कि हमारे देश में यह बिमारी महिलाओं में ज्यादा होती है और इसकी सबसे बड़ी वजह है लड़कियों को सही मात्रा में पौष्टिक भोजन न मिल पाना और महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान और बाद में पूरे पौष्टिक व मिनरलस नही मिल पाना। हड्डियां कमजोर होने पर जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द का सामना करना पड़ता है और कई बार जोड़ों से चरमराहट की आवाज आने लगती है। आज हम आपको कुछ ऐसे संकेतों के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे आपको पता लग जाएगा कि आपकी हड्डियां कमजोर होनी शुरू हो गई हैं। मसूड़े कमजोर होना- हड्डियों के कमजोर होने से मसूड़ों में दिक्कत होने लगती है. जबड़े की हड्डी दांतों पर पकड़ बनाए रखती है और एक उम्र के बाद अन्य हड्डियों की तरह ये भी कमजोर हो जाती है। जबड़े की हड्डी टूटने से मसूड़े में से दांत बाहर आने लगते हैं या अलग भी हो सकते हैं। जबड़े कमजोर होने से दांत खराब भी हो सकते हैं। पकड़ कमजोर होना- कई स्टडी में हाथों की पकड़ और कलाई, रीढ़ और कूल्हे के हड्डियों के घनत्व के बीच एक संबंध पाया गया है। पोस्टमेनोपॉज़ल महिलाओं पर हाल ही में की गई एक स्टडी में पूरे शरीर में हड्डियों के घनत्व को जानने के लिए हाथों की पकड़ की मजबूती सबसे जरूरी फिजिकल टेस्ट माना गया। कमजोर और टूटते नाखून- अगर आपके नाखून बार-बार टूटते हैं तो हो सकता है कि आपके शरीर में कैल्शियम और कोलेजन की कमी हो।

## हमारा देश हमारे जवानफ्र ट्रस्ट ने बवाना में सीआरपीएफ की 70वीं बटालियन के साथ मनाई दीवाली दीपावली

**बवाना/नई दिल्ली।** हमारे सैनिक त्यौहारों के समय देश की रक्षा में खड़े होते और अकसर त्यौहार अपने परिवार के साथ नही मना पाते। सैनिकों को परिवार की कमी महसूस ना हो इसलिए हमारा देश हमारे जवान ट्रस्ट ने सैनिकों के बीच जाकर दिपावली का त्यौहार मनाया। ट्रस्ट ने अधिकारियों और जवानों के साथ मिलकर सबसे पहले शहीद सैनिकों के नाम के दीए जलाकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की बाद में सैनिकों भाईयो को मिठाई देकर बड़ी ही धूमधाम से दीपावली का त्यौहार मनाया। इस कार्यक्रम में हमारा देश हमारे जवान की सचिव भावना शर्मा, 2 आईसी तस्लीमा मैम, सहायक कमांडेंट जीवन और यूनिट के सभी जवानों ने भाग लिया। इस मौके पर ट्रस्ट ने देशवासियों से अपील की हमेशा सैनिकों के साथ खड़े रहे और उनका परिवार बनकर उनका सम्मान करे क्योंकि सैनिक आप लोगो के परिवार की रक्षा के खातिर कभी छुट्टी नहीं लेता तो इसलिए हर त्योहारों में देशवासियों की जिम्मेदारी है

## बहादुरगढ रनर्स ग्रुप ने दिया गो ग्रीन का संदेश, धावकों ने पर्यावरण सुरक्षा की ली शपथ

**बहादुरगढ़।** बहादुरगढ रनर्स ग्रुप के सदस्यो ने अपने अभ्यास समय के दौरान अपने परिवार, आस-पड़ोस व समाज को दीवाली के अवसर पर गो ग्रीन का संदेश दिया। साथ ही सभी धावकों ने पटाखें न चलाने की भी शपथ ली। धावकों संदेश देते हुए कहा कि इस बार हमें एक पेड़ लगाना। जिससे आसान है जीवन बचाना। काम करें ऐसा जिसे देखें जमाना। पेड़ लगाओ जीवन बचाओ का सभी को संदेश दिया।

बी आर जी ग्रुप ने 'एक युद्ध पटाखों के विरुद्ध का अभियान छेड़ते हुए ग्रीन दिवाली, क्लीन दिवाली मनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को धावकों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पटाखे न जलाने की शपथ भी दिलाई। ग्रुप के कोच दीपक छिल्लर ने अनुरोध किया कि दोस्तो पटाखे न लाना...प्यारे दोस्त पटाखे मत लाना। इस बार हमें एक पेड़ लगाना। जिससे आसान है जीवन बचाना। काम करें ऐसा जिसे देखें जमाना। पेड़ लगाओ जीवन बचाओ।

बढ़ते पलूशन के कारण अगर हम पटाखों से तौबा कर लें तो ही बेहतर रहेगा। लोगो को जागरूप किया कि आतिशबाजी से निकले सूक्ष्म कण और हानिकारक गैस बच्चों से लेकर सभी उम्र के लोगों के लिए नुकसानदायक है। इसलिए आतिशबाजी व पटाखों को नहीं जलाना चाहिए। यह पर्यावरण संरक्षण के लिए हित में है।

दिवाली मनाने के अनोखे तरीके

वैसे, पटाखे जलाकर पलूशन बढ़ाने से अच्छा है कि हम कुछ और अनोखे तरीके से दिवाली मनाएं। इस अवसर पर ग्रुप के छोटे बच्चों ने गो ग्रीन दीवाली के लिए अपने आइडियाज भी शेयर किये।

-गुब्बारे लें और उन्हें फोड़ें। पटाखों जैसी आवाज भी आएगी और पलूशन भी नहीं होगा।

जगदीश राठी, बिजय सिह, सतीश देशवाल, विनीत, भृगु ने आहवान किया खूब सारे दिए जलाएं। चाइनीज लड़ियों के मुकाबले ये ज्यादा खूबसूरत लगते हैं।

नीरज, राकेश डबास, कोशल, मुकेश दहिया ने कहा कि सुंदर-सी रंगोली बनाएं और उसके साथ पूरी फैमिली के साथ सेल्फी लें। प्रोफेसर नीरज दलाल, शक्ति राणा, हितेश, सुरज राणा, भारत, नरेन्द्र राम ने कहा कि दीपावली पर कोई स्वादिष्ट डिश बनाएं। खुद भी घरवालों के साथ खाएं और पड़ोसियों और दोस्तों को भी खिलाएं। डॉ कर्मवीर, विनीत, धर्मवीर, सुरेंद्र दलाल ने कहा कि अगर आपके पड़ोस में कोई बुजुर्ग अंकल या आंटी अकेले रहते हैं तो उन्हें दिवाली पर अपने घर इन्वाइट करें और उनके साथ दिवाली मनाएं।

अभियान के दौरान सभी उम्र के सदस्यो ने यह शपथ भी ली कि वह दीपावली पर पटाखे नहीं जलाएंगे और पर्यावरण को साफ रखने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस मौके पर नरेन्द्र, आशीष, कपिल, प्रवीन सांगवान, दीपक छिल्लर, देवेन्द्र, सविनय, राकेश, गुलाबसिंह, सुदेश, कनचन, नवीन, कृत मलिक, एन के नारा, विनोद, ताराचंद आदि मौजूद रहे। सदस्यो ने लोगों से भी अपील करते हुए कहा कि वह भी इस अभियान में भागीदार बनें। मौजूद लोगों ने दिवाली पर पटाखे न जलाने और दूसरे लोगों को जागरूक करने की शपथ ली।

**उदघाटन** जयेंद्र सिंह राणा द्वारा डायरेक्टर बीएसएफ एकेडमी टेकनपुर की प्रसंशा करते हुए

# टेकनपुर ग्वालियर बीएसएफ दिवाली मेले में कॉनफैडरेसन द्वारा भलाई संबंधित कार्यों वास्ते स्टाल अलॉट

**टेकनपुर ग्वालियर।** भारत की पहली रक्षा पंक्ति बीएसएफ एकेडमी टेकनपुर डायरेक्टर श्री पंकज गूमर द्वारा दिवाली मेले का रिबन काट कर उदघाटन किया साथ ही बीएसएफ बैंड द्वारा मनमोहक धुन बजाई गई। कॉनफैडरेसन ऑफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन वास्ते मेला परिसर मे स्टाल अलॉट किया गया। इस अवसर पर महासचिव रणबीर सिंह ने प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि हमारी एसोसिएशन को फोर्सेस मेला में विभाग की तरफ से स्टाल अलॉट करना ऐसा पहली बार हुआ है। डायरेक्टर बीएसएफ एकेडमी टेकनपुर श्री पंकज गूमर, ज्वाइंट डायरेक्टर श्री जेएस औबराय, सैनवेसटो डीआईजी एसएस गुलेरिया, कमांडेंट एके तिवारी व अन्य अधिकारीगण द्वारा मेले में लगाई गई विभिन्न स्टालों का भ्रमण किया। कॉनफैडरेसन द्वारा किए जा रहे भलाई संबंधित कार्यों की भूरी भूरी सराहना की साथ ही मेले में पधारे आगंतुकों द्वारा पुर्व अर्धसैनिकों द्वारा संचालित स्टाल से काफी प्रभावित हुए। खास कर एसोसिएशन द्वारा अखबार की कतरनें, वीवीआईपी से की गई मुलाकातें, हेल्प डेस्क बनवाने तक का जिक्र पोस्टर के माध्यम से किया गया जोकि मेले में आए सैलानियों द्वारा खूब पसंद किया गया कि कैसे लो रैंक के पुर्व अर्धसैनिकों ने सलीके से अपने भलाई संबंधित मुद्दे विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से लेकर महामहिम राष्ट्रपति जी तक संज्ञान में लाए गए।

जयेंद्र सिंह राणा द्वारा डायरेक्टर बीएसएफ एकेडमी टेकनपुर की प्रसंशा करते हुए कहा कि कॉनफैडरेसन को स्टाल अलॉट करना बाकी सुरक्षा बलों के लिए अनुकरणीय उदाहरण है उम्मीद कि भविष्य में अन्य सुरक्षा बलों के कैम्पस में आयोजित होने वाले मेलों में स्थानीय वेलफेयर एसोसिएशन को प्राथमिकता दी जाएगी। टेकनपुर एसोसिएशन अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव ने कहा कि पुर्व अर्धसैनिकों द्वारा संचालित स्टाल की बिक्री से मिलने वाली लाभ राशि का इस्तेमाल शहीद परिवारों के कल्याण कार्यों में लगाया जाएगा। सुरेन्द्र सिंह यादव जोकि सेना परकोष्ठ ग्रामीण जिला संयोजक भी है अपनी टीम सदस्यों एसएस राठोड़, गजेंद्र सिंह राजावत, रमनसिंह चौहान ,राम स्वरूप भदोरिया, पुष्पेन्द्र यादव का मेला स्टाल डेकोरेशन व संचालित करने में विशेष योगदान रहा।

## भाजपा नेत्री नीलम कृष्ण पहलवान ने क्षेत्रवासियों को दी दीवाली की शुभकामनाऐं

**नजफगढ़/नई दिल्ली।** दिचाऊं कलां वार्ड की पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेत्री नीलम कृष्ण पहलवान ने प्रदुषण रहित व सुरक्षित दीवाली मनाने का आहवान करते हुए क्षेत्रवासियों को दीपोत्सव दीवाली, गोवर्धन पूजा, छठ पूजा व भाई दूज की सभी को शुभ कामनाऐं दी। दीपोत्सव के मौके पर श्रीमति नीलम कृष्ण पहलवान ने कहा कि हमारे त्यौहार हमारी समृद्ध परंपरा की निशानी है। इसलिए हम सब को मिलकर इन्हे हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए। लेकिन हमे अपनी खुशी को अपने तक सीमित ना रखते हुए अपने परिवार, आस-पड़ोस व पूरे समाज के साथ बांटना चाहिए। इसके साथ ही उन्होने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि इस अवसर पर बच्चों का विशेष ध्यान रखें। अपने पर्यावरण को बचाने के लिए दीवाली के मौके पर पौधारोपण करें व अपने आसपास के पेड़ों को बचाने के लिए सार्थक प्रयास करें तभी हम दीवाली की खुशी सभी में बांट सकते हैं। साथ ही उन्होने लोगों को प्रदुषण रहित दीवाली मनाने के लिए भी प्रेरित किया। एक बार फिर आप सभी को आने वाले सभी त्यौहारों की हार्दिक शुभकामनाऐं.....

## ख़ास ख़बर

# निरोग रहने के लिए निरंतर योगाभ्यास जरूरी- डॉ. रमेश कुमार

**द्वारका/नई दिल्ली।** दीपावली एवं महर्षि दयानंद सरस्वती के निर्वाण दिवस की पूर्व प्रभात बेला मे अध्यात्म योग संस्थान द्वारका एवं योग भारती हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय निःशुल्क ऑनलाइन योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें योग का अभ्यास डॉ. रमेश कुमार योगाचार्य, सहायक प्रोफेसर, योग विज्ञान विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने कराया। उन्होनें अपने संबोधन में कहा की निरोग रहने के लिए निरंतर योगाभ्यास जरूरी है इसलिए योग को जीवन में अपनाना चाहिए यदि हम लोग योग का निरंतर अभ्यास करते हैं तो सभी बीमारियां धीरे-धीरे समाप्त हो जाती हैं। सभी अपने कीमती समय में से एक घंटा योगासन प्राणायाम और ध्यान के लिए निकाले जिससे तन-मन निरोग रह सके। बच्चों के शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक एवं बौद्धिक विकास के लिए योग अत्यंत लाभकारी है। योग का सभी को निरंतर अभ्यास करना चाहिए। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश योग भारती के संस्थापक श्री निवास मूर्ति ने कहा कि लोगों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए योग जरूरी है। यह विज्ञान है जिसमे हम निःशुल्क ही अपने आप को स्वस्थ रख सकते है। योग भारती मे अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना चाहिए। इस कार्यकम मे बच्चों, वृद्धों और जवानों ने बढ-चढ़ कर भाग लिया। संस्था के महासचिव अनिल बाल्याण ने कहा कि आज महर्षि दयानंद सरस्वती का 139 वाँ निर्वाण दिवस है आज अर्थात् दीपावली के दिन ही महर्षि दयानंद ने महा समाधि ली थी। उन्होंने अपने अंतिम समय मे कहा था ईश्वर आपकी इच्छा पूर्ण हो आपने अच्छी लीला की और अंत मे ओ3म् शब्द का जप कर शांत हो गए और महासमाधि मे लीन हो गए। हमे उनकी शिक्षाओ को अपने जीवन मे पालन करना चाहिए। रावत डोंगर ने कार्यक्रम का संचालन किया, कार्यक्रम में डॉ. रवि शास्त्री, आरती, मीनाक्षी, रीतु शर्मा, अंबिका वर्मा, गजराज सिंह यादव, सोहम यादव आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# माहवारी सामान्य प्रक्रिया, जागरुकता की जरुरत- शगुफ्ता परवीन

बिलासपुर/छत्तीसगढ/सुनील चिन्चोलकर/- सक्रिय समाज सेवी संस्था आश्रयनिष्ठा वेलफेयर सोसायटी ने स्कूली बच्चों के लिये अवेयरनेस प्रोग्राम की शुरुआत की। इसके अन्तर्गत पहला कार्यक्रम केन मेमोरियल क्रिश्चियन इंग्लिश मिडियम स्कूल मे आयोजित किया गया। आज के जागरूकता प्रोग्राम का विषय माहवारी (एमसी) पर था। इस कार्यक्रम में पेशे से डाइटीशियन शगुफ्ता परवीन ने बालिकाओं से माहवारी संबंधित विषय पर अपना ज्ञान साझा किया । इसमें कक्षा छठवीं से दसवीं तक की बालिकाओं को माहवारी से संबंधित तथ्यों एवं मिथको मे अंतर समझाते हुए शगुफ्ता परवीन ने बच्चियों को बताया कि महिलाओं में माहवारी एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है, जिसमें बेहतर स्वास्थ्य के लिए और रक्त की कमी को पूरा करने कैसा बेहतर आहार लिया जाए, ताकि भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं ना हो ,साथ ही जानकारी दी गई कि माहवारी के समय किस तरह साफ सफाई का ध्यान रखा जाए ताकि किसी भी प्रकार के संक्रमण से बचजा सके। शगुफ्ता ने कहा कि इंटरनेट के इस दौर में आज भी समाज के कुछ वर्ग माहवारी से संबंधित विषयों पर बच्चियों से खुलकर बात करने को गलत समझते हैं, जिससे बच्चियां सही जानकारी के अभाव में मिथकों पर विश्वास करने लगती हैं। इससे उनके मानसिक और शारीरिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है इसलिए यह आवश्यक है कि समय-समय पर बढ़ती बच्चियों के लिए इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाने चाहिए ताकि समाज में माहवारी को लेकर जो भ्रांतियां फैली हुई है उन्हें दूर किया जा सके।

# अब सीआईएसएफ में सेवानिवृत सैनिकों को मरणोपरांत मिलेगा आखिरी सम्मान, केंद्र सरकार ने लिया संज्ञान

**नई दिल्ली।** रिटायर्ड अर्द्धसैनिको के लिए मरणोपरांत सलामी सम्मान के प्रावधान वास्ते कॉनफैडरेसन महासचिव रणबीर सिंह द्वारा 4 अप्रैल 2021 को लिखी गई चिट्ठी का यशस्वी प्रधानमंत्री जी द्वारा वेलफेयर एंड रिहिबिलेटसन बोर्ड (वार्ब) गृह मंत्रालय को तुरंत संज्ञान लेने व आवश्यक कार्यवाही हेतू आदेश जारी करने को कहा गया है जिसके एवज में माननीय वार्ब चेयरमैन द्वारा सभी फोर्सेस डायरेक्टर जनरल को आखिरी सलामी सम्मान निर्देश जारी किए जाने हेतू कहा गया।

इससे पहले आईटीबीपी, सीआरपीएफ, एसएसबी द्वारा इस संबंध में एसओपी जारी कर दी गई। गौरतलब है कि शुरुआती तौर पर सबसे पहले बीएसएफ के निवर्तमान डीजी श्री राकेश अस्थाना

द्वारा 15 मार्च 2021 को अपने रिटायर्ड सैनिकों को मरणोपरांत आखिरी सलामी सम्मान देने हेतू एसओपी जारी की गई थी। तदोपरान्त 2 नवंबर 2021 को डीजी सीआरपीएफ और अब 4 अक्टूबर 2022 को डीजी सीआईएसएफ द्वारा अपने रिटायर्ड कर्मियों के लिए आखिरी सलामी गार्ड देने हेतू आर्डर जारी कर दिए गए। जयेंद्र सिंह राणा अध्यक्ष के हवाले से बताया गया कि उपर वाला ना करे कि किसी रिटायर्ड सुरक्षा कर्मी का यमराज द्वारा बुलावा आए लेकिन मेरे यार का जनाजा शान से निकले जिसने ताउम्र देश सुरक्षा में बिता दिए। यह हमारे परिवार के सदस्यों, बेटे बेटियों, रिस्तेदारो व वेलफेयर एसोसिएशन प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी बनती है कि किसी भी पुर्व अर्धसैनिक की मृत्यु होने पर अपने विभाग की नजदीकी यूनिट्स/बटालियन हैडक्वार्टर के कंट्रोल रूम या कमांडेंट को समय रहते सुचित किया जाए ताकि सलामी गार्ड समय पर पहुंच कर अपने जांबाज को आखिरी गार्द सम्मान दें सके।

# देश के अंतिम गांव माणा से पीएम मोदी की हुंकार, विपक्षी पार्टियों पर साधा निशाना

**चमोली/उत्तराखंड।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमांत गांव माणा में कनेक्टिविटी परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित किया। बदरीनाथ में उनका रात्रि प्रवास होगा। पीएम मोदी ने माणा गांव में सड़क और हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने आगमन प्लाजा और झीलों के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

प्रधानमंत्री की जनसभा माणा गांव में आर्मी कैंपस के पास आयोजित की गई। जनसभा में 1500 से 2000 लोग जुटे। मुख्य रूप से देश के अंतिम गांव माणा के भोटिया जनजाति के ग्रामीण और स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत जय बदरी विशाल और बाबा केदार के जयकारे के साथ की। उन्होंने नाम न लेते हुए विपक्षि पार्टियों पर निशाना साधा। कहा कि हमारे देश को गुलामी की जंजीरों ने ऐसा जकड़ रखा है कि कुछ लोगों को विकास के कार्यों पर सवाल उठाते हैं। पहले देश में अपनी ही संस्कृति को लेकर हीन भावना थी। लेकिन अब केदारनाथ, बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब, काशी उज्जैन अयोध्या जैसे श्रद्धा के केंद्र अपनी भव्यता को दर्शा रहे हैं। देश में अब गुलामी की मानसिकता को खत्म करने की जरूरत है। कहा कि पहले की सरकारों ने सीमांत के लोगों के सामर्थ्य को उन्हीं के खिलाफ इस्तेमाल किया है। लेकिन आज सीमांत के लोग संतोष में हैं। उन्होंने कहा कि मेरे लिए सीमा पर बसा हर गांव देश का पहला गांव है। सीमा पर बसे लोग देश के सशक्त प्रहरी हैं। पुराने दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मैं पीएम बन गया इसलिए इस गांव को याद कर रहा हूं ऐसा नहीं है। 25 साल पहले भी माणा में मैंने उत्तराखंड भाजपा की कार्य समिती की बैठक बुलाई थी। तब कुछ कार्यकर्ता मुझसे नाराज भी हुए थे कि इतनी दूर क्यों बैठक बुलाई। तब मैंने कहा था जिस दिन उत्तराखंड भाजपा के दिल में माणा गांव के लिए जगह बन जाएगी, उस दिन वहां के लोगों के दिलों में भाजपा की जगह बन जाएगी। कहा कि माणा की धरती से जनता का आभार करता हूं कि हमें सेवा का दोबारा मौका दिया। कहा कि मुझे सौभाग्य मिला कि मैं इन योजनाओं का शिलान्यास कर पाया। कहा कि हेमकुंड रोपवे बनने से तीर्थयात्रियों को सुविधा होगी। यात्री अब यहां से यात्रा का सुखद अनुभव लेकर जा सकेंगे।

वहीं, सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड को 3400 करोड़ रुपये के कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट की सौगात दी है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। पीएम की यह योजनाएं उत्तराखंड के लिए मील का पत्थर साबित होगी। पीएम के मार्गदर्शन में देश हिंदुत्व की तरफ बढ़ रहा है। राम मंदिर निर्माण और महाकाल कॉरिडोर इसका उदाहरण है। सीएम ने कहा कि पीएम ने कहा था कि आने वाला दशक उत्तराखंड का दशक होगा। यह अब सार्थक होता दिख रहा है। प्रदेश में अब तक 45 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री चारधाम यात्रा कर चुके हैं। कांवड़ यात्रा में भी सारे रिकॉर्ड टूट गए। करीब चार करोड़ श्रद्धालुओं ने कांवड यात्रा की। रक्षा क्षेत्र में भी भारत प्रगति कर रहा है। अब हमारे सैनिक हाईटेक हैं।

# राव मोहर सिंह स्कूल में मनाया गया दीपावली उत्सव, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

- दीपावली उत्सव में बच्चों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम पेश कर सबका मनमोहा, पटाखे न चलाने की ली शपथ

**नजफगढ़/नई दिल्ली।** नजफगढ़ के प्रतिष्ठित राव मोहर सिंह स्कूल में दीपावली उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम पेश कर सबका मनमोहा लिया। दीपावली उत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ-साथ बच्चों ने पर्यावरण का संरक्षण का संदेश देते हुए दीवाली पर पटाखें नही चलाने की शपथ भी ली। स्कूल के चेयरमैन प्रदीप राव ने बच्चों द्वारा पेश किये गये रंगारंग कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अभिभावकों को बच्चो में दृढ इच्छाशक्ति जगाने के लिए प्रयास करने चाहिए और उनकी सफलताओं की प्रशंसा करनी चाहिए। इस मौके पर स्कूल की वाईस प्रिंसिपल तरूणा सिंह, एल एन यादव, सुजाता सिंह व कुमारी सोनम भी उपस्थित रही। दीपावली उत्सव की शुरूआत बच्चों द्वारा गाये गये सीता माता के भजन से की गई। इसके बाद विशिष्ट अतिथि एल एन यादव ने दीवाली कब और क्यो मनाई जाती है इस पर अपना विशेष आलेख प्रस्तूत किया। हिंदी अध्यापिका श्रीमती दीपा झा ने मीरा का भजन गाकर सबका मन मोह लिया। उसके बाद प्राइमरी स्कूल की अध्यापिका ने राम के राज्याभिषेक की तैयारी की और राजा दशरथ के स्वर्ग सिधारने का मंच पर नाटक प्रस्तूत किया। उसके बाद कक्षा छठी और आठवीं के छात्र-छात्राओं ने मंच पर श्री राम के लंका पहुंचने और रावण वध का नाटक प्रस्तूत कर अपनी कला से सबका मनमोह लिया।

इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन श्री प्रदीप राव ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों में कभी हार ना मानने की दृढ़ इच्छाशक्ति को विकसित करने के लिए अभिभावकों को प्रयास करना चाहिए तथा उनकी सफलताओं पर खुशी प्रकट करनी चाहिए। उन्होने इस अवसर पर मेधावी छात्रों को भी पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के अंत में इसके सफल आयोजन के लिए विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती अरुणा सिंह ने श्रीमती सुजाता एवं कुमारी सोनम का धन्यवाद किया तथा स्कूल के सभी अध्यापकों व मेहमानों का आभार प्रकट किया।

# सभी धर्मों और गांधी के मूल्यों पर आधारित विश्व शांति सम्मेलन का डा. कर्ण सिंह ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। ऐसे समय में जब दुनिया सबसे बड़े संकट में है, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुएट्रेस द्वारा घोषित किया गया था, एक अनूठा सम्मेलन थाः ÷गांधी एट 150 - विश्व शांति के लिए सार्वभौमिक मूल्यों का जीवन बढ़ाना÷ आयोजित किया गया। इस विश्व शांति सम्मेलन का डा. कर्ण सिंह ने उद्घाटन किया। मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, कनाडा के प्रो. रमा शंकर सिंह के सहयोग से टेम्पल ऑफ अंडरस्टैंडिंग इंडिया फाउंडेशन द्वारा; विश्व युवा केंद्र में दारा शिकोह सेंटर फॉर द आर्ट्स और राम जानकी संस्थान के सहयोग से आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ.

कर्ण सिंह, दार्शनिक-राजनेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन सदर-ए-रियासत ने कई धार्मिक गणमान्य व्यक्तियों और गांधीवादियों की उपस्थिति में किया। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. सिंह ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए पोस्टर पर ध्यान केंद्रित किया जिसका शीर्षक थाः ÷लाइट अप द वर्ल्ड विद योर वैल्यूज÷ और एक स्कार्फ जिसने गांधीवादी आदर्शों को प्रस्तुत कियाः महात्मा गांधी, कस्तूरबा की छवियों के साथ सत्याग्रह, सर्वोदय, सत्य और अहिंसा। मार्टिन लूथर किंग जूनियर और नेल्सन मंडेला। इन दोनों स्मृति चिन्हों को प्रत्येक अध्यक्ष और सम्मेलन में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को उपहार में दिया गया।

दुनिया के सभी प्रमुख धर्मों के प्रतीकों के आसपास- बहाई धर्म, हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, यहूदी धर्म, ईसाई धर्म, इस्लाम, सिख धर्म, ताओवाद, शिंटोवाद और पारसी धर्म--पोस्टर ने समानता, विविधता, स्वतंत्रता, कर्तव्य, करुणा, निःस्वार्थ सेवा, क्षमा, सुलह, न्याय, लोकतंत्र, लैंगिक समानता, मानवाधिकार, के मूल्यों पर प्रकाश डाला। विश्व शांति को बढ़ावा देने के लिए सभी मानवता से इन्हें आत्मसात करने का आग्रह किया। डॉ. कर्ण सिंह के शानदार प्रदर्शन के बाद, वक्ताओं में से प्रत्येक ने अपने दृष्टिकोण को साझा किया कि कैसे इन मूल्यों का अभ्यास किया जा रहा है और इन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न पहलू बनाने की आवश्यकता है। प्रतिभागियों को जलवायु संकट पर एक पोस्टर भी प्रस्तुत किया गया और अपनी व्यक्तिगत प्रतिज्ञाओं को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया।

सिक्किम के पूर्व राज्यपाल श्री बाल्मीकि प्रसाद सिंह द्वारा संचालित दोपहर के भोजन के बाद के विचार-विमर्श को बच्चों द्वारा लघु सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शामिल किया गया था जो अनिश्चित मानव स्थिति को दर्शाते हैं और गांधीवादी मूल्य वर्तमान समाज के लिए इतने प्रासंगिक क्यों हैं। सत्याग्रह, अहिंसा और आत्म-परीक्षा के सुकराती नैतिक विचार पर आधारित गांधीजी का आजमाया और परखा हुआ नैतिक दृष्टिकोण, न केवल आशा प्रदान करता है, बल्कि समकालीन दुनिया के विभिन्न दोषों के लिए एक व्यावहारिक विकल्प प्रदान करता है। गांधीजी के मूल्यों को अपनाने और संस्कृतियों और सीमाओं के पार काम करने से सभी के लिए एक बेहतर, अधिक शांतिपूर्ण भविष्य की आशा है, यह इस सम्मेलन की सामूहिक अपील है।

# गिफ्ट केस में पूर्व पीएम इमरान खान 5 साल के लिए अयोग्य घोषित

**इस्लामाबाद।** तोशखाना (गिफ्ट) केस में पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री इमरान खान को 5 साल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। आयोग ने कहा कि इमरान की संसद सदस्यता भी रद्द हो गई है। इस फैसले के बाद इमरान अगले 5 साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इमरान के खिलाफ फैसला आने के बाद इमरान के समर्थकों ने पाकिस्तान म्ब् के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया।

पाकिस्तान के मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान रजा की अध्यक्षता वाली 4 सदस्यों की बेंच ने इमरान के खिलाफ यह फैसला सुनाया। प्रधानमंत्री रहने के दौरान इमरान खान पर विपक्ष के सांसदों ने चुनाव आयोग में मामले की शिकायत की थी। इमरान पर आरोप था कि उन्होंने तोशखाना में जमा गिफ्ट्स को सस्ते में खरीदा और ज्यादा दामों में बेच दिया।

चुनाव आयोग के सामने सत्ताधारी पाकिस्तानी डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने तोशखाना गिफ्ट मामला उठाया था। कहा था कि इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था। इमरान ने चुनाव आयोग को बताया था कि उन्होंने तोशखाने से इन सभी गिफ्ट्स को 2.15 करोड़ रुपए में खरीदा था। इन्हें बेचकर उन्हें करीब 5.8 करोड़ रुपए मिले थे। जिन तोहफों को इमरान ने बेचा था उनमें एक बेशकीमती घड़ी, कफलिंक का एक जोड़ा, एक महंगा पेन, एक अंगूठी और चार रोलेक्स वॉच शामिल थीं। पाकिस्तान की मशहूर पत्रकार आलिया शाह के मुताबिक- पाकिस्तान में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या दूसरे पद पर रहने वालों को लोगों मिले तोहफों की जानकारी नेशनल आर्काइव को देनी होती है। इन्हें तोशाखाना में जमा कराना होता है। अगर तोहफा 10 हजार पाकिस्तानी रुपए की कीमत वाला होता है तो बिना कोई पैसा चुकाए इसे संबंधित व्यक्ति रख सकता है। 10 हजार से ज्यादा है तो 20 फीसदी कीमत देकर गिफ्ट अपने पास रखा जा सकता है। अगर 4 लाख से ज्यादा का गिफ्ट है तो इसे सिर्फ वजीर-ए-आजम (प्रधानमंत्री) या सदर-ए-रियासत (राष्ट्रपति) ही खरीद सकता है। अगर कोई नहीं खरीदता तो नीलामी होगी।

**फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देगी इमरान की पार्टी**

इमरान सरकार में मंत्री रहे फवाद चौधरी ने कहा है कि उनकी पार्टी च्ज्प् चुनाव आयोग के इस फैसले का विरोध करेगी। और इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेगी। पाकिस्तान में तोशखाना 1974 में बना था। यह ऐसा विभाग है

# दो साल बाद वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में दौड़ें बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावक, जीते पुरस्कार

**नई दिल्ली।** जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में एयरटेल हाफ मैराथन से वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन हुई दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ में पूरे दो साल बाद बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 80 धावकों ने हिस्सा लिया। बता दें कि कोविड 19 महामारी के कारण 2020 व 21 में दिल्ली हाफ मैराथन का आयोजन नहीं किया गया था। ग्रुप के कोच व धावक दीपक छिल्लर ने बताया कि दिल्ली में रविवार को जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन का 17वां आयोजन किया गया, जिसमें हाफ मैराथन, ओपन 10 किमी, ग्रेट दिल्ली रन (5 किलोमीटर), सीनियर सिटीजन रन (तीन किलोमीटर) और द चैंपियन विद द डिसेबिलिटी (तीन किमी) स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इथियोपिया के चाला रेगासा और कीनिया की इरिन चेप्टाई ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की दौड़ जीती। भारतीयों में स्टीपल चेज के एथलीट अविनाश साबले ने और कार्तिक कुमार ने पहले दो स्थान हासिल किए। बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप से 10 किमी में सिकंदर लांबा ने चौथा स्थान, राकेश डबास ने छठा स्थान, प्रवीन सांगवान ने 9वां स्थान हासिल किया। मुकेश कुमार दहिया ने 21 किमी में पांचवां स्थान हासिल किया। इसके साथ शक्ति राणा, बिजय सिह, हितेश अहलावत, सूरज राणा, भारत शर्मा, नरेंद्र राम, गुलाब सिंह, धर्मवीर, सुरेंद्र दलाल, सुदेश तोमर, नीरज डबास, कौशल शर्मा, शालू, उरेरी, नील, संदीप, सुभाष यादव, किशोर, राहुल ने दौड़ पूरी कर बेहतर प्रदर्शन किया।

# दीपोत्सव में जगमगाती जिंदगी

**-डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका)**

करे कर्मो का अनूठा दीप प्रज्वलन, तम रूपी दनुज का उन्मूलन

दीपक का मयूख प्रतीक है आस, सूक्ष्म तरणि का अनुपम विश्वास।।

भारतीय संस्कृति की अलौकिक सुंदरता भी विचारणीय है। पूरे वर्ष त्यौहारों का अनवरत क्रम दिखाई देता है। प्रत्येक त्यौहार कुछ नवीन शिक्षा एवं जीवन को नए उल्लास के रंग से जोड़ता है। निराशा और अवसाद से दूर हर समय अनवरत प्रगति की ओर बढ़ने का संदेश देता है। दीपोत्सव हमनें प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन के उपलक्ष्य में मनाया था। जब भगवान विष्णु ने श्रीराम रूप में अवतार लिया तब सम्पूर्ण जीवन मात्र संघर्ष की अनवरत यात्रा की। अनेकों विषाद ने श्रीराम के जीवन का घेराव किया, परंतु श्रीराम ने सहजता से प्रत्येक संघर्ष को स्वीकार कर शिक्षाओं के अनेक क्रम अपने अवतार में जोड़े। कहा जाता है कि राम नाम स्वयं कल्पवृक्ष के समान है। प्रभु श्रीराम के आगमन की खुशी में हम दीपोत्सव मनाते है और राम नाम की आध्यात्मिक पूँजी भी बढ़ाते है।

हर्ष विषाद चित्त के विकल्प,

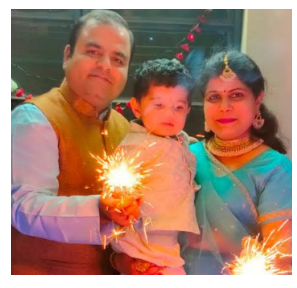

कौशल्यानंदन विजयपथ के संकल्प।

भूपति राघव आत्मीक शौर्य के प्रतीक, मर्यादापूर्ण शील के रूपक।।

अर्थ के बिना जीवनयापन संभव नहीं है, इसीलिए सृष्टि के पालनहार श्रीहरि विष्णु के साथ सदैव धन की देवी माँ लक्ष्मी रहती है। यही अर्थ की देवी सदैव श्रीहरि नारायण की सेवा में उनके चरण दबाती दिखाई देती है, क्योंकि श्रीहरि विष्णु सदैव धर्म की रक्षा करते है और माता भी बिना भेदभाव के सब पर अपनी कृपा बरसाती है। विष्णु प्रिया लक्ष्मी के आगमन को आतुर भक्त कुछ समय पूर्व से ही उनके स्वागत की तैयारियाँ प्रारम्भ कर देते है। उत्सव में रंगा हुआ परिवार माँ के आगमन पर श्रेष्ठ से श्रेष्ठ करने के लिए प्रयासरत रहता है।

भारतीय संस्कृति का वैशिष्ट्य, उत्सव का हृदयगम प्राकट्य।

अल्पना के विपुल बहिरंग, इहलोक में हरिवल्लभा के आविर्भाव के संग।।

दीपावली का पर्व हमें जीवन में प्रकाश की कीमत समझाता है। दीपावली में अमीर व्यक्ति घी के दीप, रंग-बिरंगी लाइट और केंडल्स प्रज्वलित करता है, वहीं गरीब वर्ग आशा के दीप को जीवन में जलाता है। हर बार अपने अथक परिश्रम से जीवन में तम का विनाश करने की ओर अग्रसर होता है। दीपोत्सव हमें दीपक की तरह हमेशा देदीप्यमान और प्रकाशवान देने की प्रेरणा देता है। नन्हा सा प्रकाश भी कैसे अंधकार का विनाश कर सकता है, यह हमें दीप की ज्योति सिखाती है। दीपक अपना स्वभाव किसी भी परिस्थिति में नहीं बदलता। वह स्वयं अस्तित्व समाप्त कर भी दूसरों के जीवन को प्रकाशवान बनाता है।

दीपक का मयूख प्रतीक है आस, सूक्ष्म तरणि का अनुपम विश्वास।

आस्था का प्रकाशवान,आनंदमय पर्व, आदरयुक्त मंगलभावना उत्तरोत्तर विकास के संग।।

प्रकाश के छोटे-छोटे रूप भी सृष्टि की सुंदरता को और भी बढ़ा देते है।

## गांधी एट 150 - विश्व शांति के लिए सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ाने वाला जीवन पर दिल्ली में सम्मेलन

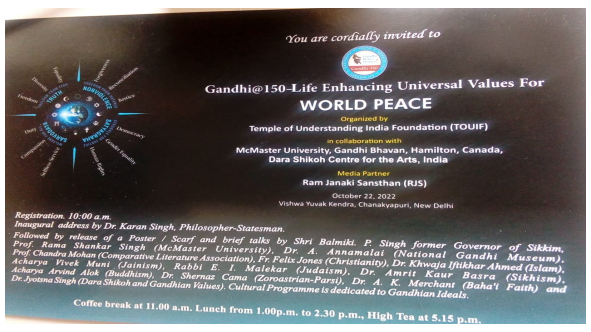


**नई दिल्ली।** (आरजेएस पॉजिटिव मीडिया) एक सम्मेलन थीम- ÷गांधी एट 150 - विश्व शांति के लिए सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ाने वाला जीवन विषय पर टेंपल ऑफ अंडरस्टैंडिंग इंडिया फाउंडेशन द्वारा गांधी भवन, मैकमास्टर विश्वविद्यालय, हैमिल्टन, कनाडा के सहयोग से किया जा रहा है।

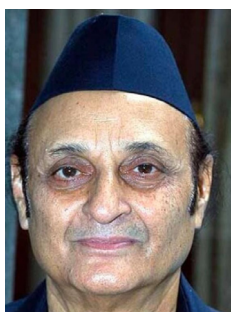

नई दिल्ली के चाणक्यपुरी, विश्व युवक केंद्र में शनिवार 22 अक्टूबर 2022 को आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन में दारा शिकोह सेंटर फॉर द आर्ट्स और राम जानकी संस्थान (आरजेएस) पार्टनर हैं। सम्मेलन का उद्घाटन माननीय डॉ कर्ण सिंह, दार्शनिक-स्टेट्समैन, पूर्व केंद्रीय मंत्री और जम्मू और कश्मीर के पूर्व सदर-ए-रियासत द्वारा किया जाएगा, माननीय डा. कर्ण सिंह अपने उद्घाटन भाषण के अंत में एक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए पोस्टर और दुपट्टे को जारी करेंगे। इन दोनों स्मृति चिन्हों की एक प्रतिकृति प्रतिभागियों और प्रतिष्ठित विद्वानों में से प्रत्येक को प्रस्तुत की जाएगी। विचार-विमर्श का ध्यान एक ऐसी दुनिया में अनिश्चित मानवीय स्थिति पर होगा जो गंभीर राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिक संकटों से ग्रस्त है। देश-दुनिया में बढ़ रही नकारात्मकता पर खत्म करने के लिए महात्मा गांधी के विचारों के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा। क्या नकारात्मकता के निवारण का कोई मौका है? सत्याग्रह, अहिंसा और आत्म-परीक्षा के नैतिक विचार पर आधारित गांधीजी ने कोशिश की और परीक्षण किया उनका नैतिक दृष्टिकोण, बहुत आशा प्रदान करता है। विभिन्न धार्मिक समुदायों के साथ-साथ गांधीवादी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता वर्तमान चुनौतियों का समाधान करेंगे और पूरी दुनिया से बापू के आदर्शों की ओर रुख करेंगे, संकल्प लेंगे। उनका जीवन और सेवाएं समकालीन दुनिया के विभिन्न तरीकों से विकल्प प्रदान करती हैं। गांधीजी के मूल्यों को अपनाने और संस्कृतियों और सीमाओं के पार काम करने से सभी के लिए बेहतर और अधिक शांतिपूर्ण भविष्य की उम्मीद है।

## उत्तर प्रदेश में बिना मान्यता के चल रहे 7189 मदरसे; सर्वे से हुआ खुलासा

**लखनऊ/यूपी।** उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद जावेद ने गुरुवार को कहा कि एक राज्यव्यापी सर्वेक्षण में कहा है कि राज्य में बिना मान्यता के 7189 चल रहे हैं। इन मदरसों से 16 लाख से अधिक छात्रों को शिक्षित किया गया है। जावेद ने यह भी कहा कि इन मदरसों में लगभग 3000 शिक्षक और अन्य कर्मचारी हैं। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के अनुसार, राज्य में लगभग 16,513 मान्यता प्राप्त मदरसे हैं। इनमें से 560 उत्तर प्रदेश सरकार से अनुदान प्राप्त कर रहे हैं। मान्यता प्राप्त मदरसों में 20 लाख से अधिक बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में बिना मान्यता के चल रहे मदरसों की पहचान करने और उनके धन, आय के स्रोत, उन्हें चलाने वाले संगठनों और उनके पाठ्यक्रम के बारे में विवरण इकट्ठा करने के लिए 10 सितंबर को सर्वेक्षण शुरू हुआ था। जावेद ने कहा, ''बिना मान्यता वाले मदरसों की संख्या संख्या बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि जानकारी अभी भी आ रही है। अगले कुछ दिनों तक बहराइच और गोंडा के बाढ़ प्रभावित इलाकों में सर्वेक्षण जारी रहने की उम्मीद है। उन क्षेत्रों के कर्मचारियों ने सर्वेक्षण पूरा करने के लिए कुछ और समय मांगा है।''

**'इन मदरसों को दी जाएगी मान्यता'**

सर्वेक्षण के परिणामों का विश्लेषण 15 नवंबर तक किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हमारी कोशिश होगी कि इन 7189 मदरसों को जल्द से जल्द मान्यता दी जाए। हम करीब 16 लाख छात्रों का भविष्य सुरक्षित करना चाहते हैं। हम नहीं चाहते कि इन मदरसों के छात्र छोटे-मोटे काम करें। हम छात्रों को मुख्यधारा में लाना चाहते हैं।

**सिस्टम को साफ करने की तैयारी**

उन्होंने कहा, सर्वेक्षण के बाद हम सिस्टम को साफ करने जा रहे हैं और अपने मदरसा के छात्रों को मुख्यधारा के छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा, ''सर्वे के बाद गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को मान्यता देना आसान होगा। अब तक राज्य सरकार को राज्य में संचालित गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।''

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, गोरखपुर में बिना मान्यता प्राप्त 140 मदरसों में 10,000 से अधिक छात्र पढ़ते पाए गए। इन संस्थानों में 300 से अधिक शिक्षक और कर्मचारी हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आशुतोष पांडे ने कहा कि इनपुट प्राप्त हो रहे हैं और जल्द ही एक विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाएगी।

## अब अमेरिका में भी दिवाली पर होगी स्कूलों में छुट्टी

**न्यूयॉर्क/अमेरिका/-** अगले साल यानी 2023 से न्यूयॉर्क सिटी पब्लिक स्कूल में दिवाली की छुट्टी होगी। मेयर एरिक एडम्स ने गुरुवार को इसकी घोषणा की है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क असेंबली के सदस्य जेनिफर राजकुमार के साथ एडम्स ने दिवाली और न्यूयॉर्क सिटी स्कूल के चांसलर डेविड बैंक्स को मान्यता देने के लिए कानून पेश किया था। राजकुमार ने कहा, ÷हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन धर्मों के 200,000 से अधिक न्यू यॉर्कर को पहचानने का समय आ गया है, जो रोशनी का त्योहार दिवाली मनाते हैं। एक अन्य सदस्य ने कहा, लोगों ने कहा है कि न्यूयॉर्क शहर के स्कूल कैलेंडर में दिवाली स्कूल की छुट्टी के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। कानून के जरिए यह जगह बनता है। राजकुमार ने आगे कहा कि नए स्कूल शेड्यूल में अभी भी 180 दिन होंगे। सम्मेलन के दौरान, एडम्स ने इस निर्णय को हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध समुदायों के लिए एक लंबे इंतजार की समाप्ती करार दिया।

# स्वच्छता अभियान में जन जन की भागीदारी जरूरी- अंजली चौधरी

**नजफगढ़/नई दिल्ली।** नेहरू युवा केंद्र संगठन, दिल्ली युवा एवम् खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने हर साल की तरह इस बार भी जिला में स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर एनवाईके की जिला युवा अधिकारी अंजली चौधरी ने कहा कि नेहरू युवा केंद्र द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान में जन-जन की भागीदारी जरूरी हो तभी हम अपने मकसद में कामयाब हो पायेंगे।

इस संबंध में सुश्री अंजली चौधरी ने बताया कि हर वर्ष अक्टूबर माह में एनवाईके द्वारा स्वच्छता अभभयान चलाया जाता है। इस वर्ष भी नेहरू युवा केंद्र, ज़िला दक्षिण-पश्चिम द्वारा क्लीन इंडिया 2.0 के अंतर्गत स्वच्छता अभभयान चलाया जा रहा है। जिसमें ज़िला दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के राष्ट्रीय स्वयं सेवकों द्वारा यूथ क्लब और एन.जी.ओ के साथ मिलकर पूरे ज़िले में स्वच्छता की गतिविधि करवाई जा रही है। इस अभियान में ज़िला प्रशासन द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र में स्वच्छता की गतिविधि के लिए विभिन्न विभागों को आदेश दिया गया है। सभी विभाग इस अभ्भियान को सफल बनाने में नेहरू युवा केंद्र जिला दक्षिण-पश्चिम दिल्ली की सहायता करें। इस अभियान को 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2022 तक चलाया जाना है। जिसमें नेहरू युवा केंद्र, ज़िला दक्षिण-पश्चिम दिल्ली की टीम द्वारा 1 अक्टूबर 2022 को स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया गया था। जिसमें 180 किग्रा कूडा को एकत्रित करके पास वाले कूडा घर में निस्तारण किया गया।

ज़िला दक्षिण-पश्चिम दिल्ली द्वारा स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, रेलवे स्टेशन, पुलिस स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर से अब तक लगभग 104,19 किग्रा कूडा उठाया गया और निस्तारण किया गया। जिसमें लगभग 3374 युवाओं की भागीदारी रही और इस अभियान को पूरे माह में स्वच्छता अभियान को चलाया जाना है। साथ में सभी युवाओं को स्वच्छता अभियान के बारे में भी जागरूक करना है। इसी कडी में आज एक मेगा स्वच्छता अभियान भी किया गया जिसमें श्री अनुराग ठाकुर जी माननीय मंत्री युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने भाग लिया और बताया गया की देश भर में आज तक क़रीब एक लाख किलो सिगंल यूज प्लास्टिक को एकत्रित किया और उसका निस्तारण किया गया। आज उन्होंने चांदनी चौक में स्वयं और नेहरू युवा केंद्र संगठन, दिल्ली, एन.एस.एस और एन.सी.सी के साथ मिलकर सफाई अभियान चलाया। आज नेहरू युवा केंद्र, ज़िला दक्षिण-पश्चिम दिल्ली ने मेगा स्वच्छता अभियान के तहत सभी युवा मंडल, युवती मंडल, शिक्षा विभाग, दिल्ली पुलिस और ज़िला प्रशासन के साथ मिलकर क़रीब 4500 किग्रा कचरा उठाकर उसका निष्पादन किया।

## यूके में क्या ऋषि सुनक के सिर सजेगा पीएम का ताज?

**नई दिल्ली ।** ब्रिटेन में 44 दिन पहले प्रधानमंत्री बनीं लिज ट्रस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के बाद एक बार फिर सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी के समक्ष अगले पीएम के रूप में बड़ी चुनौती सामने आ गई है। एक कार्यकाल में ही दो पीएम का इस्तीफा कंजर्वेटिव पार्टी के लिए जनता के सामने अच्छा संकेत नहीं है। ऊपर से जनमत सर्वेक्षण में विपक्षी लेबर पार्टी के पक्ष में लोगों का रुझान और परेशानी पैदा करने वाला है। खैर लिज ट्रस के इस्तीफे के बाद एक बार फिर ब्रिटेन के अगले पीएम के लिए ऋषि सुनक का नाम सामने आ रहा है। लेकिन साथ ही बोरिस जॉनसन के नाम ने इस मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। विदेशी अखबारों का दावा है कि बोरिस भीतरखाने सांसदों को भरोसे में लेने की कोशिश कर रहे हैं।

55 दिनों की जटिल चुनावी प्रक्रिया के बाद लिज ट्रस के सिर ब्रिटेन के पीएम का ताज सजा था लेकिन, महज 44 दिन में ही उनकी सरकार गिर गई। ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने इस्तीफा देकर लिज ट्रस के नेतृत्व को नकारा और कामकाज के तरीकों पर सवाल उठाए। लिज ट्रस ने अपने भाषण में कहा कि जिस उद्देश्य के लिए उनका चुनाव हुआ था उसे वो पूरा नहीं कर सकेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिस वक्त उनका इस पद के लिए चयन हुआ वो आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अस्थिरता का दौर÷ था। अब सबसे बड़ा सवाल है आगे क्या होगा?

**भयंकर महंगाई झेल रहे ब्रिटेनवासी**

ब्रिटेन इस वक्त भयंकर महंगाई की मार झेल रहा है। लोगों के लिए दो वक्त की रोटी का जुगाड़ करना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसी रिपोर्ट है कि देश की करीब आधी आबादी अपने खाने को लेकर कटौती कर रही है। ब्रिटेनवासियों के अलावा मुख्य पार्टी कंजर्वेटिव के लिए भी यह बड़ा चुनौतीपूर्ण वक्त है।

**ऋषि सुनक के पास कितना मौका**

लिज ट्रस के बाद आम राय यही है कि उनकी जगह ऋषि सुनक को मिलेगी लेकिन, ज्यादातर जानकार यह भी कह रहे हैं कि इस वक्त ब्रिटेन न सिर्फ आर्थिक मंदी झेल रहा है बल्कि कंजर्वेटिव पार्टी के समक्ष खुद को साबित करने की चुनौती है इसलिए, संभावना है कि बोरिस जॉनसन की वापसी हो सकती है।

## पाकिस्तान में हिंदू लड़की का जबरन धर्मांतरण, अदालत ने सुरक्षित घर में भेजा

**हैदराबाद/ पाकिस्तान।** पाकिस्तान में हिंदू लड़की का जबरन धर्मांतरण का एक और मामला सामने आया है। इस मामले में एक मुस्लिम शख्स ही कोर्ट पहुंच गया था जिसके बाद अदालत ने लड़की को एक सुरक्षित घर में भेज दिया है। पाकिस्तान के हैदराबाद शहर में दो महीने पहले जिस हिंदू लड़की का कथित रूप से दिनदहाड़े अपहरण कर जबरन इस्लाम में धर्मांतरण कराया गया था और एक मुस्लिम व्यक्ति से जिसकी शादी कराई गई थी, उसे गुरुवार को एक अदालत ने एक सुरक्षित घर में भेज दिया। अदालत ने शुरू में लड़की को उसके माता-पिता के साथ जाने की अनुमति नहीं दी थी और उसके पति के वकील द्वारा पेश किए गए विवाह प्रमाण पत्र को स्वीकार कर लिया था, लेकिन अदालत के फैसले के बाद लड़की के रोने और अपनी मां से लिपटे होने के वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद न्यायाधीश ने आदेश दिया कि उसे सुरक्षित घर में भेज दिया जाए और वह अपने माता-पिता से मिल सकती है। अदालत ने आदेश दिया कि उसकी मेडिकल जांच भी कराई जानी चाहिए। अपनी बड़ी बहन के साथ एक कारखाने में काम करने वाली लड़की 12 अगस्त को अपने घर लौट रही थी तभी चार लोगों ने हैदराबाद के फतेह चौक से उसका कथित रूप से अपहरण कर लिया। लड़की के माता-पिता और उनके वकील के अनुसार लड़की का जबरन इस्लाम में धर्मांतरण किया गया और एक अपहर्ता से उसकी शादी करा दी गई। पाकिस्तान हिंदू लड़की के धर्मांतरण का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई मामले सामने आ चुके हैं।

## शिवराज पाटिल ने कांग्रेस को मुश्किल में धकेला, गीता में भगवान कृष्ण के संदेश को बताया जिहाद

**नई दिल्ली।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिवराज पाटिल लंबे समय बाद चर्चा में आए हैं, लेकिन आते ही उन्होने कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम में कह दिया कि गीता में भी भगवान कृष्ण ने अर्जुन को जिहाद की सीख दी थी। इसको लेकर भाजपा हमलावर हो गई है और कांग्रेस को हिंदू विरोधी बताते हुए जवाब मांग रही है। ऐसे समय में जब राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर हैं और मंदिरों में भी जा रहे हैं, तब इस तरह का विवाद कांग्रेस के लिए नई मुश्किलें पैदा करने वाला है। हालांकि इसके बाद शिवराज पाटिल ने इसे लेकर अपनी सफाई भी और

सफाई देते समय मीडिया पर भड़क उठे। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पीएम नरेंद्र मोदी के केदारनाथ दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी अहमियत वे लोग नहीं समझ सकते, जिन्हें गीता में भी जिहाद का संदेश दिखता है। हालांकि इस बीच शिवराज पाटिल ने सफाई देते हुए उलटे मीडिया पर ही भड़क गए। एक पत्रकार से तो उन्होंने कहा कि तुम चुप रहो, तुमसे बात नहीं कर रहा। इसके बाद एक अन्य रिपोर्ट से उन्होंने कहा कि आप लोग जिहाद की बात कर रहे हैं। आप सोचिए कि क्या श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो संदेश दिया है, उसे आप जिहाद कहेंगे? नहीं कहेंगे। यही बात मैं भी कह रहा हूं।

**गीता और बाइबल में भी कही थी जिहाद के संदेश की बात**

गुरुवार को शिवराज पाटिल ने कहा था, 'कहा जाता है कि इस्लाम धर्म के अंदर जिहाद की बहुत चर्चा है। जिहाद की बात तब आ जाती है

## खेरसान में पिछड़ रही रूसी सेना, पुतिन कर रहे बड़ी तबाही का प्लॉन तैयार

**कीव/यूक्रेन।** कीव ने रूस पर पूर्वी खेरसॉन क्षेत्र को तबाह करने के लिए एक जलविद्युत बांध पर लैंडमाइन बिछाई है। यूक्रेन का कहना है कि उसके सैनिक यहां लगातार आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में रूस यहां बहुत बड़ा नुकसान करने की योजना बना रहा है। रूसी सैनिक इतना ज्यादा बारूद का इस्तेमाल कर रहे हैं कि इससे खेरसॉन को बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है। यूक्रेन का आरोप है कि यहां हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट को भी उड़ाने की प्लानिंग है। जिससे आगे ऊर्जा संकट पैदा हो सकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेना ने काखोवका हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट को उड़ाने के इरादे से खनन किया था, जो ÷बड़े पैमाने पर तबाही÷ का कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि दक्षिण में पानी की

आपूर्ति में कटौती यूरोप के सबसे बड़े जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र की शीतलन प्रणाली को भी प्रभावित कर सकती है।

**यूक्रेनी सैनिकों को रोकना है मकसद**

जेलेंस्की के सलाहकार मायखाइलो पोडोलीक के अनुसार, रूस का लक्ष्य खेरसॉन क्षेत्र में यूक्रेनी सेना को रोकना और रूसी सैनिकों की रक्षा करना है। ऐहतियातन यूक्रेन के शहरों में गुरुवार को सर्दियों से पहले बिजली की खपत पर अंकुश लगाना शुरू किया गया क्योंकि अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूसी हमलों से देश की ऊर्जा ग्रिड को भारी नुकसान हो सकता है, जिससे देश में ऊर्जा संकट पैदा हो सकता है।

अधिकारियों के अनुसार, रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद एक सप्ताह में देश के कम से कम 30 प्रतिशत बिजली स्टेशनों को नष्ट करने के बाद पूरे देश में ऊर्जा-बचत के उपाय किए गए हैं।

## नेपाल की नागरिक बनकर भारत में रह रही थी चीनी जासूस, जांच में चौंकाने वाला खुलासा

**नई दिल्ली।** भारत विरोधी गतिविधियों में कथित रूप से शामिल एक 50 वर्षीय चीनी महिला को पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में गिरफ्तार किया है। वह चीन की जासूस के रूप में नेपाल की नागरिक बन भारत में पिछले करीब तीन साल से रह रही थी। गुरुवार को दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, काई रूओ नाम की महिला 2019 से 'बौद्ध भिक्षु' बनकर भारत में रह रही थी। पुलिस को उस पर चीनी जासूस होने का संदेह है।

दिल्ली पुलिस के हवाले से बताया गया कि काई रूओ नाम की एक चीनी महिला को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से डोलमा लामा के नाम का एक नेपाली नागरिकता प्रमाण पत्र बरामद हुआ है। हालांकि, यह पाया गया कि वह चीनी नागरिक है। उसने 2019 में चीनी पासपोर्ट का इस्तेमाल करते हुए भारत की यात्रा की थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसने चीनी महिला काई रूओ के खिलाफ राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के चलते पीएस स्पेशल सेल में धारा 120 बी के साथ 419/420/467/474 आईपीसी और 14 फॉरेनर्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

**ऐसे किया पुलिस को गुमराह**

मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि काई रूओ एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित और शातिर महिला है। महिला ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उसने कहा है कि चीनी कम्युनिस्ट नेता उसे मारना चाहते थे और इसलिए, वह भारत भाग आई। वह भारत में नेपाली नागरिक डोला लामा बनकर रह रही थी। महिला ने पहले दावा किया कि वह नेपाल के काठमांडू की निवासी है। उसने एक नेपाली पहचान पत्र भी पेश किया। हालांकि वह पुलिस से फर्राटेदार अंग्रेजी में तो बात कर रही थी लेकिन उसे नेपाली भाषा नहीं आती थी। कहा जा रहा है कि यहीं से पुलिस को शक हुआ और जांच के बाद पूरा मामला सामने आया है।

पुलिस को यह भी पता चला कि वह फर्राटेदार चीनी भाषा बोलती है। बाद में, क्रॉस-चेकिंग और सत्यापन पर, पुलिस को पता चला कि उसके नाम से एक चीनी पासपोर्ट जारी हुआ था, और वह उसी पासपोर्ट के आधार पर भारत में रह रही थी। 2019 में, उसने भारतीय राज्य पश्चिम बंगाल में रानीगंज सीमा क्षेत्र के माध्यम से नेपाल में प्रवेश किया।

## वादे पूरे ना कर पाने के चलते लिज ट्रस ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया

**लंदन।** ब्रिटेन में अपने वादे पूरे ना कर पाने के चलते प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने पद संभालने के महज 45 दिनों के बाद इस्तीफा दे दिया। सरकार से एक वरिष्ठ मंत्री के इस्तीफे और संसद के निचले सदन में सदस्यों द्वारा जमकर आलोचना के बाद बृहस्पतिवार को ट्रस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। ट्रस अपने भविष्य को लेकर चल रहीं अटकलों के बीच डाउनिंग स्ट्रीट में बयान देकर इस्तीफे की घोषणा की।

अपने पीएम आवास दफ्तर 10 डाउनिंग स्ट्रीट के दरवाजे के बाहर बोलते हुए, ट्रस ने स्वीकार किया कि जब वह कंजर्वेटिव नेता के लिए रेस में थीं, तब उन्होंने जो वादे किए वे पूरा नहीं कर पाईं और उन्होंने अपनी पार्टी का विश्वास खो दिया। उन्होंने कहा, ÷मैं मानती हूं कि मैंने अपने वादे पूरे नही किए। स्थिति को देखते हुए, मैं वह जनादेश नहीं दे सकी जिस पर मुझे कंजर्वेटिव पार्टी द्वारा चुना गया था। इसलिए मैंने महामहिम राजा को संदेश भिजवाया कि मैं कंजर्वेटिव पार्टी

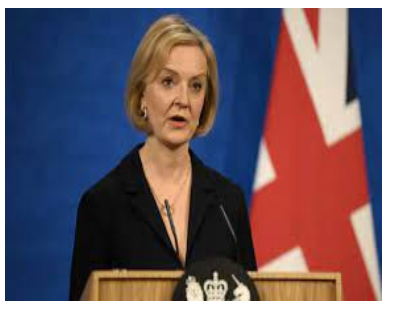

के नेता के रूप में इस्तीफा दे रही हूं।

**ट्रस के नाम अनोखा रिकॉर्ड**

ट्रस के नाम एक अनोखा रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। वे ब्रिटेन की सबसे कम समय तक पीएम रहने वाली शख्स बनी हैं। ट्रस अब ब्रिटेन के इतिहास में सबसे कम समय तक सेवा देने वाली प्रधानमंत्री हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड जॉर्ज कैनिंग के नाम था जिन्होंने 1827 में 119 दिनों की सेवा की थी और इसी दौरान उनकी मृत्यु हो गई थी। हालांकि अब ट्रस को बदलने के लिए अगले सप्ताह के भीतर लीडरशिप इलेक्शन पूरा हो जाएगा। पिछले महीने सरकार ने एक आर्थिक योजना पेश की थी, जिसके असफल होने के कारण आर्थिक उथल-पुथल और राजनीतिक संकट पैदा हो गया। इसके बाद ट्रस को वित्त मंत्री बदलने के अलावा अपनी कई नीतियों को भी उलटना पड़ा था। साथ ही उनके कार्यकाल के दौरान सत्तारूढ़ कन्जरवेटिव पार्टी में अनुशासनहीनता भी देखने को मिली। कन्जरवेटिव पार्टी के कई नेता कह रहे थे कि ट्रस को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। लंबे दबाव के बाद ट्रस ने पद छोड़ दिया। इससे पहले कन्जरवेटिव पार्टी के सांसद साइमन होरे ने कहा था कि सरकार अव्यवस्थित हो गई है। जनमत सर्वेक्षणों में लेबर पार्टी को बड़ी बढ़त मिलती दिखाई दे रही है, जिसके मद्देनजर कन्जरवेटिव पार्टी के कई नेताओं का मानना था कि ट्रस को हटाकर ही कोई उम्मीद की जा सकती है।

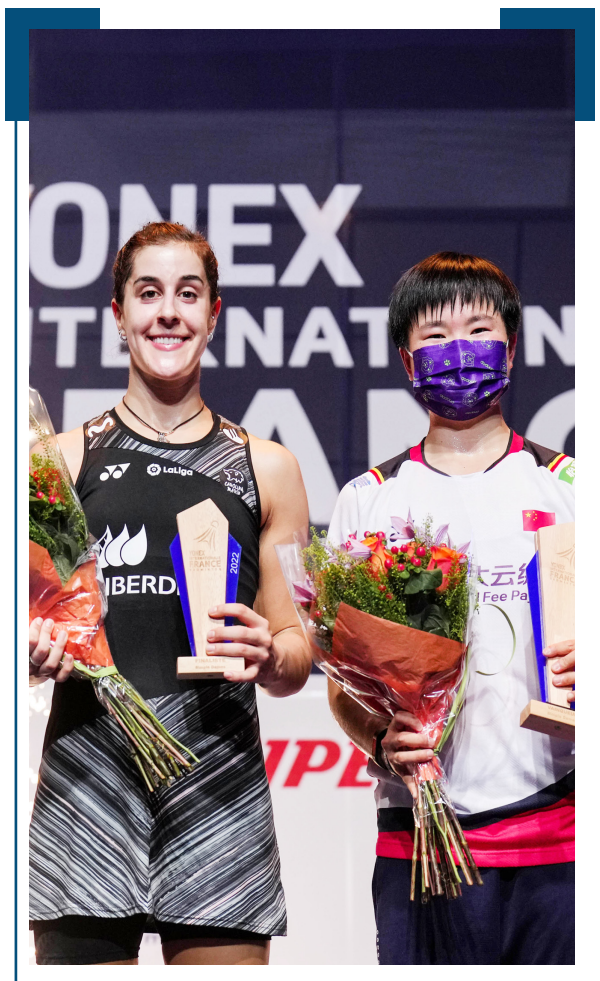

*फ्रेंच ओपन बैडमिंटन 2022 की विजेता चीन की ही बिंगजियाओ और उपविजेता स्पेन की कैरोलीना मारिन अपनी ट्रॉफी के साथ।*

# फिंच का अर्धशतक, आस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 42 रन से हराया

**एजेंसी ■ ब्रिसबेन**

कप्तान आरोन फिंच ने (44 गेंद में 63 रन) अर्धशतक जड़कर फॉर्म में वापसी की जिससे गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने सोमवार को यहां आयरलैंड पर 42 रन की जीत से टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदें जीवंत रखीं। इस जीत से आस्ट्रेलिया के चार मैच में पांच अंक हो गए हैं। टीम ग्रुप एक में इंग्लैंड से ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंचने से सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई है। न्यूजीलैंड के भी इतने ही अंक हैं जो ग्रुप एक में बेहतर रन रेट से शीर्ष पर कायम है। लेकिन आस्ट्रेलिया का रन रेट (-0.304) अब भी नेगेटिव है और उसने अपनी एशेज प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड की तुलना में एक मैच ज्यादा खेला है जिसका रन रेट 0.239 है। आस्ट्रेलियाई टीम अब अपने अंतिम ग्रुप मैच में शुक्रवार को एडीलेड में अफगानिस्तान से भिड़ेगी। फिंच के अर्धशतक से आस्ट्रेलिया ने धीमी शुरूआत से उबरते हुए पांच विकेट पर 179 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। दो बार की चैम्पियन वेस्टइंडीज को टूर्नामेंट से बाहर करने वाली और सुपर 12 चरण में इंग्लैंड को हराकर उलटफेर करने वाली आयरलैंड की टीम 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया के

तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने पस्त हो गई और 18.1 ओवर में 137 रन पर सिमट गई। मौजूदा चैम्पियन ने चार ओवर के अंदर आयरलैंड की आधी टीम को पवेलियन भेज दिया था। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने आयरलैंड के लिए एकमात्र विकेटकीपर बल्लेबाज लोकरान टकर (48 गेंद में नाबाद 71 रन) डटे रहे जिन्होंने अंत तक उम्मीद बनाए रखी। पर दूसरे छोर पर उन्हें कोई सहयोग नहीं मिला और रन गति बढ़ती रही। 19वें ओवर में जोश लिटिल के आउट होने से आयरलैंड की पारी खत्म हुई जिससे टकर 71 रन बनाकर नाबाद रहे। तेज गेंदबाजी के अगुआ पैट कमिंस (चार ओवर में 28 रन देकर दो विकेट) ने फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज एंडी बालबिर्नी को आउट किया। फिर ग्लेन मैक्सवेल (14 रन देकर दो विकेट) ने पांच गेंद के अंदर पॉल स्टरलिंग (11) और हैरी टेक्टर (06) के विकेट झटक लिए। फिर मिशेल स्टार्क (चार ओवर में एक मेडन, 43 रन देकर दो विकेट) ने पांच गेंद में कर्टिस कैम्फर और जॉर्ज डॉकरेल को पवेलियन भेज दिया। आयरलैंड ने इस तरह से पावरप्ले में 25 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। पर तीसरे नंबर के बल्लेबाज टकर की बल्लेबाजी से आयरलैंड को वापसी की उम्मीद जगी।

## फिंच के पैर की मांसपेशियों में खिंचाव, स्कैन के लिए जाएंगे

**ब्रिसबेन।** ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच के पैर की मांसपेशियों में सोमवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के दौरान खिंचाव आ गया। फिंच ने इस मुकाबले में अर्धशतक जड़ा जिससे गत चैंपियन टीम ने आयरलैंड को 42 रन से हराया। फिंच ने 44 गेंद में 63 रन की पारी खेली लेकिन अपनी पारी के आखिरी हिस्से के दौरान उन्हें विकेटों के बीच दौड़ लगाते हुए परेशानी में देखा गया। उनकी पारी से ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकट पर 179 रन का स्कोर खड़ा किया। पैंतीस साल के फिंच ने आयरलैंड की पारी के दौरान पूरे समय क्षेत्ररक्षण नहीं किया। आयरलैंड की टीम 18.1 ओवर में 137 रन पर ढेर हो गई। फिंच ने मैच के बाद कहा, कल मैं स्कैन के लिए जाऊंगा, पहले भी मैं इससे (पैर की मांसपेशियों में चोट) परेशान रहा हूं।

## खास ख़बर

### सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता फ्रेंच ओपन पुरुष युगल

**पेरिस।** भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट का पुरुष युगल खिताब अपनी झोली में डाला। भारतीय जोड़ी ने रविवार रात फाइनल में लु चिंग याओ और यांग पो हान की चीनी ताइपे की जोड़ी को सीधे गेम में पराजित किया। भारतीय जोड़ी 2019 चरण में उप विजेता रही थी। दुनिया की आठवें नंबर की इस जोड़ी ने लु और यांग की 25वी रैंकिंग की जोड़ी को 48 मिनट में 21-13 21-19 से हराया। भारतीय जोड़ी का इस साल स्वप्निल प्रदर्शन जारी है जिसमें उन्होंने इंडियन ओपन सुपर 500 खिताब, राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक, थॉमस कप खिताब और अगस्त में विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। इस जोड़ी का यह विश्व टूर पर तीसरा खिताब है। उन्होंने 2019 थाईलैंड ओपन सुपर 500 और इस साल इंडियन ओपन सुपर 500 ट्राफी जीती है। इस तरह यह जोड़ी सुपर 750 टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी भी बन गई है।

### चाकू से हमले में घायल पाब्लो मारी को अस्पताल से छुट्टी मिली

**मिलान।** फुटबॉल खिलाड़ी पाब्लो मारी को इटली के एक शॉपिंग सेंटर में चाकू से हमले में घायल होने के तीन दिन बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पिछले हफ्ते गुरुवार को सुपरमार्केट से चाकू उठाकर एक व्यक्ति ने मारी सहित पांच लोगों पर हमला कर दिया था। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने मिलान के उपनगर असागो में एक शॉपिंग सेंटर पर हमले के संदेह में एक 46 वर्षीय इतालवी व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आर्सेनल से उधार पर सिरी ए टीम मोंजा से जुड़े 29 वर्षीय मारी को जानलेवा चोटें नहीं आईं लेकिन उनकी पीठ की सर्जरी हुई।

## मैक्स वेरस्टापेन ने 14वीं जीत के साथ एफवन सत्र में सर्वाधिक जीत का रिकॉर्ड बनाया

**एजेंसी ■ मेक्सिको सिटी**

नीदरलैंड के मैक्स वेरस्टापेन ने रविवार को यहां मौजूदा सत्र की 14वीं फार्मूला वन रेस जीतकर एक सत्र में सबसे अधिक रेस जीतने का रिकार्ड बनाया। वेरस्टापेन ने पिछले हफ्ते ही अमेरिका के टेक्सास में फॉर्मूला वन रेस जीतकर जर्मनी के माइकल शूमाकर और सेबेस्टियन वेटेल के सत्र में 13 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। वेरस्टापेन ने रविवार को मैक्सिको सिटी ग्रां प्री में सत्र की अपनी 14वीं जीत के साथ एक सत्र में सर्वाधिक

एफवन जीत का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने सत्र में 13 जीत के रिकॉर्ड को तोड़ा। पिछला रिकॉर्ड 2004 में शूमाकर ने बनाया था जबकि 2013 में वेटेल ने इसकी बराबरी की थी।

## वेस्टइंडीज अपने खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी लीग में खेलने से नहीं रोक सकता : सैमी

**एजेंसी ■ एडीलेड**

पूर्व कप्तान डेरेन सैमी ने कहा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों को दुनिया भर में विभिन्न फ्रेंचाइजी लीग में खेलने से नहीं रोक सकता क्योंकि वह उन्हें वित्तीय सुरक्षा नहीं मुहैया कराता। वेस्टइंडीज की टीम यहां खेले जा रहे टी20 विश्व कप के सुपर 12 के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी। टीम के गिरते स्तर पर बात करते हुए सैमी की आंखें इस दर्द को बयां करती हैं। दो टी20 विश्व कप दिलाने वाले कप्तान सैमी का इससे हताश और नाराज होना लाजमी है। वह बहुत स्पष्ट हैं कि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की तरह वेस्टइंडीज बोर्ड अपने खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी लीग में भाग लेने से नहीं रोक सकता। उन्होंने पीटीआई से कहा, भारत मजबूत है क्योंकि वे अपने खिलाड़ियों को कह सकता है कि आप कहीं और नहीं खेल सकते। आपको समझना होगा कि उनके पास पैसा है, इसलिए वे उन्हें रोक सकते हैं।

## शॉर्ट न्यूज

### कार्तिक की कमर में जकड़न, बांग्लादेश के खिलाफ खेलना संदिग्ध

**एडीलेड।** सीनियर विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का कमर में जकड़न के कारण बुधवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले भारत के अगले टी20 विश्व कप मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। कार्तिक कमर में जकड़न के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के पिछले मैच में अंतिम पांच ओवर विकेटकीपर की भूमिका नहीं निभा पाए थे और मैदान से बाहर चले गए थे।

कार्तिक अगर इस मुकाबले में नहीं खेलते हैं तो टीम में शामिल एक अन्य विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। रविवार को कार्तिक के दर्द के कारण मैदान से बाहर जाने के बाद पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 16वें ओवर से मुकाबला खत्म होने तक विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी। कार्तिक की कमर में जकड़न का कारण बेहद ठंडा मौसम भी हो सकता है। कार्तिक की कमर की जकड़न कितनी गंभीर है इसका पता नहीं चल पाया है लेकिन हल्के दर्द से उबरने में भी आम तौर पर तीन से पांच दिन का समय लगता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, कार्तिक को कमर में दर्द महसूस हुआ। हमने उसकी कमर की ऐंठन की गंभीरता के बारे में जानकारी नहीं है। मेडिकल टीम उसे फिट करने के लिए काम कर रही है क्योंकि गर्मी सिकाई और मालिश करने से जल्दी आराम मिलता है। इसलिए उसे मुकाबले से बाहर नहीं मानें। कार्तिक के लिए टूर्नामेंट अब तक निराशाजनक रहा है। वह पाकिस्तान के खिलाफ एक रन और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 गेंद में छह रन की बना पाए। कार्तिक को टीम में फिनिशर की भूमिका दी गई है लेकिन पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम की पिच की गति और उछाल से निपटने में वह नाकाम रहे। सूर्यकुमार यादव के साथ 52 रन की साझेदारी में अधिक योगदान नहीं देने के लिए उनकी आलोचना हुई। पंत जैसे आक्रामक खिलाड़ी को टीम से बाहर रखने के लिए भारतीय कोचिंग दल को भी कुछ आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। टेस्ट मैचों में पंत को ऑस्ट्रेलिया में शानदार सफलता मिली थी।

### गूंगा पहलवान ने सर्वोच्च खेल सम्मान के लिए फिर उठाई आवाज

**नई दिल्ली।** गूंगा पहलवान के नाम से मशहूर वीरेंदर सिंह ने भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार पर एक बार फिर अपना दावा ठोका है। उन्होंने इस बात पर हैरत जताई है कि बोल और सुन नहीं पाने वाले खिलाड़ियों के ओलंपिक खेलों यानी डेफलंपिक्स में देश के लिए पांच पदक समेत अलग-अलग प्रतिष्ठित स्पर्धाएं जीतने के बावजूद उन्हें अब तक इस पुरस्कार के काबिल नहीं समझा गया है। सिंह ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार के दौरान इशारों की जुबान में कहा, मैं गुजरे बरसों के दौरान डेफलंपिक्स में भारत के लिए पांच पदक जीत चुका हूं जिनमें तीन स्वर्ण पदक शामिल हैं। मैंने मूक-बधिर पहलवानों की विश्व चैम्पियनशिप में एक स्वर्ण पदक समेत तीन पदक जीते हैं। लेकिन मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि मुझे अब तक खेल रत्न पुरस्कार क्यों नहीं दिया गया है? दिल्ली में वर्ष 1886 के दौरान स्थापित अखाड़े बाल व्यायामशाला में लड़कपन से कुश्ती के दांव-पेंच सीखने वाले 36 वर्षीय पहलवान ने बताया कि इस खेल में उनका सफर कतई आसान नहीं रहा है। और उन्होंने तमाम सामाजिक भेदभावों को पीछे छोड़कर अपना मुकाम बनाया है। सिंह ने बताया कि उन्होंने कुश्ती में अपने करियर की शुरुआत सामान्य यानी बोल और सुन सकने वाले खिलाड़ियों के साथ की थी

## हरमनप्रीत ने कहा, ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलना होगा

**एजेंसी ■ भुवनेश्वर**

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने यहां एफआईएच पुरूष प्रो लीग में निचली रैंकिंग की स्पेन से मिली हार के बाद कहा कि उनकी टीम को ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलकर अच्छे नतीजे हासिल करने होंगे। भारत को रविवार को यहां स्पेन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा जो मौजूदा चरण में उसकी पहली हार है। इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर से मिले मौकों का फायदा उठाने को लेकर फिर चर्चा शुरू हो गई। भारत ने टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में न्यूजीलैंड पर 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज की थी। दुनिया की पांचवें नंबर की भारतीय टीम ने आठवीं रैंकिंग की स्पेन के खिलाफ

पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन टीम एक को ही गोल में बदल पाई जो हरमनप्रीत ने 27वें मिनट में किया। हरमनप्रीत ने कहा, हम काफी मौके बना रहे थे। हमें काफी पेनल्टी कॉर्नर भी मिले। हम विभिन्न संयोजन और वैरिएशन की कोशिश कर रहे थे। लेकिन कभी कभार ए काम नहीं करते। हमें अगले हफ्ते दो और मैच खेलने हैं, इसलिए उम्मीद करते हैं कि हम ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलने की कोशिश करेंगे। टीम के लिए एक मैदानी गोल अभिषेक ने 55वें मिनट में किया। भारतीय टीम अब रिवर्स चरण के मुकाबलों में चार नवंबर को न्यूजीलैंड और छह नवंबर को स्पेन से भिड़ेगी। हरमनप्रीत ने कहा, हम पूरे दबदबे से खेलने की कोशिश करते हैं। इसलिए हम ज्यादा मौके बना सकते हैं। हम काफी पास दे पा रहे थे और प्रतिद्वंद्वी के सर्कल में प्रवेश कर रहे थे। लेकिन हम अपनी फिनिशिंग में सुधार कर सकते हैं।

## अटवाल बरमूडा में संयुक्त 49वें स्थान पर रहे

**साउथम्पटन (बरमूडा)।** भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल यहां बटरफील्ड बरमूडा चैंपियनशिप के अंतिम दौर में दो ओवर 73 के स्कोर से संयुक्त 49वें स्थान पर रहे।

टूर्नामेंट की शुरुआत आठ अंडर 63 के शानदार स्कोर से करने वाले अटवाल ने अंतिम दौर के पहले होल में बर्डी लगाई। वह हालांकि तीसरे और नौवें होल में बोगी कर गए। अंतिम नौ होल में अटवाल ने 16वें और 18वें होल में बोगी की लेकिन 17वें होल में बर्डी लगाई जिससे उनका स्कोर दो ओवर रहा। आयरलैंड के सीमस पावर ने अंतिम दौर में एक अंडर 70 के स्कोर से थॉमस डेट्री को एक शॉट से पछाड़कर खिताब जीता।

## खुलासा

### भुवनेश्वर की किफायती गेंदबाजी से आक्रमण करने में मदद मिली: अर्शदीप

**पर्थ।** अर्शदीप सिंह मौजूदा टी20 विश्व कप में अपनी सफलता का श्रेय भुवनेश्वर कुमार को देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि यह सीनियर तेज गेंदबाज पावरप्ले के ओवरों में लगातार दबाव बना रहा है जिससे उनके लिए विकेट हासिल करना आसान हो गया है। अर्शदीप ने पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने शुरुआती ओवरों में क्रमशः बाबर आजम और क्विंटन डिकॉक जैसे शीर्ष बल्लेबाजों को आउट करके भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। अर्शदीप ने तीन मैच में 7.83 की इकोनॉमी रेट से सात विकेट चटकाए हैं। भुवनेश्वर के नाम इतने ही मैच में तीन विकेट हैं लेकिन उन्होंने 10.4 ओवर में सिर्फ 4.87 की इकोनॉमी रेट से रन देते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। अर्शदीप ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की पांच विकेट की हार के बाद कहा, हम बल्लेबाजों की कमजोरियों का अध्ययन करते हैं। मैं और भुवी भाई शुरुआत में कुछ स्विंग हासिल करके बल्लेबाजों को छकाने का प्रयास करते हैं। मैं बल्लेबाज को निशाना बना पाता हूं क्योंकि भुवी भाई इतनी किफायती गेंदबाजी कर रहे हैं कि बल्लेबाज पहले से ही दबाव में है। भुवनेश्वर को भले ही काफी विकेट नहीं मिले हों लेकिन अपनी स्विंग की बदौलत उन्होंने तीनों मैच में बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। अर्शदीप ने कहा, मेरी सफलता का श्रेय उन्हें जाता है। बल्लेबाज उनके (भुवनेश्वर) खिलाफ जोखिम नहीं उठा रहे हैं और मेरे साथ ऐसा कर रहे हैं इसलिए हमने अच्छी साझेदारी की है। गेंदबाजी साझेदारी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि बल्लेबाजी साझेदारी। शुरुआती ओवरों में मिली सफलता से

अर्शदीप का आत्मविश्वास बढ़ा है। अपने छोटे करियर के दौरान पर्थ के विकेट को सबसे तेज मानने वाले अर्शदीप ने कहा, जब आप शुरुआत में विकेट लेते हैं तो आत्मविश्वास हासिल करते हैं और टीम भी आपकी क्षमताओं पर भरोसा करती है। उन्होंने कहा, यह गेंदबाजी करने के लिए शानदार ट्रैक था। यह किसी भी तेज गेंदबाज के लिए स्वप्निल विकेट था और शायद मेरे करियर में अब तक की सबसे जीवंत पिच। हालांकि इस तरह के ट्रैक पर सभी गेंदबाजों के लिए समान आदर्श लेंथ नहीं होती। अर्शदीप ने कहा, इस तरह के विकेट पर हर गेंदबाज के लिए आदर्श लेंथ बदल जाएगी। जिस दिन गेंद थोड़ी स्विंग करती है उस दिन आप फुल लेंथ से गेंदबाजी करना चाहेंगे और विकेट से कोई मदद नहीं मिलती तो आप सामान्य हार्ड लेंथ से गेंदबाजी करते हैं। अर्शदीप ने इस सवाल को दरकिनार कर दिया कि सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को 18वां ओवर क्यों दिया गया। अर्शदीप ने इस कदम के बचाव में कहा, अगर आप पांच गेंदबाजों के साथ खेल रहे हैं तो जहां भी रोहित भाई को लगा कि उन्हें अश्विन को लाना चाहिए तो उन्होंने ऐसा किया। यह पूछे जाने पर कि क्या इस विकेट पर 145 रन का स्कोर पर्याप्त हो सकता था, अर्शदीप ने कहा, यह अगर और मगर का मामला है। हो सकता है कि 133 काफी अच्छा होता और कभी-कभी 160 भी कम लगता है। इसलिए जब तक आप 145 स्कोर नहीं करते तब तक आपको पता नहीं चलेगा।

**टी20 विश्व कप** | निजता के हनन का मामला

## कोहली ने होटल के कमरे का वीडियो फैन द्वारा लीक किए जाने की निंदा की

**एजेंसी ■ पर्थ**

विराट कोहली ने सोमवार को एक प्रशंसक द्वारा उनके होटल के कमरे का वीडियो शूट करने और इसे सार्वजनिक करके उनकी निजता का हनन करने की निंदा की। कोहली ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संदेश के साथ फिर से साझा करते हुए कहा कि वह इस तरह की हरकत से खुश नहीं हैं। मौजूदा टी20 विश्व कप में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया में मौजूद कोहली ने लिखा, मैं समझता हूं कि प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखकर खुश और उत्साहित होते हैं और उनसे मिलने के लिए रोमांचित होते हैं और मैंने हमेशा इसकी सराहना की है। उन्होंने कहा, लेकिन यह वीडियो भयावह है और इससे मैं अपनी निजता को लेकर काफी परेशान महसूस कर रहा हूं। कोहली ने कहा, अगर मैं अपने होटल के कमरे में निजता नहीं रख सकता तो फिर मैं कहां निजता की उम्मीद कर सकता हूं? मैं इस तरह के निजता के हनन से खुश नहीं हूं। कृपया लोगों की निजता का सम्मान करें और उनके साथ मनोरंजन की वस्तु की तरह व्यवहार नहीं करें। किंग कोहली के होटल का कमरा नाम के शीर्षक के इस वीडियो में एक आदमी कोहली की निजी चीजों के बीच कमरे में घूमता दिख रहा है। इस वीडियो में कोहली के हेल्थ सप्लीमेंट, जूते, खुला हुआ सूटकेस दिख रहा है जिसमें उनकी भारत की जर्सी, कैप और मेज पर पड़ा चश्मा शामिल है। ऐसा प्रतीत होता है कि जब वीडियो शूट किया गया तब एक से अधिक व्यक्ति कमरे के अंदर थे और वे संभवतः होटल स्टाफ के सदस्य थे। भारतीय टीम के सदस्य सोमवार को पर्थ से एडीलेड के लिए रवाना हुए जहां उन्हें बुधवार को बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत को मौजूदा टी20 विश्व कप में पहली हार का सामना करना पड़ा जब उसे रविवार को दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट से शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भी इस घटना पर गुस्सा जाहिर किया है। वार्नर ने कोहली की पोस्ट पर टिप्पणी की, यह हास्यास्पद है, पूरी तरह से अस्वीकार्य है। कोहली की पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने निजता का अनादर करने वाले लोगों पर निशाना साधा। अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कुछ घटनाओं का अनुभव किया है जहां प्रशंसकों ने अतीत में कोई संवेदना नहीं दिखाई लेकिन यह सबसे बुरा है। मनुष्य का पूर्ण अपमान। अगर कोई सोचता है कि आप सेलिब्रिटी हो तो इस तरह की चीजों से निपटना पड़ेगा तो आप भी समस्या का हिस्सा हैं। उन्होंने लिखा, कुछ आत्म नियंत्रण से हर किसी को मदद मिलती है। साथ ही अगर आपके बेडरूम में ऐसा हो रहा है तो फिर हद कहां है। इस साल जनवरी में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान प्रसारणकर्ता द्वारा बेटी वामिका की तस्वीरें दिखाए जाने के बाद विराट और अनुष्का ने मीडिया से अनुरोध किया था। कि इन तस्वीरों को प्रकाशित नहीं करें।

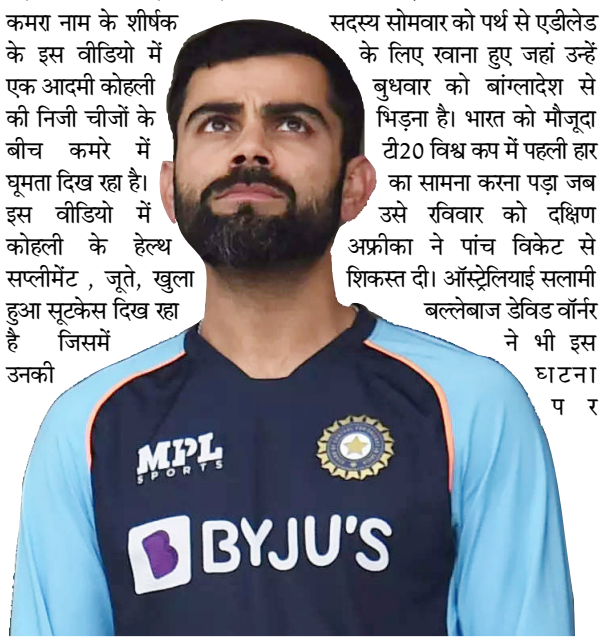

बॉलीवुड ...

# कंगना रनौत ने दिया राजनीति में आने के संकेत

फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा कि वह हर तरह से हिमाचल प्रदेश के लोगों की सेवा करना चाहती हैं, भले ही उन्हें राजनीति में आने की जरूरत क्यों न पड़े। मनाली की रहने वाली अभिनेत्री ने कहा कि अगर उन्हें अपने गृह राज्य के लोगों की भलाई के लिए काम करने का मौका मिलता है तो यह उनके लिए गर्व की बात होगी। 35 वर्षीय कंगना ने कहा, जो भी स्थिति होगी... अगर सरकार मेरी भागीदारी चाहती है, तो मैं हर प्रकार की भागीदारी के लिए पूरी तरह से तैयार रहूंगी... अगर हिमाचल प्रदेश के लोग मुझे अपनी सेवा का मौका देते हैं तो यह मेरे लिए सम्मान की बात होगी, निश्चित रूप से, यह मेरा सौभाग्य होगा। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री ने 12 नवंबर को राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले शिमला में पंचायत आजतक हिमाचल प्रदेश कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। राज्य में मतगणना आठ दिसंबर को होगी। इस महीने की शुरुआत में कंगना ने कहा था कि पेशेवर रूप से राजनीति में आने की उनकी कोई योजना नहीं है क्योंकि उनका ध्यान अपने फिल्मी करियर पर है। कार्यक्रम के दौरान मणिकर्णिका की अभिनेत्री से अमेरिकी अरबपति एलन मस्क द्वारा हाल में ट्विटर के अधिग्रहण के बारे में भी पूछा गया और यह भी कि क्या वह निकट भविष्य में सोशल मीडिया के इस मंच पर वापस आना चाहेंगी। नियमों के बार-बार उल्लंघन विशेष रूप से नफरत फैलाने वाले आचरण और अपमानजनक व्यवहार की नीति उल्लंघन के आरोप में पिछले साल मई में माइक्रोब्लॉगिंग साइट ने कंगना के ट्विटर अकाउंट को बंद कर दिया था। उन्होंने कहा, मैं एक साल ट्विटर पर रही और ट्विटर मुझे एक साल भी बर्दाश्त नहीं कर सका... मैंने मई में इंस्टाग्राम पर एक साल पूरा कर लिया है और मुझे पहले ही तीन चेतावनियां मिल चुकी हैं। इसलिए मैंने कहा कि मैं इंस्टाग्राम का उपयोग नहीं करूंगी। मेरी टीम ने संभाल लिया है और अब सब कुछ अच्छा है। किसी को इससे कोई समस्या नहीं है।

> 35 वर्षीय कंगना ने कहा, जो भी स्थिति होगी... अगर सरकार मेरी भागीदारी चाहती है, तो मैं हर प्रकार की भागीदारी के लिए पूरी तरह से तैयार रहूंगी... अगर हिमाचल प्रदेश के लोग मुझे अपनी सेवा का मौका देते हैं तो यह मेरे लिए सम्मान की बात होगी

# सामंथा रुथ प्रभु

## मायोसाइटिस नामक बीमारी से पीड़ित

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने कहा कि उनमें मायोसाइटिस नामक बीमारी का पता चला है। अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म यशोदा के ट्रेलर को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के लिए अपने प्रशंसकों को शुक्रिया कहते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी बीमारी के बारे में बात की। सामंथा ने लिखा, यशोदा के ट्रेलर पर आपकी प्रतिक्रिया जबरदस्त थी। यह प्यार और जुड़ाव है जो मैं आप सभी के साथ साझा करती हूं और जो मुझे जीवन में आने वाली अंतहीन चुनौतियों से निपटने की ताकत देता है। मायोसाइटिस को एक ऑटोइम्यून स्थिति माना जाता है जिसमें शरीर की मांसपेशियों पर बेहद असर पड़ता है। इसके सामान्य लक्षणों में मांसपेशियों में दर्द, थकान, खाने-पीने में परेशानी और सांस लेने में कठिनाई होती है। सामंथा ने अस्पताल की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, कुछ महीने पहले मुझे मायोसाइटिस नामक एक ऑटोइम्यून बीमारी पता चला था। मैं इससे छुटकारा पाने के बाद इस बारे में जानकारी साझा करने की उम्मीद कर रही थी। लेकिन इसमें मेरी अपेक्षा से थोड़ा अधिक समय लग रहा है। सामंथा (35) ने कहा कि उनके डॉक्टरों को भरोसा है कि वह जल्द ही पूरी तरह से ठीक हो जाएंगी।

उन्होंने कहा, मेरे जीवन में अच्छे और बुरे दिन रहे हैं...शारीरिक और भावनात्मक रूप से...और यहां तक कि जब ऐसा लगता है कि मैं एक और दिन नहीं गुजार सकती, तो किसी तरह वह पल भी बीत जाता है। मुझे लगता है कि इसका मतलब केवल यह हो सकता है कि मैं ठीक होने के एक दिन और करीब हूं। यह वक्त भी गुजर जाएगा। अभिनेत्री सामंथा की फिल्म यशोदा 11 नवंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।



पत्रकार
मानसी शर्मा

# 'स्त्री 2'

## में होंगे भेड़िया, वैंपायर और रूही

अभिनेता वरुण धवन के करियर के लिए बेहद अहम फिल्म मानी जा रही निर्माता दिनेश विजन और निर्देशक अमर कौशिक की फिल्म 'भेड़िया' की सफलता इन दोनों की कल्पनाओं के 'भूतलोक' का भविष्य भी तय करने वाली है। फिल्म के पहले गाने 'ढुमकेश्वरी' में दिखीं श्रद्धा कपूर ने इस 'भूतलोक' की अगली फिल्म 'स्त्री 2' के शुरुआत का संकेत पहले ही दे दिया है और अब इस फिल्म का अपडेट ये है कि अरसे से अपनी हिट फिल्मों के निर्माताओं को गोल गोल चक्कर लगवाते रहे अभिनेता राजकुमार राव भी लौट के इस फिल्म में शामिल हो गए हैं। फिल्म 'स्त्री' के सीक्वल की शूटिंग अगले साल शुरू होने वाली है और इस फिल्म में आयुष्मान खुराना का वह किरदार भी स्पेशल अपीयरेंस भी दिखने वाला है जिसकी कल्पना अमर कौशिक ने अभिनेत्री समांथा प्रभु के साथ बनने वाली फिल्म के लिए की है।

### स्त्री और रूही के बाद भेड़िया

बीते साल कोरोना संक्रमण काल के दौरान रिलीज हुई फिल्म 'रूही' के समय निर्माता दिनेश विजन ने इसे अपने 'भूतलोक' की दूसरी फिल्म बताया था। लेकिन फिल्म के निर्देशक हार्दिक मेहता फिल्म में वह असर ला नहीं पाए जिसकी उम्मीद फिल्म 'स्त्री' के प्रशंसकों ने की थी। अब दिनेश विजन लौटकर फिर से 'स्त्री' के निर्देशक अमर कौशिक के सोचे 'भूतलोक' पर आ गए हैं। इस भूतलोक की नई फिल्म 'भेड़िया' है जिसमें अभिनेता वरुण धवन हॉलीवुड फिल्मों में दिखने वेयरवुल्फ के किरदार में नजर आएंगे। निर्देशक अमर कौशिक ने इस फिल्म की बुनावट भी हॉरर कॉमेडी की ही रखी है।

### आयुष्मान खुराना बनेंगे वैंपायर

फिल्म 'भेड़िया' के बाद अमर कौशिक के पास अपने इस काल्पनिक 'भूतलोक' की दो फिल्में और हो गई हैं। इसी साल अगस्त में निर्माता दिनेश विजन ने अभिनेता आयुष्मान खुराना को एक वैंपायर फिल्म के लिए साइन किया था। पहली बार कोई हॉरर फिल्म करने जा रहे आयुष्मान इस फिल्म में रक्तपिपासु वैंपायर के रूप में दिखने वाले हैं और फिल्म में उनकी हीरोइन के रूप में सामंथा प्रभु को साइन किया जा चुका है। अमर कौशिक की एक और हॉरर कॉमेडी स्क्रिप्ट 'स्त्री 2' भी लंबे समय से प्रतीक्षा में रही है। जानकारी के मुताबिक फिल्म 'भेड़िया' के गाने में श्रद्धा कपूर की झलक दिखाने के साथ ही अमर कौशिक फिल्म 'स्त्री 2' की शूटिंग की तैयारियां शुरू कर चुके हैं। फिल्म के लिए इसकी पिछली फिल्म के हीरो राजकुमार राव ने भी आखिरकार हां कर दी है। राजकुमार राव के करियर की आखिरी हिट फिल्म भी 'स्त्री' ही रही है, इसके बाद वह करीब एक दर्जन फिल्मों में नजर आ चुके हैं लेकिन उनकी एक भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट नहीं हो सकी है। राजकुमार राव के हां कहने के साथ ही अब आयुष्मान और सामंथा प्रभु वाली वैंपायर फिल्म की झलक भी इसमें दिखाने की तैयारी है। फिल्म 'स्त्री 2' में आयुष्मान खुराना के वैंपायर किरदार की एंट्री होने के साथ साथ इसमें वरुण धवन वाले 'भेड़िया' की भी झलक दिखेगी। कहा जा रहा है कि फिल्म 'स्त्री 2' ही दिनेश विजन और अमर कौशिक के सोचे 'भूतलोक' की पहली ऐसी फिल्म होगी।

## नए साल से पहले शादी के बंधन में बंध जाएंगे

# कियारा और सिद्धार्थ!

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी अपने रिलेशनशिप की वजह से लगातार चर्चा में हैं। दोनों ने आज तक अपना रिश्ता कंफर्म नहीं किया है। लेकिन दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए नजर आते हैं, जिससे ही दावा किया जाता है कि दोनों एक-दूसरे को काफी समय से डेट कर रहे हैं। वहीं, अब सिद्धार्थ और कियारा की शादी के खबरें भी आनी शुरू हो गई हैं। इन सबके बीच दोनों की शादी पर एक नई रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि कपल इसी साल शादी करेगा। एक मीडिया रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सिद्धार्थ और कियारा इसी साल दिसंबर महीने में शादी करेंगे। इस रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने दिसंबर की एक तारीख भी तय कर ली है, जब सिद्धार्थ और कियारा शादी के एक बंधन में बंधेंगे। हालांकि, दोनों के परिवार से कोई भी इस शादी पर बात करने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन दोनों की तरफ से तैयारी शुरू हो गई है। इस रिपोर्ट में यह भी दावा किया है कि शादी के बाद दोनों मुंबई में एक धमाकेदार रिसेप्शन देंगे। बता दें कि बीते दिनों सिद्धार्थ और कियारा की शादी पर एक और रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें दावा किया गया था कि सिद्धार्थ और कियारा अगले साल शादी के बंधन में बंधेंगे। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि सिद्धार्थ और कियारा 2023 के अप्रैल महीने में शादी के बंधन में बंधेगे। लेकिन दोनों की शादी पर सामने आई नई रिपोर्ट ने फैंस को खुश कर दिया है। गौरतलब है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी का रिश्ता फिल्म शेरशाह के सेट पर शुरू हुआ था। इस फिल्म में दोनों की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली थी, लेकिन असल जिंदगी में भी दोनों एक साथ काफी प्यारे लगते हैं। कुछ समय पहले, सिद्धार्थ और कियारा के ब्रेकअप की खबरें भी सामने आई थीं।

## कोलकाता की मेरे दिल में हमेशा से एक खास जगह रही है अनुष्का

बॉलीवुड सुपरस्टार अनुष्का शर्मा अभिनीत फिल्म चकड़ा एक्सप्रेस हिंदी फिल्म उद्योग द्वारा बनाई जा रही सबसे रोमांचक प्रजेक्ट्स में से एक बनने जा रही है। फिल्म में अनुष्का शर्मा भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की भूमिका में हैं और झूलन गोस्वामी के रूप में उनकी प्रत्येक झलक राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में है। वर्तमान में अनुष्का कोलकाता के साथ ही पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में शूटिंग कर रही हैं, जो वैश्विक गौरव के शिखर तक पहुंचने के झूलन के इस सफर के लिहाज से महत्वपूर्ण है। अनुष्का ने खुलासा किया कि कैसे इस मस्ती भरे शहर की हमेशा से ही उनके दिल में एक खास जगह रही है। अनुष्का कहती है कि, कोलकाता का उनके दिल में हमेशा एक विशेष स्थान रहा है। उन्होंने कहा कि, इस शहर और यहां के लोगों की गर्मजोशी, स्वादिष्ट भोजन, सुंदर वास्तुकला आदि, कोलकाता की सारी चीजें उन्हें पसंद है और चकड़ा एक्सप्रेस के लिए इस मस्ती भरे शहर में वापस आना खुशी की बात है। इस बेहतरीन अभिनेत्री ने आगे कहा कि, पिछली बार उन्होंने फिल्म परी की शूटिंग यहां की थी और यहां उस प्रोजेक्ट की शूटिंग से उनकी कई यादें जुड़ी हुई हैं। अनुष्का कहती हैं,

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 कश्मीरी कॉलोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी 1677 टोडरमल कॉलोनी मेन थाना रोड नई दिल्ली 110043 से प्रकाशित RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क- 9871096636, 9205336006, Email:Nazafgarhmetronews@gmail.com / समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे